4 रायपुर संभाग
पारंपारिक पर्व हरेली धूमधाम से मनाया गया

6 अभिमत
छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं, छह किरदार निभाएंगी सारा खान

09 विविध
सफलता पाने स्वयं पर भरोसा रखें : मुकेश शाह

10 अध्यात्म
महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, सोमवार 05 अगस्त 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-08, अंक-343 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

अभी तक 17000 से अधिक लोगों को किया गया रेस्क्यू: धामी

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को गोलू देवता के धाम घोड़ाखाल पहुंचे और पूजा अर्चना की। कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान धामी ने कहा कि आपदाग्रस्त चारधाम यात्रा मार्ग पर युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है। अभी तक 17000 से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। हर गांव और हर वर्ग तक विकास योजनाओं को पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी: यादव

शाजापुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार कृत-संकलित है। इसी कड़ी में आज शाजापुर में 20 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 10 बिस्तरीय मातृ-शिशु चिकित्सालय का लोकार्पण किया गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस चिकित्सालय में जच्चा और बच्चा को उच्च स्तरीय सेवाएं मिल सकेंगी। डॉ. यादव शाजापुर में मातृ-शिशु चिकित्सालय का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिले के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। जिले में नर्मदा का जल आ चुका है।

बिहार में मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि इस वर्ष 16 जुलाई को मुख्यमंत्री कार्यालय बिहार, पटना को ईमेल भेज कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सचिवालय थाना में थानेदार संजीव कुमार के स्वलिखित बयान के आधार पर ईमेल भेजने वाले के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही ईमेल भेजने वाले की पहचान कर ली गई है। सूत्रों ने बताया कि ईमेल भेजने वाले की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है।

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारा ध्येय : विष्णुदेव

मुख्यमंत्री ने गौरी-गणेश और भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार का लक्ष्य है। हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है, यहां की 80 प्रतिशत आबादी का जीवन-यापन कृषि पर निर्भर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर खेती-किसानी को समृद्ध बनाने का काम किया है। मुख्यमंत्री निवास में हरेली पर्व पर रंगारंग आयोजन मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित हरेली तिहार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर प्रदेशवासियों को हरेली पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में सरकार ने किसानों की बेहतरी के लिए काम किया है। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण जैसी सुविधाएं सुलभ करायी गई। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ के किसानों को प्रति क्विंटल 3100 रूपए का मूल्य मिल रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। मुख्यमंत्री निवास में हरेली पर्व पर रंगारंग आयोजन हुआ। पूरे परिसर को ग्रामीण परिवेश में सजाया गया था। छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के पहले पर्व हरेली पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी धर्मपत्नि कौशल्या देवी साय के साथ गौरी-गणेश पूजा कर भगवान शिव का अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने कृषि कार्य में प्रयुक्त होने वाले नांगर, रापा, कुदाल व कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा वहां लगायी गयी उन्नत कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और अनुदान पर 23 किसानों को ट्रेक्टर और हार्वेस्टर की चाबी और अन्य कृषि उपकरण प्रदान किए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण देव, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पूरी प्रतिबद्धता और सच्चे मन से प्रदेशवासियों की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर हरेली त्योहार के दिन राज्य में 535 चिकित्सा अधिकारियों की हुई संविदा नियुक्ति

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर हरेली तिहार के दिन राज्य के लोगों को एक बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री की पहल पर राज्य में 535 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर पदस्थापना आदेश जारी किया गया है। इन चिकित्सकों की नियुक्ति से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा चिकित्सा स्नातक एमबीबीएस पाठ्य म 2018 बैच के चिकित्सा स्नातकों को निष्पादित अनुबंध अनुसार दो वर्ष की संविदा सेवा का अवसर दिया गया है। इन चिकित्सा अधिकारियों में बालोद जिले में 22, बेमेतरा में 10, धमतरी में 6, दुर्ग में 55, गरियाबंद में 6, कबीरधाम में 20, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 8, महासमुंद में 34 चिकित्सा अधिकारियों की पदस्थापना की गयी है। इसी प्रकार मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में 3, रायपुर में 42, राजनांदगांव में 22, बलौदाबाजार-भाटापारा में 3, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 15, बिलासपुर में 22, जांजगीर-चांपा में 12, गौरेला-पेण्ड्रा-मारवाही में 4, कोरबा में 32, मुंगेली में 3, रायगढ़ में 42, सक्ती में 1 स्नातक चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति की गयी है। इसी प्रकार बस्तर में 17, बीजापुर में 5, दंतेवाड़ा में 13, कांकेर में 19, कोण्डागांव में 7, नारायणपुर में 1, सुकमा में 11, बलरामपुर में 19, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 16, जशपुर में 21, कोरिया में 6, सूरजपुर में 6 तथा सरगुजा जिले में 32 स्नातक चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति की गयी है ।

राज्यपालों के सम्मेलन में राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के विकास पर दिया प्रेजेंटेशन

पायनियर संवाददाता ➤ नई दिल्ली/रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने 1 से 3 अगस्त तक नई दिल्ली में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में भाग लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में राज्यपाल डेका ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के आकांक्षी जिलों, ब्लॉक, और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास के लिए शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ के आकांक्षी एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। राज्यपाल ने विशेष रूप से बीजापुर जिले के माओवादी गतिविधियों से प्रभावित ग्राम मुड़ावेडी का उल्लेख किया, जहां सड़कों का विस्तार किया गया और प्रशासन द्वारा सुरक्षा बढ़ाई गई। इसके बाद वहां के वंचित बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित थे।

राहुल, प्रियंका ने आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे दुर्घटना पर जताया शोक

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। गांधी ने ट्वीट कर कहा, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए सभी घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

विशाखापत्तनम स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी ➤ विशाखापत्तनम
www.dailypioneer.com

आंध्रप्रदेश के विजाग रेलवे स्टेशन पर रविवार को कोरबा-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई। राहत की बात है कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि चार दमकलों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने कहा कि सुबह करीब 10 बजे ट्रेन प्लेटफार्म पर खड़ी थी तभी आग लग गयी, जिसमें तीन एसी कोच समेत चार कोच क्षतिग्रस्त हो गए।

राजग सरकार कार्यकाल पूरा करेगी : अमित शाह

पायनियर संवाददाता ➤ चंडीगढ़
www.dailypioneer.com

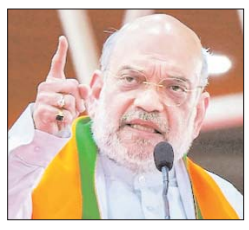

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन सरकार न सिर्फ अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि 2029 में भी राजग की ही सरकार बनेगी। शाह ने चंडीगढ़ में 24 घंटे जलापूर्ति सुनिश्चत करने की परियोजना का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,''मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं कि विपक्ष जो भी कहना चाहे, कह सकता है, लेकिन आप चिंता मत कीजिए। वर्ष 2029 में भी राजग ही सत्ता में आएगा, नरेन्द्र मोदी (ही सत्ता में) आएंगे। उन्होंने कहा, विपक्ष को लगता है कि थोड़ी बहुत सफलता से वे चुनाव जीत गए हैं। उन्हें नहीं पता है कि (पिछले) तीन चुनावों में कांग्रेस को जितनी सीट मिलीं, भाजपा ने इस चुनाव (2024 लोकसभा चुनाव) में उससे ज्यादा सीट जीती हैं। शाह ने कहा, वह यह नहीं जानते। राजग के एकमात्र घटक दल भाजपा के पास उनके पूरे गठबंधन की कुल सीट से अधिक सीट हैं।'' उन्होंने कहा, ''अनिश्चितता का माहौल बनाने का मंसूबा पाले ये लोग बार-बार कहते हैं कि यह सरकार नहीं चलेगी।'' भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''मैं विपक्ष के मित्रों को आश्वासन देना चाहता हूं कि यह सरकार न केवल पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि अगला कार्यकाल भी इसी सरकार का होगा। विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहें और विपक्ष में प्रभावी ढंग से काम करना सीखें।' पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कुल 75 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस परियोजना से मनीमाजरा के एक लाख से अधिक निवासियों को लाभ मिलेगा, जिनमें मॉडर्न हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, शिवालिक एन्क्लेव, इंदिरा कॉलोनी और शास्त्री नगर में रहने वाले लोग भी शामिल हैं।

शिवलिंग निर्माण के दौरान दीवार ढहने से नौ बच्चो की मौत, दो घायल

सागर/वार्ता। मध्यप्रदेश के सागर जिले के शाहपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में आज सुबह शिवलिंग निर्माण और कथा के दौरान कच्चे मकान की जर्जर दीवार ढहने से नौ बच्चों की दबने से मौत हो गयी। वहीं, दो अन्य बच्चे घायल बताए गए हैं। सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री एवं रहली विधायक गोपाल भार्गव मौके पर पहुंच गए। जिला कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि सुबह शाहपुर मे शिवलिंग निर्माण और कथा के दौरान श्रद्धालु एकत्रित हुए। इसमें बच्चे भी शामिल हुए। अचानक शिवलिंग निर्माण स्थल पर लगे टेंट पर दीवार ढह गयी, जिसमे दिव्यांश साहू, आशुतोष प्रजापति, प्रिंस साहू, वंश लोधी, नीतेश पटेल, ध्रुव यादव, पर्व विश्वकर्मा, दिव्यजय साहू और हेमंत की मौत हो गयी। सभी बच्चों की उम्र लगभग दस से पंद्रह वर्ष है। दुर्घटना में सुमित प्रजापति और खुशी पटवा घायल बताए गए हैं, जिनका उपचार जिला चिकित्सालय सागर में चल रहा है।मृतकों के शव पोस्ट मार्टम के लिए जिला चिकित्सालय सागर रवाना कर दिए गए हैं। जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत और बचाव कार्य जारी है।

गंदेरबल में बादल फटा, भूस्खलन के कारण श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग बंद

पायनियर संवाददाता ➤ श्रीनगर
www.dailypioneer.com

जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में रविवार को बादल फटने के कारण हुए भूस्खलन की वजह से रणनीतिक श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी और बताया कि इससे धान के खेतों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि कावचेरवान कंगन इलाके में बादल फटने से भूस्खलन हुआ, जिससे श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद हो गया। साथ ही धान के खेतों को भी नुकसान पहुंचा। मलबे में कई वाहन फंस गये और पानी के कारण घर जलमग्न हो गये, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पडवबल के पास सड़क पर एक नहर ओवरफ्लो हो गयी, जिससे सड़क पर काफी कीचड़ जमा हो गया है। जम्मू-कश्मीर यातायात पुलिस ने एक्स पर पोस्ट पर कहा, कावचेरवान कंगन इलाके में बादल फटने के कारण श्रीनगर करगिल मार्ग अवरुद्ध हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बादल फटने की घटनाओं से कंगन इलाके के कई गांव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे सड़कों, घरों और फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि कावचेरवान, चेरवा और पडवबल गांवों में बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिससे भूस्खलन हुआ। इसके कारण श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया, साथ ही धान के खेतों, सड़कों और घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने राजमार्ग पर यातायात बहाल करने के लिए कावचरवान में सड़क साफकरने के लिए सेवा कर्मियों और उपकरणों को लगाया है।

कार चालक के नीद आ जाने के कारण कार बेकाबू होकर दूसरी दिशा में रेलिंग तोड़ कर बस से जा टकराई

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कार से टकराई स्लीपर बस, 6 की मौत, 46 घायल

वार्ता ➤ इटावा
www.dailypioneer.com

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के उसराहार इलाके में माइल स्टोन 129 पर आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर डबल डेकर बस की कार से हुई जोरदार टक्कर में 6 लोगो की मौत हो गई जब की 45 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क हादसे में सभी घायलो ने इटावा के जिला प्रशासन और डॉक्टर को निर्देशित किया है कि वह सभी घायलों का बेहतरी से इलाज करे। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने रविवार को बताया कि देर रात करीब एक बजे के आसपास हुए इस हादसे के बारे में जानकारी सामने आई है कि अमेठी से नईदिल्ली जा रही डबल डेकर बस दूसरी दिशा से आ रही बेकाबू कार से टकरा गई जिससे बस और कार में सवार 6 लोगो की मौत हो गई। डबल डेकर बस में सवार तीन लोगों की मौत हुई है जबकि कार में सवार तीन ही लोगों की मौत हुई है। सभी घायलों को उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में भर्ती कर दिया गया है जहां डॉक्टरों की टीम सभी का उपचार करने में जुटी हुई है। हादसे की शिकार बस में करीब 80 लोग सवार थे। डबल डेकर बस की जी कर से टक्कर हुई है वह कार राजस्थान के बालाजी से दर्शन करके लौट रही थी । कार को कन्नौज के तालग्राम पर उतरना था लेकिन उससे पहले कार चालक के नीद आ जाने के कारण कार बेकाबू होकर दूसरी दिशा में रेलिंग तोड़ कर बस से जा टकराई। हादसे के बाद बस करीब 50 फीट गहरे खेत में जा गिरी । हादसे में कन्नौज के तालग्राम वासी 24 साल के प्रधुम,25 साल के मोनू और उसकी मां चंदा देवी की मौत हो गई है जब की डबल डेकर बस में सवार 50 साल के ओमप्रकाश निवासी भरसरीया खीरी, जिला लखीमपुर खीरी ओर दो अन्य लोगो की मौत हो गई। मरने वाले दो लोगों की फिलहाल पहचान नहीं हो पा रही है । दोनों की पहचान की कोशिश लगातार जारी बनी हुई है। मृतकों के शवो को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जशपुर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का हो रहा है कायाकल्प

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जशपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 एमबीबीएस चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। दरअसल, जशपुर सहित पूरे प्रदेश में एमबीबीएस चिकित्सको की कमी को दूर करने के लिए लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2018 पाठ्यक्रम का स्नातक उत्तीर्ण मेडिकल छात्र छात्राओं को दो साल के लिए संविदा नियुक्ति देते हुए पदस्थापना सूची जारी की है। इस सूची में जशपुर जिले को 18 चिकित्सक मिलें हैं। इनमें डॉ चंचल धुर्वे को जिला चिकित्सालय,डॉ अविनाश मिंज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूल्दुला, डॉ अंजू परिहार को जिला चिकित्सालय,डॉ मिती कुंज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोरा, डॉ लोकेश कुमार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किलकिला, डॉ. अंकित खलको को जिला चिकित्सालय, डॉ पवन कुमार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झिमकी, डॉ विश्वजीत पांडे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आस्ता,डॉ देवेंद्र कुमार को जिला चिकित्सालय, डॉ जॉन खलखो को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कस्तूरा,डॉ अंकित भगत को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंदाईबहार, डॉ मधुवेन्द्र सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुकरगाँव, डॉ निकिता खलखो को जिला चिकित्सालय, डॉ आकांक्षा तिग्गा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोदाम, डॉ आयुष सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छीछली,डॉ अदिति मोना टोप्पो को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैनी,डॉ शशि एक्का को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र सन्ना और डॉ कुलदीप प्रताप सिंह को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लोदाम में पदस्थ किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पदभार ग्रहण करने के बाद से ही जशपुर जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और इसे सुदृढ़ करने सक्रिय हैं। 18 एमबीबीएस चिकित्सको से पहले जिले को 7 विशेषज्ञ चिकित्सको की नियुक्ति राज्य सरकार कर चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पहले बजट में जशपुर वासियों के दशकों पुराने मेडिकल कॉलेज स्थापना के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 220 बिस्तर का सर्वसुविधा युक्त अस्पताल निर्माण की स्वीकृति देते हुए, इसके लिए बजट भी जारी कर दी है।

जिले में एम्बुलेंस की कमी को दूर करने के लिए 14 अतिरिक्त एम्बुलेंस और 1 शव वाहन उपलब्ध कराया जा चूका है। सरकार ने बजट में जिले के 7 उप स्वास्थ्य केन्द्रो को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करने की स्वीकृति भी दे चुकी है। इसके साथ ही जिले की स्वास्थ्य सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए जिले को 138 करोड़ रूपये का अतिरिक्त आबंटन जारी किया जा चूका है। इस राशि का प्रयोग कुनकुरी में डाईलिसीस केंद्र स्थापित करने के साथ जिला चिकित्सालय में सी आर्म मशीन,लोदाम और मनोरा में ब्लड स्टोरेज मशीन,पत्थलगांव और बगीचा में वाशिंग मशीन और फरसाबहार में अत्याधुनिक एक्सरे मशीन स्थापित करने के लिए किया जाएगा।

पहाड़ी कोरवा बाहुल्य सोनक्यारी में अस्पताल खुले 12 वर्ष हो गए एम्बुलेंस का अब भी अभाव, सरकार से मांग

एक भी एम्बुलेंस नहीं होने की वजह से कई बार रास्ते में ही हो जाता है प्रसव

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर/मनोरा
www.dailypioneer.com

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा बाहुल्य जशपुर जिले के मनोरा विकास खंड के सोनक्यारी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के खुले 12 साल हो गए लेकिन अबतक अस्पताल को एक भी एम्बुलेंस नहीं मिला, जिससे पहाड़ी कोरवा एम्बुलेंस के अभाव में प्रसव के लिए जशपुर व सन्ना ले जाते हैं। वही एक्सीडेंटल केस भी आता है तो ज्यादा तर ग्रामीण पर्सनल गाड़ी में ही ले जाने का प्रयास करते हैं।

पायनियर सरोकार

यहां से पहाड़ी कोरवा आते हैं - बरपाठ, नवाझईर, रेमने, हर्रापाठ, हुंदरूपाठ, इंद्राटोली,यहां की जनसंख्या लगभग 250 पार है। मन्ता कोरवा, बिफना कोरवा,भूमा राम, सुरेश राम, इनका कहना है कि एम्बुलेंस के अभाव के कारण प्रसव रास्ते में या घर में ही हो जाता है। 12 साल से संचालित हो रही है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनक्यारी लेकिन अब तक एम्बुलेंस की व्यवस्था नही हो पाई है। इससे राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवाओं खासे परेशान है।

एम्बुलेंस नही होने के कारण संस्थागत प्रसव की संख्या कम रहती है। और मौखिक रूप से उच्च अधिकारियों से मांग की गई है कि 102 एम्बुलेंस की आवश्यकता है। अगर आवश्यकता पड़ती है तो सन्ना से एम्बुलेंस मंगाना पड़ता है। और सोनक्यारी न लाके सन्ना ले जाया जाता है।

- डॉ. रोशन बरियार,
बीएमओ मनोरा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर चिरायु टीम ने लौटाई 66 मासूमों के चेहरे पर मुस्कान

■ शासकीय और निजी चिकित्सालयों में हुआ निःशुल्क उपचार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जन्म से बीमारी से जूझ रहे जशपुर जिला के 66 बच्चों के चेहरे पर मुस्कान चिरायु टीम ने लौटाई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार राज्य के हर नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर सभी के उत्तम स्वास्थ्य तथा स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिबद्ध है। जिला चिरायु टीम के प्रभारी डॉ अरविन्द कुमार रात्रे ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर चिरायु योजना के तहत पैर की विकृति से जूझ रहे 1, होंठ और तालू की विकृति से जूझ रहे 14, मोतिया बिंद के 3, ह्रदय रोग के 18 के साथ अन्य बीमारियो से जूझ रहे 25 पीड़ितों को निशुल्क आपरेशन करा उन्हें बीमारी से मुक्ति दिलाई गई है। उल्लेखनीय है जशपुर जिले के कांसाबेल तहसील के बगिया स्थित सीएम कैम्प कार्यालय में आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम में जशपुर सहित पूरे प्रदेश से लोग अपनी समस्या और मांग लेकर पहुंचते हैं। बगिया प्रवास में रहने के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जनदर्शन में शामिल हो कर लोगों कि समस्या सुनते हैं। सीएम कैम्प के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सेवा के साथ अन्य सरकारी सेवा और योजनाओं का लाभ उठाने में आ रही परेशानियों का समाधान मिलता है। कैम्प कार्यालय ने प्रदेशवासियों की सुविधा के लिए 07764-250061, 07764-250062 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से भी सीएम कैंप जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराता है।

सीएम साय रायपुर के तेलीबांधा तालाब स्थित मेरीन ड्राइव पर आयोजित हरेली उत्सव और सम्मान समारोह में शामिल हुए

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब स्थित मेरीन ड्राइव पर आयोजित हरेली उत्सव और सम्मान समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने पुआगर, गैती, गेड़ी सहित कृषि यंत्रों की पूजा की और प्रदेश के किसानों की खुशहाली के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने भक्त माता कर्मा के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती की और छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधायक मोतीलाल साहू और संदीप साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन साहू समाज द्वारा किया गया।

स्वतंत्र भारत का क्रांतिकारी निर्णय है तीन नए कानूनों पर अमल : अरुण साव

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री अरुण साव रायपुर के नरदहा में आंजनेय विश्वविद्यालय द्वारा 'डिकोडिंग द चैलेंजेस ऑफ इंडियास न्यू क्रिमिनल लॉज' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश में तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता पर अमल भारत सरकार का क्रांतिकारी निर्णय है। यह लोगों को त्वरित न्याय दिलाने और देश की न्यायिक व्यवस्था में सुधार की दिशा में बड़ा कदम है। पुराने कानूनों में सुधार की जरूरत काफी लंबे समय से महसूस की जा रही थी, पर इन्हें बदलने देश के किसी भी सरकार ने हिम्मत और हौसला नहीं दिखाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्र भारत का क्रांतिकारी निर्णय लेते हुए 1 जुलाई 2024 से नए कानूनों को देश में लागू कराया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कॉन्फ्रेंस में उत्कृष्ट शोध प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों और प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। विगत 2 अगस्त से प्रारंभ हुए इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से आए कानूनी विशेषज्ञों, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने 'डिकोडिंग द चैलेंजेस ऑफ इंडियास न्यू क्रिमिनल लॉज' पर तीन दिनों तक मंथन किया। साव ने 'डिकोडिंग द चैलेंजेस ऑफ इंडियास न्यू क्रिमिनल लॉज' जैसे सामयिक और प्रासंगिक विषय पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के आयोजन के लिए आंजनेय विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद और बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान समय की जरूरत, नागरिकों को जल्दी न्याय दिलाने, जांच और न्याय की प्रकिया में वैज्ञानिक तकनीकों, डिजिटल व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रावधानों को शामिल करने तीन नए कानूनों को प्रभावशील किया गया है।

भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर देश की आजादी से काफी पहले बने पुराने और अप्रासंगिक औपनिवेशिक कानूनों में बदलाव किया गया है। अंग्रेजों ने भारतीयों पर शासन करने और दंड देने के लिए पुराने कानून बनाए थे, जबकि नए कानूनों का उद्देश्य नागरिकों को न्याय दिलाना है। साव ने कहा कि नए कानूनों से आपराधिक मामलों की जांच और सुनवाई में तेजी आएगी। आधुनिक प्रावधानों के साथ साक्ष्य संग्रह और प्रस्तुतीकरण में सुधार होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हरेली पर कृषि औजारों और गेड़ी की पूजा की

प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दीं

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राजधानी रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास में कृषि औजारों और गेड़ी की पूजा कर परंपरागत रूप से हरेली त्योहार मनाया। उन्होंने पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल और किसानों की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। उन्होंने हरेली के मौके पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री साव ने अपने निवास पर आयोजित हरेली कार्यक्रम में कलाकारों के साथ नृत्य किया। उन्होंने इस दौरान गेड़ी का भी आनंद लिया। साव ने हरेली पर्व पर प्रदेश को हरा-भरा बनाने और धरती मां के श्रृंगार के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लोगों से अपनी मां के सम्मान और स्मृति में पौधा लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण के संरक्षण-संवर्धन के साथ ही धरती की सुंदरता भी बढ़ेगी।

बिल्डर्स ने बंद किया था खेत जाने का रास्ता 9 साल बाद अदालत में मिला न्याय

वर्ष 2015 से चली रास्ते की जंग में न्यायालय में मिला इंसाफ : मधु सर्राफ

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

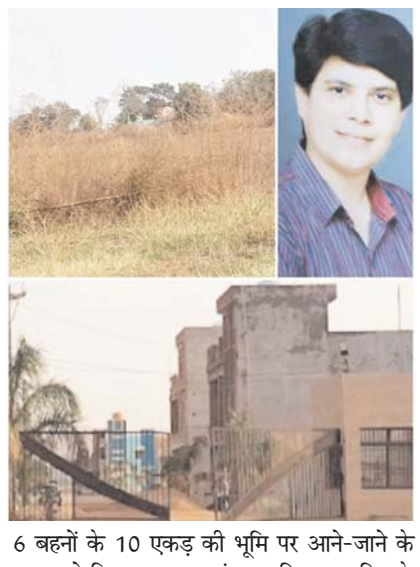

नगर की एक अनोखी कहानी जिसमें कुछ रसूकदारों का मानना था कि बिल्डर्स ने कॉलोनी बनाई है जहा से किसान को अपने खेत में जाने रास्ता मिलना नामुनकिन है किंतु नगर की एक बेटी मधु सर्राफ ने अपनी 6 बहनों के साथ प्रण कर वो कर दिखाया जो शायद ही किसी के बस की बात थी आखिरकार राजस्व प्रशासन का चक्कर काटकर परेशान होकर सर्राफ परिवार की बेटियों ने बिल्डर्स के विरुध्द वाद न्यायालय में पेश किया था जिस पर बिल्डर्स द्वारा आने-जाने का रास्ता बंद कर दिये जाने के विरूद्ध पेश मार्गाधिकार के वाद में वादीगण के रास्ता को बंद कर देना को मानवाधिकार का उल्लंघन मानते हुए न्यायालय द्वारा आने-जाने का रास्ता दिये जाने का आदेश दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला इस प्रकार का है कि पंचशील नगर बलौदाबाजार से लगा निर्माणाधीन कॉलोनी प्रतिष्ठा के दोनों बिल्डर्स नितेश शर्मा व आनंद सर्राफ द्वारा प्रतिष्ठा कॉलोनी से लगी मधु सराफ एवं उसकी अन्य 6 बहनों के 10 एकड़ की भूमि पर आने-जाने के रास्ता को दिवाल उठाकर बंद कर दिया गया जिसके कारण मधु एवं उसकी बहनों द्वारा 9 सालों से अपनी भूमि पर नही आ-जा सकने के कारण न ही कास्तकारी कर सक रहे थे और न ही उक्त भूमि का बिक्री कर सक रहे थे जबकि प्रतिष्ठा कॉलोनी वाली भूमि से उसके पूर्व स्वामी अब्दुल जब्बार के जीवनकाल से लगभग 54-55 साल से मधु एवं उसकी बहनों द्वारा अपने पिता के समय से निरंतर आना-जाना करने के कारण उन्हे उक्त भूमि पर आने-जाने का कानूनी अधिकार प्राप्त हो गया था जिसे प्रतिष्ठा कॉलोनी के दोनों बिल्डर्स द्वारा इसलिए बंद कर दिया गया था ताकि मधु सर्राफ वगैरह अपनी उक्त भूमियों को किसी अन्य के पास बिक्री न कर सकें। तब मधु एवं उसकी बहनों द्वारा अपने अधिवक्ता सतीश चन्द्र श्रीवास्तव के माध्यम से मार्गाधिकार का वाद दोनों बिल्डर्स सहित प्रतिष्ठा कॉलोनी में प्लाट खरीदने वाले सभी लोगो के विरूद्ध न्यायालय में वाद पेश किया गया था जिसमें 9 साल की लंबी लड़ाई लड़ने के पश्चात् व्यवहार न्यायाधीश मंजूलता सिन्हा द्वारा निर्णय पारित कर दोनों बिल्डर्स को मधु वगैरह का रास्ता बंद नही किये जाने का आदेश दिया गया है। अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव ने उक्त संबंध में बताया कि वर्ष 2015 से आज तक मधु और उसकी बहने न ही अपने खेत पर जा सके और ना ही खेती कर सके जिसके कारण उन्हें 20 लाख रूपये से ज्यादा का नुकसान भी उठाना पड़ा है। वही इस मामले को लेकर मधु सराफ ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, किंतु पराजित नही, 9 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मुझे अपने अधिवक्ता सतीश चन्द्र श्रीवास्तव के माध्यम से रास्ते की जंग में न्यायालय से इंसाफ मिला है।

यूपीएससी-प्री 2024 उत्तीर्ण एससी-एसटी अभ्यर्थियों से प्रोत्साहन राशि एक लाख हेतु 6 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने प्रोत्साहन राशि एक लाख रूपए हेतु संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा वर्ष 2024 में सफलता प्राप्त करने वाले प्रदेश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी, एससी) के पात्र अभ्यर्थियों से 6 अगस्त 2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, ब्लाक-डी, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़ में अंतिम तिथि तक जमा कर पावती प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र समय सीमा में रजिस्ट्रर्ड डाक से भी उपरोक्त पते पर भेजा जा सकता है। पात्रता, शर्तें तथा आवेदन पत्र का प्रारूप विभाग की वेबसाईट ट्राइबल डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन (https://tribal.cg.gov.in/) से डाउनलोड किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के एसटी, एससी वर्ग के युवाओं के सिविल सेवा के प्रति उनके परिश्रम के सम्मान में प्रोत्साहन स्वरूप संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर एक लाख रुपए प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान किया है।

एनडीए के बजट में विकसित भारत का रोड मैप : प्रताप राव जाधव

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

केंद्रीय आयुष स्वंतंत्र प्रभार और स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण केंद्रीय बजट को समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय पर केंद्रित बताया है। जाधव ने कहा कि यह बजट युवाओं पर रूपांतरकारी प्रभाव के लिए मंच तैयार करने वाला है। 'GYAN' (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारीशक्ति) आधारित केंद्र सरकार का दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्तियों को बड़े पैमाने पर शैक्षिक और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाया जाए। जाधव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यह बजट न केवल पिछले 10 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में आए गुणात्मक और मात्रात्मक परिवर्तनों को प्रस्तुत करता है, बल्कि विकसित भारत के संकल्पों को पूरा करने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकलकर एक नए मध्यम वर्ग के रूप में उभरे हैं, उन्हें सशक्त करने की निरंतरता वाला यह आम बजट है। बजट में 'विकसित भारत' के लिए घोषित नौ प्राथमिकताओं का जिक्र करते हुए जाधव ने कहा कि 2013-14 में पिछली कांग्रेसनीत संप्रग सरकार का आखिरी बजट 16 लाख करोड़ रुपए का था और हमारी सरकार में यह बजट तीन गुना बढ़कर 48 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। भारत 8 परसेंट की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। भारत, दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है, और जल्दी ही भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकॉनॉमिक पावर बन जाएगा तो नए सेक्टर्स में भी संभावनाएं बन रही हैं, और इस बजट में इस बात का पूरा पूरा ध्यान रखा गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री जाधव ने इस बजट की विशेष प्रावधानों की जानकारी दी और बताया कि दो लाख करोड़ रुपये की लागत से पांच योजनाओं और पहलों से संबंधित प्रधानमंत्री का पैकेज अगले 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार, कौशल प्रशिक्षण और अन्य अवसरों की सुविधा देगा। विकसित भारत को साकार करने के लिए बजट में सभी के लिए पर्याप्त अवसरों के सृजन हेतु 9 प्राथमिकताओं के लिए सतत प्रयासों की परिकल्पना की गई है। जाधव ने कहा कि इस बजट में रोजगार, कौशल विकास, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर विशेष जोर दिया गया है। किसानों की खेतीबाड़ी के लिए 32 बागवानी फसलों की उच्च-उपज वाली तथा जलवायु-अनुकूल 109 नई किस्में जारी की जाएंगी। इसी के साथ अगले दो वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि की शुरुआत करने के लिए सहायता दी जाएगी। इस वर्ष कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री जाधव ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा 1 हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा। इसी प्रकार महिला संचालित विकास को बढ़ावा देने से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के लिए बजट में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के आवंटन का प्रस्ताव दिया गया है, जिनसे महिलाओं और लड़कियों को लाभ होगा। जाधव ने कहा कि इस वर्ष ग्रामीण अवसंरचना समेत ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है। मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का प्रस्ताव है। सरकार अगले 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को 500 शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक योजना का शुभारंभ करेगी। जाधव ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत, एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों की आवास आवश्यकताओं का समाधान किया जाएगा, जिसके लिए 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की चर्चा करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री जाधव ने बताया कि एक करोड़ घरों को प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त करने में सक्षम बनाने हेतु रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना पर लोगों की प्रतिक्रिया काफी अच्छी रही है जिसके अंतर्गत 1.28 करोड़ से अधिक पंजीकरण किए गए हैं और 14 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, तथा हम इसे आगे और प्रोत्साहित करेंगे। अपने आयुष मंत्रालय के लिए बजट प्रावधानों को लेकर जाधव ने कहा कि 2014-15 में जहाँ 1272 करोड़ रुपये का बजट था, वहीं आज यह बजट बढ़कर 3712 करोड़ तक पहुँच गया है।

यूपीए सरकार की तुलना में मोदी सरकार में छत्तीसगढ़ को टैक्स शेयर 380 प्रतिशत और अनुदान 273 प्रतिशत बढ़ा

केंद्रीय मंत्री प्रताप राव ने आंकड़े देते हुए बताया कि मनमोहन सिंह की सरकार में 04 से 14 तक छत्तीसगढ़ को टैक्स शेयर में 47 हजार करोड़ जबकि मोदी सरकार 2 लाख 26 हजार और अनुदान मनमोहन सरकार में 31 हजार करोड़ जबकि मोदी सरकार में 1 लाख 15 हजार करोड़ रु छत्तीसगढ़ को दिया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन में अटल नगर, बिलासपुर और रायपुर का चयन किया गया है। राजनांदगांव, सरगुजा, कोरबा, महासमुंद, कांकेर में मेडिकल कालेज को मंजूरी मिली है। छत्तीसगढ़ का रेल बजट यूपीए सरकार के 311 करोड़ से मोदी सरकार में अब लगभग 7 हजार करोड़ हो गया है। छत्तीसगढ़ में 3,153 किलोमीटर का राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण किया गया है।रायपुर विशाखापत्तनम,दुर्ग रायपुर आरंग और अब रायपुर रांची कॉरिडोर को मंजूरी मिली है जिसकी लागत लगभग 4 हजार 500 करोड़ रु है। कृषि उत्पादों के परिवहन में सहायता हेतु रायपुर हवाई अड्डे को कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। प्रेस वार्ता में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व मंत्री विधायक अमर अग्रवाल, विधायक सुशांत शुक्ला, बजट कार्यों के समन्वयक, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, जिला मीडिया प्रभारी प्रणव शर्मा, केके शर्मा माजूद रहे।

मछली जाल की तो निकल पड़ी

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

तालाब लबालब। जलाशय पूर्ण भराव की ओर, उफन रहे बरसाती नाले। मछुआरों में दोगुनी खुशी इसलिए क्योंकि मछली जाल की कीमत बीते बरस जैसी ही है। इसलिए तीन माह बाद आने वाले सीजन की तैयारी मछुआरों ने चालू कर दी है।

फिलहाल मत्स्याखेट पर प्रतिबंध है। मछली बीज डाले जाने का काम चालू है। कीमत भले ही मछुआरों को अपेक्षाकृत ज्यादा देनी पड़ रही है लेकिन मछली जाल की ठहरी कीमत से बड़ी राहत मिल रही है। बारिश की स्थिति और जल भराव को देखते हुए बेहतर मछली उत्पादन की संभावना से जाल की खरीदी का पहला दौर चालू हो चुका है।

जल भराव पूर्णता की ओर : लघु, मध्यम और वृहद जलाशय में जल भराव पूर्णता की ओर है। तालाबों की सेहत भी लगभग सुधरने लगी है। नदियां उफान पर हैं, तो बरसाती नाले तट से ऊपर बह रहे हैं। मत्स्याखेट पर भले ही बंदिश लगी हुई हो लेकिन सीजन इस बार बेहतर जाएगा। यह सोच जाल बाजार तक मछुआरों को जाने के लिए बढ़ावा दे रही है। दिलचस्प बात यह कि प्लास्टिक और नायलॉन की कीमत में बढ़ोतरी के बाद भी इन दोनों से बनने वाला मछली जाल स्थिर है।

निकली खरीदी इसमें : बाजार और मछुआरों की भाषा में मच्छरदानी कहते हैं ऐसे मछली जाल को जिनसे छोटी मछलियां पकड़ी जाती हैं। जलाशय और तालाब फिलहाल प्रतिबंध के दायरे में हैं इसलिए मछुआरे बरसाती नालों से छोटी मछलियां पकड़ने के लिए ऐसी मच्छरदानी की खरीदी कर रहे हैं, जिनकी कीमत क्रयशक्ति के भीतर ही है। डिमांड को देखते हुए संस्थानें इसके लिए हर सप्ताह ऑर्डर दे रहीं हैं।

300 से 600 रुपए किलो : नायलॉन से बने मछली जाल हमेशा की तरह इस बार भी खूब मांग में है लेकिन पहली बार इसे चीन में बनी जाल से कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा है। इसके बाद भी मछुआरों का भरोसा नायलॉन के मछली जाल पर बना हुआ है। कीमत बीते साल जैसी याने 300 से 600 रुपए किलो पर स्थिर है। जलाशय और तालाब के लिए इसकी खरीदी मछुआरों ने चालू कर दी है।

महतारी वंदन की राशि सभी महिलाओं को मिलना चाहिये : सुशील शर्मा

भाटापारा। विधान सभा चुनाव के दौरान भाजपा ने वादा किया था की सभी विवाहित महिलाओं को सरकार आने पर प्रति माह एक हज़ार रुपया दिया जायेगा इस महतारी वंदन योजना का लाभ मुख्यमंत्री और कलेक्टर की पत्नी को भी मिलेगा किंतु आज भाजपा की सरकार आने पर प्रदेश की सभी महिलाओं को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है मुख्यमंत्री और कलेक्टर की पत्नी के साथ साथ गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार जो पूरी तरह पात्र है उन्हें भी राशि देने की बात से सरकार मुकर गई है। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि एवं पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने कहा कि भाजपा अपनी कथनी के अनुसार कार्य नहीं कर रही है महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की सभी महिलाओं को नहीं मिल रहा है भाजपा सरकार ने प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना में पात्र बताया था उन सभी महिलाओं के बैंक खातो में पैसा नहीं जा रहा है सरकार इसमें से मात्र 30 प्रतिशत महिलाओं के खातो में पैसा डाल कर वाहवाही लूटने में लगी हुई है, जुलाई माह में सभी पात्र महिलाओं को राशि नहीं मिली है क्योंकि सरकार के अफसर शाही लोग बड़ी संख्या में पात्र महिलाओं को लोक सभा चुनाव के बाद अपात्र घोषित कर उनके खातों में पैसा भेजना बंद कर दिया है। सुशील शर्मा ने कहा कि जिन महिलाओं के बैंक खातों में चार महीने लगातार महतारी वंदन योजना का पैसा आया हो ऐसे लाखों महिलाओं का नाम पात्र लाभार्थी की सूची से हटा कर अचानक आपात्र महिला बता कर बड़ी संख्या में महिलाओं को राशि देना बंद कर दिया है।

हरेली उत्सव में पर्यावरण संरक्षण हुआ गुंजायमान ईतवारी राम यादव विद्यालय में पौधारोपण अभियान

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

हरियाली को समर्पित छत्तीसगढ़ के प्रथम लोक पर्व हरेली त्यौहार भाटापारा मे भी हरियाली को समर्पित नजर आया, सरयू साहित्य परिषद, पत्रकार गणों एवं ग्रीन आर्मी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय ईतवारी राम यादव विद्यालय में पौधारोपण किया गया, इस अवसर पर संस्था प्रमुख दिनेश शर्मा, सरयू साहित्य परिषद अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, ग्रीन आर्मी महिला विंग प्रमुख डॉ. सीमा अवस्थी, पत्रकार गण एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। पौधारोपण के पश्चात विचार अभिव्यक्ति की कड़ी मे विविध प्रकल्पों से उपस्थित जनों द्वारा अपने विचार प्रकट करते हुए पौधारोपण के महत्व को समझाया गया तथा हरियाली उत्सव की बधाई दी गयी। इसी कडी मे संस्था के प्राचार्य दिनेश शर्मा सरयू साहित्य परिषद गौरी शंकर शर्मा ग्रीन आर्मी महिला प्रमुख डॉ. सीमा अवस्थी सरिता रानी शर्मा मुस्कान शर्मा पत्रकार शंकर सोनी द्वारा पर्यावरण व पौधरोपण के महत्व को समझाते हुये समस्त जनों को हरेली उत्सव की बधाई दी गई पौधरोपण आयोजन में प्रमुख रुप से श्याम पुरोहित मुकेश शर्मा ललित तिवाडी डॉ. इन्द्रीणी दुर्गा राजकुमार यदु शीतल यादव आकाश मिश्रा आदि प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे।

किरंदुल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है हरेली पर्व

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ का लोक पर्व हरेली या हरियाली आज सम्पूर्ण प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा हैं। इसके साथ ही किरंदुल में भी हरेली तिहार रविवार को हर्षोल्लास साथ मनाया जा रहा हैं।मुख्यतः बच्चों द्वारा उत्साह और उमंग के साथ गेड़ी चढ़कर आनंद ले रहें हैं। गौरतलब हैं। छत्तीसगढ़ का लोक तिहार हरेली छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा की जाती है। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है।परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है।गेड़ी बांस से बनाई जाती है।दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है।

समाज सेवकों द्वारा बाढ़ प्रभावित बच्चों को वितरित की गई पाठ्य सामग्री

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौह नगरी किरंदुल में बीते 21 जुलाई को बैलाडीला की पहाड़ियों से आई सैलाब ने कई वार्डों में लगभग 200 घरों को पूरी तरह प्रभावित किया था। कई घरों का सामान पूरी तरह पानी मे बह गया था।घरों में 3 से 4 फिट पानी मलवे के साथ घुसा था। इस मलवे को सैकड़ों मजदूरों द्वारा अभी भी खाली कराया जा रहा है।जिला प्रशासन, एनएमडीसी एवं स्थानीय लोगों की मदद से पीड़ितों को राहत शिविरों में पनाह देकर उनकी जिंदगी को फिर से पटरी में लाने की कवायद चल ही रहीं हैं।इस बीच आज समाज सेवकों द्वारा किरंदुल मंगल भवन राहत शिविर में जाकर बाढ़ प्रभावित परिवार के बच्चों को कॉपी,पेन,पेंसिल,स्कूल बैग वितरण किया गया।मौके पर हरिशंकर मुखर्जी,शैलेंद्र सिंह, मनोज छालीवाल,जितेन्द्र गुप्ता,सुखदेव पोयाम उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावित परिवार को छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन द्वारा दी गई सहायता राशि

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

विगत दिनों किरन्दुल में आए भीषण बाढ़ से बहुत अत्यधिक प्रभावित परिवार जिनके घर ध्वस्त हो गए,ऐसे प्रभावित परिवार के आकस्मिक राहत हेतु छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन कुआकोण्डा के प्रांतीय पदाधिकारी प्रमोद भदौरिया के मार्गदर्शन में शनिवार को 15 प्रभावित परिवारों को 5-5 हज़ार रूपये की नगद राशि वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामगुलाम साहू, अजय साहू, ओमप्रकाश कैवर्थ, शंकर चौधरी, टीकम साहू,पुष्पा सिंह, मगरीता टोप्पो, राकेश दास, पुहुप साहू, रूपेश मण्डल, कोनेश्वर ठाकुर, राजकुमार कुर्रे, रोहित चौधरी, हेमलता सिन्हा, कविता वर्मा, डोमन साहू, राजेश्वर हदसा, छबील साहू उपस्थित थे।

हरेली त्यौहार के अवसर पर कुमारी भास्कर ने सिरपुर में किया वृक्षारोपण

सरायपाली। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत हरेली त्यौहार के अवसर पर वृक्षा रोपण कार्यक्रम ग्राम पंचायत सिरपुर में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार चौधरी, जनपद पंचायत सीईओ नारायण बंजारा, सरपंच दीपा पटेल,भाजपा कार्यकर्ता धनेश्वर भास्कर, सुभाष प्रधान, सूरज नायक, एवं अधिकारी कर्मचारी तथा ग्रामवासी की उपस्थिति में, आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी की आवाहन पर एक पेड़ मां के नामवृक्षा रोपण किया गया एवंएक पेड़ मां के नाम वृक्ष लगाने के लिए पौधों का वितरण किया गया।

प्रशासन व एनएमडीसी द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करवाया जा रहा हैं सफ़ाई कार्य

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरंदुल में विगत 21 जुलाई को अतिवृष्टि के कारण बाढ़ आने से नगर के वार्ड क्रमांक 03,04,06 एवं अन्य कई स्थानों में जलभराव हुआ और लोगों का मकान, वाहन एवम घरेलू सामग्री पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के तुरंत बाद से जिला प्रशासन, नगरपालिका व एनएमडीसी प्रबंधन द्वारा राहत बचाव का कार्य किया जा रहा हैं।अति प्रभावित परिवारों को मंगल भवन में ठहराया गया हैं।जहाँ उनके लिए नाश्ता भोजन एवं अन्य व्यवस्था की जा रहीं हैं।इसके अलावा प्रभावित क्षेत्र के घरों नालियों में जमे गाद लाल मिट्टी मलबा को नगरपालिका व एनएमडीसी के कर्मचारी हटाकर साफ करने में आज भी जुटे रहें।

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हरेली तिहार

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ भवन किरंदुल में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के तत्वाधान में रविवार को छत्तीसगढ़ का प्रथम त्यौहार हरेली महापर्व का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक संजीव साही के मुख्य आतिथ्य तथा विशेष अतिथिगण उपमहाप्रबंधक कार्मिक बी के माधव महाप्रबंधक उत्पादन आर राजा कुमार ,महाप्रबंधक खनन एस के कोचर ,सहायक महाप्रबंधक कार्मिक शैलेंद्र सोनी ,श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए के सिंह,सीआईएसएफ निरीक्षक टी आर वर्मा , तथा किरन्दुल नगर के विभिन्न छत्तीसगढी समाज के प्रमुख एवं महिला प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूरी रीति रिवाज के साथ किया गया।सावन माह के कृष्ण पक्ष अमावस्या में मनाया जाने वाला हरेली पर्व में अच्छी फसल की कामना के साथ अन्नदाता बैल और हल सहित कृषि कार्य में उपयोग होने वाले अन्य उपकरणों और औजारों की विशेष पूजा अर्चना कर खेती किसानी का कार्य प्रारम्भ करते है। अतिथिगणों के साथ पूजा का कार्यक्रम कचरू बैगा के करकमलों से सम्पन्न हुआ, कीर्ति राणा व साथियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत प्रस्तुत किया। सचिव पी एल साहू ने स्वागत उदबोधन में छत्तीसगढ़ के प्रथम तिहार हरेली के महत्व को बताते हुए सभी को पर्व की बधाई दी।उपस्थित सदस्यों ने छत्तीसगढ़ी हरेली गीत के साथ गेड़ी का भरपुर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद व मिष्ठान वितरण किया गया। धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष लोकनाथ एवं कार्यक्रम का संचालन बी एल तारम ने किया । हरेली महापर्व के इस शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, सचिव पी एल साहू, कार्यालय सचिव डागेंद्र वर्मा, संरक्षक विश्वजीत वर्मा,शिव कुमार भुआर्य, कल्याण सिंघ रावटे, देवेन्द्र लाला साहू, दिनेश साहू, पिलेश्वर निषाद, परमेन्द्र पटेल, रीमा दिवाकर, गुलेंद्र, दिलीप ठाकुर, लीलाधर यादव जीवन साहू, जीवन नायक, घनश्याम वर्मा, वीरेंद्र साहू, दिलीप ठाकुर, मोहित देशमुख, नथेला नेताम, पार्षद कीर्तनी राणा, पार्षद गायत्री साहू, सहित संस्था के सभी वरिष्ठ सदस्य एवं मातृ शक्ति तथा बच्चे भारी संख्या मे उपस्थित थे।

किसान इंद्रपाल मरकाम के द्वारा अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई के दौरान मिला

एमसीबी जिले में किसान के खेत में मिली प्राचीन मूर्ति

पायनियर संवाददाता ➤ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवा विकासखंड के ग्राम धवलपुर में पिछले दिनों किसान इंद्रपाल मरकाम अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था इसी दौरान उसे एक हिंदू देवी देवता की प्राचीन मूर्ति प्राप्त हुई जो पुरातत्व के लिए उपयोगी हो सकती है मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर जिले के जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ से लगभग 30 किलोमीटर दूर लेदरी, छिपछिपी होकर धवलपुर पहुंचा जाता है कहा जाता है कि यहां कोरिया रियासत के राजा धौरेल शाह की एक पुराना किला था जो लगभग 16वीं सदी में कोरिया रियासत में राज किया करते थे इस महल के भग्नावेश आज भी जीर्णशीर्ण अवस्था में इस स्थल में पड़े हुए हैं इन भग्नाशेष व स्तंभों को देखकर ऐसा लगता है कि प्राचीन काल में इस घने वनांचल क्षेत्र में पत्थरों से किस प्रकार गढ़ी व किला बनाया गया होगा इन पत्थरों में जो चित्र उकेरे गए हैं वह हमारे प्राचीन स्थापत्य कला के साथ मूर्ति कला की उत्कृष्टता को भी दशार्ते हैं इस किला के पास धौरेल राजा का कुआं भी स्थित है इसमें स्थानीय लोगों द्वारा कहा जाता है कि वर्ष भर पानी रहता है।

स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है कि धवलपुर में एक हिंदू देवी देवता की मूर्ति प्राप्त हुई है फोटो देखकर स्पष्ट है कि यह उमामहेश्वर की प्रतिमा है यह 11वीं व 12वीं सदी की हो सकती है कलेक्टर के संज्ञान में लाया गया है इसे जल्द अवलोकन कर अस्थाई जिला संग्रहालय में सुरक्षित रखवा लिया जाएगा वर्तमान में उपसरपंच भागवत कमरो इसका देखरेख कर रहे हैं।

- डॉ विनोद कुमार पांडेय, नोडल अधिकारी, पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग, जिला एमसीबी

अघरिया समाज की महिलाएं सावन महोत्सव में बनाएंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

फुलझर अघरिया समाज भवन में एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है, जहां अघरिया समाज की महिलाएं अधिकतम पार्थिव शिवलिंग बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगी। इस आयोजन के लिए विश्व रिकॉर्ड बनाने हेतु आवेदन पहले ही किया जा चुका है। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन अघरिया समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को सम्मान देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। पार्थिव शिवलिंग, जो कि मिट्टी से बनाए जाते हैं, भगवान शिव के प्रति आस्था और समर्पण का प्रतीक हैं। इस आयोजन में सैकड़ों महिलाएं भाग लेंगी, जो सामूहिक रूप से शिवलिंग निर्माण7 करेंगी। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से होगी और इसमें पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन, हवन, और भजन-कीर्तन जैसी धार्मिक गतिविधियां शामिल होंगी। समाज की महिलाएं विशेष प्रशिक्षण के बाद इस आयोजन में भाग लेंगी, ताकि वे शिवलिंग निर्माण की प्रक्रिया को विधिवत और सटीक तरीके से पूरा कर सकें। आयोजन समिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की हैं, जिसमें सामग्री की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, और मीडिया कवरेज शामिल हैं। इस ऐतिहासिक प्रयास के माध्यम से अघरिया समाज की महिलाएं अपनी धार्मिक आस्था को व्यक्त करने के साथ ही समाज की एकता और सामूहिकता का संदेश भी प्रसारित करेंगी। यह आयोजन न केवल अघरिया समाज के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। अगर यह प्रयास सफल होता है, तो यह न केवल स्थानीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनेगा।

पारंपारिक पर्व हरेली धूमधाम से मनाया गया

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ के पारंपारिक त्यौहार हरेली पूरे अंचल में उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। सावन मास की अमावस्या को हरेली त्यौहार मूलतः हरियाली के साथ जुड़ा हुआ है। इस दिन को हम त्यौहारों की शुरुवात मानते हैं जो कि होली पर जाकर अंतिम त्योहार आता है। हरेली त्यौहार के साथ कई किंवदत्तियां जुड़ी है। किसानों का प्रमुख और छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार हरेली क्षेत्र में परंपरागत रूप से मनाया गया। प्रदेश के प्रमुख पर्वों में शामिल हरेली कृषि पर आधारित त्योहार है। लिहाजा किसानों ने सुबह से ही कृषि औजारों नांगर, हल, रांपा, कुदाल, इत्यादि की साफ-सफाई करते है इसके बाद परंपरागत रूप से नया मुरम डालकर पूजन स्थल तैयार किया। यहां सभी औजारों को सजाकर पूजा की गई। कृषि कार्य में किसानों को सहयोग देने वाले मवेशियों की पूजा की गई साथ ही इन्हें लोंदी गेहूं आटा से बना दवाई खिलाया गया। गाँव की गायों को चराने वाले चरवाहे द्वारा नीम की पत्तियों को हर घर के दरवाजे पर लटकाया जाता है जिससे ये माना जाता है की इससे बुरी शक्तियों का प्रवेश घरों में नहीं होता। यहीं नहीं यादवजनों के द्वारा घरों, दुकानो, मवेशियों को बुरी नजर से बचाने के लिए गोशाला, घर के दरवाजे पर नीम की पत्ती लगाई गई। छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का त्योहार विशेष पर खास महत्व है। हरेली त्योहार पर मीठा गुलगुला भजिया और गुड़ से बनी चीला रोटी का व्यंजन बनाया गया। इन व्यंजनों से इष्ट देव को भोग लगाया गया। साथ ही परंपरागत पकवानों का लुत्फघर परिवार के लोगों ने भी लिया। हरेली पर बांस से गेड़ी बनाई जाती है। इसका भी पूजन किया जाता है। गेड़ी पर चढ़कर बच्चे, युवा चलते, दौड़ते नजर आए। हालांकि बदलते समय के साथ गेड़ी चढ़ने का चलन लगातार घट रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में कहीं-कहीं गेड़ी पर चढ़कर खेलते बच्चों को देखा गया। त्योहर पर गेड़ी चढ़ने का अलग ही आनंद है। युवाओं ने बताया कि गेड़ी में पैर रखने के लिए बांस के टूकड़े का पाव बनाया जाता है। इससे नारियल की बूच रस्सी से बांधा जाता है। जिससे चढ़ने पर एक अलग ही आवाज निकलती है। जो आनंदित करती है।

संस्कृत विषय में गेसमोती पटेल को पीएचडी की मिली उपाधि

विधायक सहित अन्य समाजिक जनों ने दी बधाई

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय अघरिया समाज की केंद्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गेसमोती पटेल ने आईएसबीएम यूनिवर्सिटी नावापारा जिला गरियाबंद छग के फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एंड ह्यूमिनिटीज के अंतर्गत संस्कृत विषय में कालिदासीय महाकाव्यों में प्रकृति परिभावना : एक समीक्षात्मक विवेचन पर थीसिस प्रस्तुत कर डॉक्टर ऑफ फिलासफी की डिग्री हासिल की है। आपने यह शोध डॉ. शीला खूंटिया के निर्देशन में पूरा किया। डॉ.गेसमोती पटेल वर्तमान में शास. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरायपाली जिला महासमुंद में लेक्चरर के रूप में कार्यरत हैं। ग्राम तिलाईपाली, सरायपाली की बेटी और गिधापाली, बसना की बहु गेसमोती पटेल की प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक शाला डंगनिया, मिडिल स्कूल केंदुवा तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल केंदुवा में हुई है। आपने डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर से स्नातक के साथ ही साथ अर्थशास्त्र और संस्कृत विषय में एमए किया है। आप अपने शिक्षकीय कार्य का दायित्व वहन करने के साथ ही साथ सामाजिक कार्यों, अघरिया सामाजिक संगठन और कर्मचारी संगठनों में विभिन्न पदों पर रहते हुए सामाजिक चेतना जागृत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन सरायपाली के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष, अखिल भारतीय अघरिया समाज सरायपाली की महिला संयोजिका, केंद्रीय महिला संयोजिका के पदों पर रहते हुए अखिल भारतीय अघरिया समाज द्वारा आयोजित सरायपाली और धनागर महिला सम्मेलनों में अध्यक्षता करते हुए महिला सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन करने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई। आपने अपने इस शोधकार्य पूरा करके डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने पर इस कार्य को सफ्लता पूर्वक पूरा करने में सहयोग प्रदान करने वालों के बारे में कहा कि प्रस्तुत शोध प्रबंध मैंने परम श्रध्देय डॉ. शीला खुटिया के निर्देशन एवं संरक्षण के साथ-साथ डॉ. डायमण्ड साहू सर के सटीक मार्गदर्शन प्रेरणा एवं सहायता से सम्पन्न किया। इस शोध प्रबंध को सम्पन्न करने में आई.एस.बी.एम. विश्वविद्यालय नवापारा, कोसमी, छुरा के प्रेरणा स्त्रोत डॉ. विनय अग्रवाल, कुलाधीपति, पर आदरणीय डॉ. आनन्द महलवार, कुलपति, विद्वान निर्देशक एवं मार्गदर्शक कुलसचिव डॉ. बी. पी. भोल, विश्वविद्यालय के अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. एन. के. स्वामी, कला संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ गरिमा दीवान इत्यादि उक्त सभी का मार्गदर्शन मुझे प्राप्त हुआ जिनके ज्ञान से मेरा सदैव सम्बल बना रहा। मैं उन सबके प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

ग्राम स्तर तक डायरिया नियंत्रण के लिए मितानिनों को दिए जा रहे है प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ◂ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी द्वारा डायरिया एवं मलेरिया की स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली गई थी। बैठक में कलेक्टर द्वारा मितानिनों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने और मलेरिया डायरिया विषय पर सूचना के प्रसार संबंधी निर्देश देने के संबंध में निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देश पर अमल करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्ग दर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि शर्मा द्वारा 30 जुलाई को मितानिन कार्यक्रम के समस्त ब्लॉक एवं स्वस्थ पंचायत समन्वयक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रखी गई। तत्पश्चात 31 जुलाई को 107 मितानिन प्रशिक्षकों की ऐसी ही बैठक करते की गई. इसके बाद पश्चात 1 अगस्त को जिले की ढाई हजार मितानिनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ा गया। इसके लिए मितानिनों को निकटतम सीएचसी तथा पीएचसी में उपस्थित होकर इस बैठक में जुड़ने के निर्देश दिए गए थे। बैठक में डायरिया,मलेरिया के प्रकरणों की जानकारी उचित माध्यम से तत्काल दिए जाने के संबंध में निर्देश दिया गया। डीपीएम, एपिडिमियोलोजिस्ट श्वेता एवं एमटीएस सरोजनी साहू द्वारा मितानिनों से मलेरिया एवं डायरिया के एक्टिव केसेस की जानकारी ली गई। मितानिनों द्वारा प्रकरण मिलने पर सर्वे कार्य प्रारंभ करने, पानी उबालकर पीने, ओ आर एस एवं जिंक का वितरण करने, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करने, क्लोरिनेशन करने की जानकारी दी गई। इसी प्रकार मलेरिया के संबंध में भी मितानिनों से जानकारी लेते हुए उन्हें बताया गया कि बुखार के लक्षण मिलने पर रैपिड टेस्ट किट से जांच किया जाए, पॉजिटिव पाए जाने पर मरीज को निकटतम पीएचसी/सीएचसी में भर्ती कराया कराएं। मरीज यदि घर में है तो मितानिन द्वारा अपने निगरानी में दवा सेवन कराने के संबंध में निर्देश दिया गया। रिपोर्ट के आदान प्रदान एवं गुणवत्ता के संबंध में डीडीएम वीरेंद्र बघेल द्वारा जानकारी दी गई। उक्त प्रशिक्षण में श्वेता शर्मा, सरोजनी साहू, वीरेंद्र बघेल ने सहयोग किया।

शासकीय विद्यालय में सड़क सुरक्षा व जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला चिवराकुटा में नोडल प्राचार्य संतोष कुजूर, संकुल समन्वयक कृष्ण चंद्र पटेल के मार्गदर्शन एवं प्रधानपाठक द्वय भोज कुमारी निर्मलकर, सरिता बारिक, निरूपमा देवता, जयभारत नाग के उपस्थिति में सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बच्चों को सड़क पार करते समय सावधानी बरतने एवं सड़क में चलते समय बाईं ओर चलने के लिए सलाह दिया गया। सड़क में ज़ेब्रा क्रॉसिंग पार करते समय दाएं-बाएं देखकर पार करना चाहिए। सड़क पार करते समय रुको, देखो, सुनो प्रक्रिया से गुजर कर कार्य करने की आवश्यकता है। जिससे हम अपने जान माल की सुरक्षा के साथ सुरक्षित रह सकते हैं। प्राथमिक शाला एवं उच्च प्राथमिक शाला के बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्रबंधन समिति के सदस्यों को जागरूकता की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने शपथ लेकर अपने परिवार को भी जागरूक करने के लिए वचन दिया।

विहिप, बजरंग दल के जिला कार्याध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर सम्मानित

धमतरी। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल जिला धमतरी के जिला कार्याध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर का सम्मान दैनिक समाचार पत्र द्वारा आयोजित धमतरी एक्सीलेंस अवार्ड 2024 में मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री टकराम वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, समाजसेवी पंडित राजेश शर्मा एवं दैनिक समाचार टीम के राज्यस्तरीय अधिकारियों द्वारा राधकृष्ण भवन में किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा जगत, शिक्षा जगत, समाजसेवा, साहित्य, होनहार विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने व प्रदर्शन करने वाले कुल 61 लोगों का सम्मान किया गया जिसमें सुबोध राठी, रागिनी मिश्रा, सुरजीत नवदीप, सरिता दोशी, शत्रुघन पांडेय जैसे महानुभाव भी थे। दीपक सिंह ठाकुर ने सभी वरिष्ठ जनों का हाथ जोडकर सहृदय आभार व्यक्त किया और इस प्रकार के सम्मान समारोह से समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी सेवकों का मनोबल बढता है और एक नई उमंग के साथ ऊर्जा का संचार होता है, धर्म की नगरी धमतरी में ऐसे आयोजनों से सभी का मन प्रफुल्लित होता है और सभी का उत्साहवर्धन भी होता है और सभी को प्रेरणा भी मिलती है।

व्याख्याता घनश्याम ने कराया न्योता भोज

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में शासकीय आदर्श बालक उच्च. माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत व्याख्याता घनश्याम दीप द्वारा अपने जन्मदिवस के पूर्व दिवस न्यौता भोज कराया जिससे विद्यालय में अध्ययनरत तीन सौ से अधिक विद्यार्थी लाभांवित हुए। उक्त न्यौता भोज में आदर्श विद्यालय के प्राचार्य जे पी पटेल, आर के पटेल, जोगी लाल पटेल, अरिल्ल, प्रकाश कुमार ठेठवार, कुसुम देवांगन, तिलोत्तमा साहू, मनोज कुमार चौधरी, दास, राजकुमार पटेल, जैमिनी साव, अनीता साल, मनोज कुमार पटेल, महेश नायक, प्रधान? पाठक आशा शर्मा , धनपत सिदार, भारती सिदार, नेतराम , शोभाराम भोई, प्रमोद प्रधान, रोहित मुन्ना, मोहितेश नायक, लता, मूंगा, सुभाषिनी, मंजू, घासी चौहान, केशव चौहान, अंजनी मुन्ना एवं समस्त कर्मचारियों प्रधान पाठक आशा शर्मा के द्वारा विद्यालय तथा विद्यार्थियों की ओर से घनश्याम दीप को साधुवाद ज्ञापित किया गया। उपरोक्त जानकारी लेख रंजन बी पात्रो ने दिया।

छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरण व पौधारोपण

पायनियर संवाददाता ◂ लवन
www.dailypioneer.com

कसडोल विधानसभा के ग्राम पंचायत डोंगरा स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरकार की महत्वपूर्ण योजना सरस्वती साइकिल योजना के तहत विद्यालय में अध्ययन रत छात्राओं को निःशुल्क सायकल प्रदान किये गए।विदित हो कि इस विद्यालय में क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिल्दा, डोंगरा, डोंगरीडीह सहित तीनो गाँवों से छात्र छात्राएं अध्ययन के लिए आते हैं ।उक्त सभा के अवसर पर भाजपा नेता शिव वर्मा ने कहा कि छात्राओ को पैदल यात्रा कर विद्यालय पहुँचने में समय की देरी सहित कई समस्याओं से जूझना पड़ता था लेकिन अब सरकार के महत्वपूर्ण योजना का लाभ उक्त विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को मिलने से उन्हें विद्यालय पहुँचने में भी आसानी के साथ साथ समय की बचत होगी, जिससे स्कूल आ पढ़े बर जिंदगी ल गढ़े बर का स्लोगन साकार होगी, निश्चित ही सायकल मिलने के बाद छात्राओं के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। मनोज टंडन सरपंच ने कहा कि शासन की योजना के चलते आज बच्चियों को सायकल मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, शासन ने छात्राओ के हित के दिशा में जो योजना चालू किये हैं वह वाकई में वन्दनीय है। इससे अनेकों छात्राओं को उच्च शिक्षा अध्ययन ग्रहण करने स्कूल आने में मिल का पत्थर साबित होगा।छात्राओं ने शासन प्रशासन सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त कर प्रसन्नता जाहिर किये। सायकल वितरण पश्चात अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण भी किये गए। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सरपंच मनोज टंडन, वरिष्ठ भाजपा नेता शिव वर्मा ,पत्रकार गोलू कैवर्त, पूर्व सरपंच ताराचंद वर्मा, रोजगार सहायक किशन चेलक, पटवारी जीवन दास मानिकपुरी, भूपेंद्र चेलक, मया राम वर्मा, प्रभारी प्राचार्य योगेश कुमार साहू, शिक्षक हरबंश रत्नाकर, डी पी साहू, शिक्षिका कविता शर्मा, दिव्या पांडेय, सफाई कर्मी दूज राम वर्मा सहित छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

बड़े-बड़े पोस्टर होडिंग लगाकर 18 लाख़ आवास देने का ढिंढोरा पीटने वाले की आम जनता के बीच खुली पोल : भावसिंह

पायनियर संवाददाता ◂ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

प्रदेश के कौने कौने में 18 लाख आवास देने की बड़े बड़े पोस्टर होडिंग लगाकर भाजपा ने प्रदेशवासियों को ठगने का काम किया है क्योंकि आज के स्तिथि में ना किसान मजदूर महिलाओ को आवास मिला है और अन्य को सिर्फ़ कागज ढिंढोरा पीटकर वोट हथिया लिए और भूल गए मतलब देश के प्रधानमंत्री के गारंटी की कोई गारंटी नही है लेकिन याद रहे छत्तीसगढ़ की जनता हिसाब किताब करने माहिर हैं और इसका जवाब 2028 में जरूर देगी। उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भावसिंह साहु ने कहा है भावसिंह ने आगे बताया की टीवी मीडिया अखबार सहित अन्य प्लेट फ र्म में भाजपाई चीख चीख कर तत्कालीन भूपेश बघेल के खिलाफ झूठ बोलते रहे की घर नही दे रहे जबकि भूपेश बघेल सरकार के आवास के राशि को भी रोक दिया है इससे बड़ा छलावा गरीब भोले भाले लाखो लोगो के साथ और किया हो सकता है और यह देख प्रदेश के ठग भाजपाई से अच्छी तरह अवगत हो चुके है फिर भी भाजपा के विधायक से लेकर शीर्ष नेतृत्व आम जनता के बीच भ्रम फैला रहें भावसिंह साहु ने भाजपा पर आग बबूला होते हुए यह भी कहा कि विधानसभा के भीतर मंत्री ने भी स्वीकार किया की 18 लाख की दावा मे एक भी हितग्राही को आवास नही मिल पाया है जिससे प्रदेशवासियों में काफी ज्यादा नाराजगी है इसके साथ जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाव सिंह साहु ने पूर्व मुख्यमंत्री भुपेश बघेल को किसान मजदूर माता बहनों की हितेषी बताते हुए कहा की भूपेश बघेल को आज भी गरीबों की चिंता होती हैं तभी गरीबों को आवास नही मिलने का मामला को विधानसभा के पटल में रखते अपने कार्यकाल को याद दिलाया साहु ने बघेल के कार्यकाल में आबंटन आवास की आंकड़ा को बताते हुए कहा तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आवास के लिए बजट धनराशि रखा था और इसके मद्देनजर प्रदेश के 7 लाख 5 हजार हितग्राहियों को आवास की पहली किश्त भी जारी किया रहा लेकिन वर्तमान सरकार ने आवास को लेकर कुछ भी नही किया बल्कि अपने जुमला को छुपाने के लिए तरह तरह का भ्रम फैलाया जा रहा है।

ए एस आई नरेंद्र मार्कण्डेय के कुशल नेतृत्व में दो शराब तस्कर गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◂ लवन
www.dailypioneer.com

थाना सिमगा पुलिस द्वारा शराब कोचियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में 3 अगस्त को थाना सिमगा के पुलिस सहायता केन्द्र लिमतरा प्रभारी सउनि नरेन्द्र मारकंडेय के हमराह प्रआर अरविंद राय, आर. लक्ष्मी यादव, रामकृष्ण वर्मा, बिरेन्द्र सिन्हा, किशोर मरकाम, चंद्रिका वर्मा व कृष्ण कुमार की पुलिस टीम द्वारा ग्राम लिमतरा प्रकाश ढाबा एवं ढाबा के सामने में अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहे 02 शराब कोचियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से क्रमशः 4000 एवं 3520 कीमत मूल्य का 20 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं 32 पौवा देशी मदिरा मसाला जुमला 5.760 बल्क लीटर शराब जप्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना सिमगा में क्रमशः अपराध क्र. 288/2024, 289/2024 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड में भेजने की तैयारी की जा रही है।

निगम कर्मचारियो पर दबाव बनाना बंद करें नेता प्रतिपक्ष : राजेश पांडे

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

धमतरी नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में शासन के आदेशानुसार जन समस्या निवारण पखवाड़ा मनाया जा रहा है जहां जनता की समस्या का निवारण कितना हो पता है यह आने वाला समय ही बताएगा। इसी तारतम्य में जन समस्या निवारण पखवाड़ा के तहत नगर निगम परिसर शिविर में ब्राह्मण पारा वार्ड पार्षद राजेश पांडये ने नेता प्रतिपक्ष के ऊपर कर्मचारियों पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए कर्मचारियों को नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के नेताओं के दबाव में कार्य नहीं करने को लेकर आयुक्त के नाम आवेदन सौपा गया। पार्षद राजेश पांडे ने बताया कि जब से प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से नगर निगम धमतरी नेता प्रतिपक्ष सहित भाजपा नेताओं के द्वारा निगम कर्मचारियों के ऊपर एक पक्षीय एवं अनैतिक कार्य करने दबाव बनाया जा रहा है जिससे कांग्रेस समर्थित पार्षदों को जनहित के कार्यों को वार्ड में सुचारू रूप से जारी रखने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है अनेक मांगों और आवेदन के पश्चात भी जरूरतमंद लोगों के कार्यों को भाजपा नेताओ के दबाव पर रोका जा रहा है। पूर्व में भी आम चुनाव आचार संहिता के दौरान भाजपा पार्षदों और नेताओ के निगम संसाधनों के दुरुपयोग सहित कई ऐसे अनैतिक कार्य रही जो मीडिया की शुर्खिया बनी जिनकी शिकायत के बाद भी भाजपा नेताओं के दबाव में किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और पार्षदों को लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर कभी भी भरोसा नही रहा है उनके द्वारा हमेशा ही दबाव और तानाशाही का कार्य किया जाता है जो निगम कर्मचारियो के कार्य व्यवहार से सपष्ट होता है।

16 अगस्त तक पीएम फसल बीमा तिथि बढ़ाने से शत प्रतिशत बीमा होने की संभावना

पायनियर संवाददाता ◂ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

गरियाबंद सहित अधिकांश जिला मे फसल बीमा नही कराने को लेकर राज्य सरकार की तिथि बढ़ाने की प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने मुहर लगाते 16 अगस्त तक प्रधानमंत्री फसल बीमा करने का तिथि बढ़ा दिया है उल्लेखनीय हो की जिला के ऋणी और अऋणी किसान अब 16 अगस्त तक खरीफ कृषि फसल एवं मौसम आधारित उद्यानिकी फसलों का बीमा करा सकेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार ने फसल बीमा कराए जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई को बढ़ाकर अब 16 अगस्त 2024 कर दिया है। प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से किसानों को राहत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित उद्यानिकी फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ दिलाने के लिए जिले के ऋणी एवं अऋणी किसानों को मार्गदर्शन देने तथा उनका पंजीयन कराने को कहा है, ताकि प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान होने पर उन्हें क्षतिपूर्ति मिल सके। कृषि विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2024 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए जारी अधिसूचना के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को पंजीयन कराना जरूरी है। इसके लिए पूर्व में अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई थी। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से केन्द्र सरकार ने बीमा की अवधि को बढ़ाकर अब 16 अगस्त कर दिया है। जिले के किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत धान सिंचित, असिंचित, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, कोदो-कुटकी, रागी फसल का बीमा करा सकते हैं गौरतलब है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्रतिकूल मौसम, सूखा, बाढ़, जलप्लावन, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले फसल नुकसान की क्षतिपूर्ति होती है। योजना में ऋणी और अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो, शामिल हो सकते हैं। ऐसे किसान जो अधिसूचित ग्राम में अधिसूचित फसल के लिए बीमा कराना चाहते हैं वे नियत तिथि 16 अगस्त के पूर्व अपना फसल बीमा करा सकते हैं। इसके लिए किसान अपना आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका, बी-1 पॉचशाला खसरा, बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं बोनी प्रमाण पत्र के साथ पंजीयन कराना होगा। किसान बैंक अथवा चॉईस सेंटरों के माध्यम से भी फसल बीमा कराया जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अधिसूचित खरीफ फसल का बीमा कराने की अपील की गई है। विस्तृत जानकारी के लिए किसान क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अथवा नजदीकी बैंक शाखा से सम्पर्क कर सकते हैं।

श्रिया शर्मा को डॉक्टरेट की उपाधि

महासमुंद। स्थानीय महावीर कालोनी निवासी प्रधानपाठक सुशील शर्मा व स्काउट गाइड संघ की जिला उपाध्यक्ष शिक्षाविद डा मंजू शर्मा की पुत्री श्रिया शर्मा को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। श्रिया ने एनालिटिकल स्टडी आफ इंड्रस्टीयल एरियास टू द डवल्पमेंट आफ छत्तीसगढ़ (स्पेशियल रिफ्रेंश टू रायपुर डिविजन) विषय पर शोध किया। जिस पर उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। डा श्रिया ने शोधकार्य दुर्गा महाविद्यालय में पदस्थ डा राजेन्द्र शुक्ला सहायक प्राध्यापक के निर्देशन में पूर्ण किया है। डा श्रिया ने एमवीपीजी कॉलेज महासमुंद से एम कॉम में स्नातकोत्तर उपाधि व दुर्गा महाविद्यालय रायपुर से एम-फिल की, वे सेट उत्तीर्ण हैं। डा शर्मा की उपलब्धि पर एमवीपीजी कालेज, दुर्गा महाविद्यालय के प्राचार्य, वाणिज्य विभाग एवं स्टाफ ने हर्ष जताया है।

समस्याओं के त्वरित समाधान से लोगों में हर्ष की लहर, शहर में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा को मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

- शिविर में 200 शिकायतों में 140 का निराकरण कर शेष 60 आवेदनों को निराकरण करने संबंधित विभाग को सौंपा

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत शहर के वार्ड क्रमांक 08 तकिया पारा,वार्ड क्रमांक 07 शिक्षक नगर एवं वार्ड क्रमांक 09 गिरधारी नगर वार्ड के नागरिको के लिए शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में समस्याओं को लेकर पहुंचे वार्डवासियों में से कुछ की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया,वहीं कुछ समस्याओं को सूचीबद्ध कर उसके शीघ्र निराकरण के लिए आश्वस्त किया गया। ज्ञात हो कि जन समस्या निवारण पखवाड़े में वार्ड के लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है,लोग अपनी समस्या लेकर शिविर में पहुंच रहे हैं. जिसे निगम प्रशासन के द्वारा निराकरण किया जा रहा है साथ ही जनसमस्या निवारण पखवाड़ा में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे वार्डवासियों की कई समस्याओं का निगम प्रशासन के द्वारा त्वरित निराकरण भी किया जा रहा है। जन समस्या निवारण पखवाड़ा में आज महापौर धीरज बाकलीवाल एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी, मनदीप सिंह भाटिया, पार्षद विजेद्र भारद्वाज, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता गिरीश दीवान, राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उपअभियंता विनोद मांझी,बाजार अधिकारी ईश्वर वर्मा, शशिकांत यादव समेत अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है।जन समस्या निवारण पखवाड़ा में जनता की समस्याओं का निराकरण त्वरित होने पर सरकार के प्रति लोगों में सद्भाव बढ़ेगा। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जनता से सीधे जुड़कर उनकी मूलभूत समस्याओं का निराकरण करने का कार्य किया जा रहा है, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्ग दर्शन में चल रहे जनसमस्या निवारण शिविर में लगभग 200 लोगों ने अलग-अलग मांग व शिकायत लेकर शिविर में पहुंचे।शिविर में 200 शिकायतों में 140 का निराकरण कर शेष 60 आवेदनों को निराकरण करने संबंधित विभाग को सौंपा गया।

जनता के बीच अच्छा प्रतिसाद मिला शेष 30 वार्डों में भी शिविर का आयोजन : आयुक्त

आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि जनसमस्या निवारण पखवाड़ा में अपनी समस्या लेकर पहुंच रहे लोगों की कई समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है साथ ही कई समस्याओं को सूचीबद्ध करने का कार्य कर उन समस्याओं का भी जल्द निराकरण किया जाएगा।शासन के निर्देश अनुसार 60 वार्डों में वार्डवार शिविर लगाया जा रहा है।जिसमे 30 वार्डों में शिविर हो चुका है। जिसका जनता के बीच अच्छा प्रतिसाद मिला।शेष 30 वार्डों में वार्डवार शिविर का आयोजन किया जाएगा।

ये समस्याएं आ रहीं सामने

जन समस्या निवारण पखवाड़े में लोग नल कनेक्शन, राशन कार्ड, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, स्ट्रीट लाइट संबंधी, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन अनुज्ञा, जलापूर्ति में लीकेज, साफ सफाई, टूटी फूटी नालियों का निर्माण, सड़क जैसी जनता की समस्याएं सामने आ रही हैं। जिनका निराकरण यथाशीघ्र किया जा रहा है।इस दौरान नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी एवं अन्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्व तैयारी एवं तत्परता से जल भराव की समस्या नहीं

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

मानसूनी बारिश एक हफ्ते से लगातार हो रही है। पिछले रात दिन से अधिक पानी गिर रहा है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार सभी जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता, राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, अपने-अपने क्षेत्र में अलर्ट थे। जहां से भी शिकायत मिली उसका निवारण तुरंत किया गया। आज प्रमुख रूप से अंजोरा रिंग रोड को क्रॉस कर दुर्ग निगम के कातुलबोर्ड से भिलाई के दीनदयाल कॉलोनी जूनवानी रोड पर घुस रहे पानी को मिट्टी के बाध बनाकर रोका गया। वार्ड क्रमांक 21 हाउसिंग बोर्ड कोहका भगवा चौक के पास जल भराव का जल निकासी किया करवाया गया। वार्ड क्रमांक दो स्मृति नगर में जल भरा हो गया था नाली को खुदवा कर पानी को निकासी करवाया गया। आकाशगंगा अंडर ब्रिज के पास पानी को पंप से बाहर निकलवाया गया। ईदू आईटी नाला के पास पानी भर रहा था उसे साफ कर कर ठीक किया गया। वार्ड क्रमांक 23 खदान पारा नहर को साफ किया गया। बैंक कॉलोनी सड़क नंबर 10 11 के बीच में पानी भर गया था पानी नहीं निकल रहा था उसे नाली बनकर निकल गया। इस प्रकार प्राप्त शिकायतों से त्वरित निराकरण करने से कहीं भी जल भराव नहीं हुआ है। नगर निगम भिलाई द्वारा पूर्व से ही प्रत्येक जोन में दो दो डीजल पंप खरीद कर रखा गया था जैसे ही कहीं पानी भराव के शिकायत मिली पंप लगाकर पानी निकल गया। निगम भिलाई क्षेत्र की स्थिति सब जगह सामान्य है। कुछ निचली बस्तियों में बस्तियों में आधे घंटे का पानी था कच्ची नाली बनाकर एवं पंप से पानी निकाल कर साफ कर दिया गया । जहां भी नाल एवं नाली मे कचरा जाम हो गया था।

साफ कर दिया गया पानी धीरे-धीरे निकल गया। महापौर नीरज पाल ने नगर निगम भिलाई क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि जल भराव संबंधी समस्या होने पर नगर निगम भिलाई के बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम 0788 229 4303 मैं कॉल करके सूचित करें संबंधी समस्या का निराकरण शीघ्र किया जाएगा।

कांग्रेस ने यात्री ट्रेन समस्या पर रेलमंत्री के नाम स्टेशन मास्टर को सौंपा ज्ञापन

केंद्र में बैठी सरकार पर रेलयात्रियों की अनदेखी करने का आरोप

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने कल शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला के नेतृत्व में रेलमंत्री के नाम छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 72 यात्री ट्रेनों के लंबे समय तक बंद हुए परिचालन को पुनः नियमित किये जाने व यात्रियों को हो रही परेशानियों को लेकर ज्ञापन स्थानीय रायगढ़ स्टेशन मास्टर को सौंपकर पावती प्राप्त की। विदित हो कि दक्षिण-पूर्व-मध्य रेल परिमंडल द्वारा प्रदेश से गुजरने वाली 72 ट्रेनों को रद्द किये जाने से प्रदेश के लाखों यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। माह अगस्त में त्योहारों का सीजन है, जिसमें प्रमुख रूप से रक्षाबंधन का पर्व है, जिसमें लाखो भाई-बहन एक-दूसरे के यहां आने-जाने का प्रोग्राम बनाकर रखें है। रेल्वे की इस गलत फैसले से भाई-बहनों सहित लाखों यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है। अनिल शुक्ला ने स्टेशन मास्टर रायगढ़ को केंद्रीय रेलमंत्री के नाम ज्ञापन सौपने के बाद मीडिया से कहा ये देखा जा रहा है कि यात्री ट्रेनों को बार बार बन्द कर मालवाहक ट्रेनों को उन्हीं मार्गों से चलाया जा रहा है जो देश के यात्रियों के साथ सरासर नाइंसाफी है और जुल्म से कम नहीं है। सरकार को जनता जनार्दन की सुविधासों से कोई सरोकार नहीं प्रतीत हो रहा वहीं खनिजों की ढुलाई से कार्पोरेट्स को लाभ देने के मकसद से ही ऐसा किया जा रहा है हमारी कांग्रेस पार्टी का ये सीधा आरोप है कि केंद्र सरकार जनसमस्या की अनदेखी कर अपनी मनमानी कर रही है अतः हमारी मांग है कि जनसुविधाओं को ध्यान में रखकर यात्री ट्रेनों को भी निर्बाध तरीके से नियमित चलाया जावे हम ये पत्र देकर अपनी मांग आम जनता के हित के लिये कर रहे है यदि जल्द ही हमारी मांग न मानी गई तो हमें मजबूरन इस लड़ाई को सड़क से संसद तक लड़ना भी पड़े तो हम पीछे नहीं रहेंगे।

सराफा व्यापारी के साथ हुई चोरी की घटना सुलझाने में दुर्ग पुलिस को मिली सफलता, 2 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे 740 ग्राम सोना, चोरी गई स्कूटी एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल कुल वजाप्ता तकरीबन 50 लाख रूपये

- आरोपियों ने अपने ही परिचीत की रैकी कर चोरी की घटना को दिया अंजाम
- एन्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट दुर्ग एवं थाना सुपेला की संयुक्त कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

सागर हिम्मत जरे निवासी वैशाली नगर अपने दुर्ग स्थित जे.बी. आर. रिफाईनरी दुकान में सोना गलाने का काम करता है। प्रार्थी ने थाना सुपेला में रिपोर्ट दर्ज कराई की 25.07.2024 को अपनी दुकान से सोना अपनी स्कूटी की डिक्की में रखकर रात 09 बजे खाना खाने से अंसारी बिरयानी सुपेला आया था। अंसारी बिरयानी की दुकान के बाहर स्कूटी खड़ी कर अंदर खाना खाने गया, 10 मिनट में खाना खाकर वापस आकर देखा की स्कूटी उस स्थान में नहीं है। कि रिपोर्ट पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 820/2022 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना को अत्यंत ही गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के द्वारा माल-मुलजिम की शीघ्र पतासाजी कर माल बरामदगी करने हेतु निर्देश प्राप्त हुये थे, जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋचा मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक हेमप्रकाश नायक, नगर पुलिस अधीक्षक (भिलाई नगर) सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में एवं ए.सी.सी.यू प्रभारी निरीक्षक तापेश्वर नेताम व थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में ए.सी.सी.यू एवं थाना की एक संयुक्त टीम गठित कर टीम को कार्यवाही हेतु लगाया गया था। टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आने-जाने वाले रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज प्राप्त कर फूटेज का सुक्ष्मता से अवलोकन किया गया, जिसमें घटना स्थल पर 01 मोटर सायकल में सवार होकर आये 02 रेन कोट पहने व्यक्तियों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देना परिलक्षित हो रहा था, जिसके आधार पर आरोपियों की पतासाजी करने हेतु टीम द्वारा विशेष सूत्र लगाये गये थे, तभी विशेष सूत्रों से पता चला कि वायशेप ओव्हर ब्रीज के नीचे नर्सरी के पास 02 व्यक्ति आपस में सोने के बटवारे की बात कर रहे है कि सूचना पर टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर संदिग्ध 02 व्यक्तियों को पकड़ा गया, सघन पूछताछ करने पर अपना नाम नरेश सोनी व आनंद सोनी बताया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा 25.07.2024 को अपने परिचित सागर हिम्मत जरे के पास रखे सोने को चोरी करने की नियत से उसका पीछा कर सुपेला अंसारी बिरयानी के सामने स्कूटी एवं डिक्की में रखा सोना चोरी करना एवं सोने को आपस में बांट लेना बताया, आरोपियों के मेमोरेण्डम के आधार पर घटना में प्रयुक्त होण्डा शाईन वाहन तथा चोरी गये स्कूटी वाहन, सोने के 08 नग बिस्कीट एवं सोने के टूकड़े कुल वजनी 740 ग्राम के लगभग कुल कीमती 50 लाख रूपये जप्त किया गया। अग्रिम कार्यवाही थाना सुपेला से की जा रही है।

लोकप्रिय कांग्रेस के नेता परमेश्वर यदु का जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने उनके निवास में मनाया

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदा बाजार
www.dailypioneer.com

लोकप्रिय कांग्रेस के नेता परमेश्वर यदु का जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने उनके निवास में मनाया। बलौदा बाजार जिले के लोकप्रिय एवं मिलनसार कुशल नेतृत्व,जन जन के नेता एवं पूर्व रायपुर जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं बलौदा बाजार जिला के पांच बार के जिला पंचायत सदस्य परमेश्वर यदु जी का जन्मदिवस उनके निवास बलौदा बाजार मे कार्यकताओं के साथ मनाया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से बधाई देने पहुंचे बलौदा बाजार जिला के लोकप्रिय जनपद सदस्य ललिता यदु, बलौदा बाजार जिला के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर, सुरेंद्र जायसवाल, रूपेश ठाकुर, विक्रम गिरी, गंभीर ठाकुर, गणेश शंकर साहू सुशील तिवारी, रोहित साहू, देवेन्द्र वर्मा, अनुपम वर्मा, सुर्यकांत यदु, बोधन यादव, गजेन्द्र पैकरा,कोमल वर्मा, मोरध्वज वर्मा, त्रिभुवन वर्मा, देवा पटेल, राहुल यदु, तरून यदु, प्रिंस यदु, कमलेश यादव, कलीराम पटेल, नारायण यदु, जिवराखन वर्मा संजू श्रीवास, तुलसी मनिकपुरी, सुखाराम निषाद, लालू वर्मा, ईश्वर वर्मा, कुलदीप यादव टेकराम यदु एवं समस्त कार्यकर्तागण भारी संख्या में उपस्थित हुए।

गोपनाथ आश्रम विद्या मंदिर में धूमधाम से मना मित्रता दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

गोपनाथ आश्रम विद्या मंदिर हा.से. स्कूल स्कूल जोगनीपाली में दोस्ती के महत्व को रेखांकित करता 'मित्रता दिवस' धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य दिलीप मेहेर एवं अध्यक्षता सुजाता मेहेर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय संस्थापक गोपनाथ गुरूजी, संचालक जन्मजय नायक उपसंचालक दुर्गा चरण नायक, प्राचार्य जज्ञसेनी मिश्रा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती व श्रीकृष्ण-सुदामा के तैलीय चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पअर्पण कर किया गया तथा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति विद्यालय की छात्रा दक्षा पटेल, आस्था पटेल, निष्ठा पटेल द्वारा दी गई। अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत के पश्चात संचालक जन्मजय नायक ने स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। 'मित्रता' थीम पर आधारित इस पूरे कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने तेरे जैसा यार कहाँ, ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे, अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो जैसे गीतो के साथ कविता, भाषण, शायरी आदि की मनमोहक प्रस्तुति से शमा बांधा।इस अवसर पर संबोधन की कड़ी में मुख्य अतिथि दिलीप मेहेर ने कहा-मित्रता दिवस याद दिलाता है कि मित्रता न केवल व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण है बल्कि यह एक अधिक सहिष्णु, समझदार और एकजुट विश्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है साथ ही इस विचार को बढ़ावा देती है कि लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच दोस्ती शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकती है। अध्यक्षता की आसंदी से सुजाता मेहेर ने कही कि-मित्रता दिवस दोस्ती के महत्व को रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है। यह विशेष अवसर विभिन्न पृष्ठभूमियों और संस्कृतियों को हमारे मित्रों के साथ विशेष बंधन का सम्मान करने के लिए समर्पित है। विशिष्ट अतिथि गोपनाथ गुरूजी ने कहा-मित्रता दिवस लोगों को अवसर देता है जिंदगी में मौजुद दोस्तों के बारे में सोचने विचारने का। अच्छे दोस्त का साथ हो तो जिंदगी में बड़ी से बड़ी चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है। छात्रों को मित्र सोच-समझकर बनानी चाहिए। जन्मजय नायक ने कहा-जीवन में एक सच्चा मित्र पाना भाग्य है। मित्रता दिवस हमारे जीवन में मित्रों को संजोने के लिए एक सौम्य अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। उन्होंने अपने शायराना अंदाज में आगे कहा- ए सुदामा! मुझे भी सिखा दे कोई हुनर तेरे जैसा मुझे भी मिल जाएगा फिर कोई दोस्त कृष्ण जैसा। मित्रता अगर सच्ची हो तो जान देती है।

38 संकुल प्रभारी व समन्वयकों की रखी मेगा बैठक तैयारी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आगामी 6 अगस्त को संकुल स्तर पर पालक-शिक्षक मेगा बैठक के आयोजन को लेकर सभी संकुल प्रभारी एवं संकुल समन्वयकों की एक बैठक पुराने कालेज भवन में रखी गई, जिसमें उक्त मेगा बैठक के तैयारी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बठक में संभागीय संयुक्त संचालक रायपुर संभाग राकेश पाण्डेय के निर्देश पर प्रमुख रूप से सहायक संचालक जाट सर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र मांझी, विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक सतीश स्वरूप पटेल, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी एन दीवान उपस्थित थे। 6 अगस्त को शिक्षकों एवं पालकों के मध्य समन्वय, पालकों को उनके बच्चों के पढ़ाई में मदद हेतु समाधान कारक उपाय सुझाना, जादुई पिटारा, दीक्षा एप, डिजिटल लाइब्रेरी, मुस्कान पुस्तकालय, बालवाड़ी, नई शिक्षा नीति 2020 तथा शासन के द्वारा बच्चों के लिए संचालित हितग्राही योजनाओं एवं शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन हेतु राज्य में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से पालकों को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रदेश भर के सभी विकासखंडों में 6 अगस्त को संकुल स्तर पर शिक्षक-पालक मेगा बैठक का आयोजन किया गया है। उक्त बैठक के लिए जिले में सभी स्थानों पर विकासखंड स्तरीय अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो बैठक के सऊलतापूर्वक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मेगा बैठक के सफल आयोजन एवं तैयारियों पर विस्तृत चर्चा के लिए आज पुराने साइंस कॉलेज भवन में समस्त संकुल प्रभारी एवं समन्वयकों की बैठक रखी गई, जिसमें मेगा बैठक में अधिक से अधिक पालकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो एवं अन्य सभी प्रकार की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। मेगा बैठक में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी पत्र में दिए गए 12 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही कार्यवाही पंजी में पूरे बैठक का विवरण भी संधारित किया जाएगा। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित जाट सर के द्वारा भी इस आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।आज के इस बैठक में ब्लॉक के सभी 38 संकुलों के प्रभारी एवं समन्वयक गण उपस्थित थे।

- शहर में कहीं भी न हो पेयजल एवं सीवर की समस्या, शंकर नगर के नई लाइनों को 20 दिनों के भीतर शुरू करने के निर्देश दिए

पेयजल एवं सीवर समस्या को लेकर विधायक एवं महापौर ने की समीक्षा

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम के डाटा सेंटर में विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आयुक्त लोकेश चन्द्राकर समेत अधिकारी/कर्मचारियो के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए. शहर की जनता को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले. पानी शुध्दता पर ध्यान देना अतिआवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सार्वजनिक एवं घरेलु नल कनेक्शन में वाल्ब लगावें. पानी नहीं आने की ज्यादा शिकायत शंकर नगर एवं पटरीपार क्षेत्रों में है। जिसे सुधारा जाना अतिआवश्यक है। विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कहा गया कि शहरी क्षेत्रो के अंदर बीस दिनों के भीतर जिन जिन क्षेत्रों में समस्या है उसका निराकरण करें। शहर में 21 टंकियों का निर्माण किया गया है। जिनमें सभी टंकियों को चालू किया गया है परंतु सभी टंकियां के पुरानी लाइनों को बंद नहीं किया गया है जिन्हें शीघ्र बंद कर नई लाइनों में पानी का सप्लाई करने के आदेश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि पुराने एवं नए पाइप लाइन से पानी की सप्लाई की जा रही है, जिसके कारण कई जगह पानी के प्रेशर में कमी आती है। सभी गलियों को पाइप लाइन से जोड़ने की योजना शीघ्र अतिशीघ्र बनाये ताकि पर्याप्त मात्रा में पानी की सप्लाई हो सके।समीक्षा बैठक के दौरान सभापति राजेश यादव, जल कार्य प्रभारी संजय कोहले,शंकर ठाकुर, उपनेता प्रतिपक्ष देवनारायण चंद्राकर, प्रकाश जोशी, काशी राम कोसरे, शेखर चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,सहायक अभियंता गिरीश दिवानं, राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उपअभियंता मोहित मरकाम,जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर उपस्थित थे. शहर में कहीं भी पेयजल की समस्या न हो तथा नलकूप की मोटर खराब होने पर समय सीमा में आवश्यक रूप से ठीक की जाए यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही सीवर से संबंधित शिकायत मिलने पर त्वरित निराकरण किया जाए।जिसमें पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल एवं सीवर से संबंधित समस्या से विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया। आमजन को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पा रहा है।जिस पर विधायक एवं महापौर ने सभी समस्याओं को सुनकर सभी अधिकारियों को बैठक में आई समस्याओं का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 वे वित्त से कहां कहां पेयजल एवं सीवर लाइन डाली गई हैं। नगर निगम द्वारा अपील कर कहा गया है कि सभी नागरिक अपने घरों के नल कनेक्शन में वाल्ब लगावें. पानी व्यर्थ बहते पाए जाने पर कार्रवाही की जावेगी।

कुल स्तरीय पेरेंट्स टीचर मीटिंग को लेकर बैठक आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

संकुल केंद्र खोकसा में प्राचार्य पंचानन ठाकुर की अध्यक्षता में मेगा पीटीएम की तैयारी हेतु बैठक रखी गई। जिसमें आगामी 6 अगस्त को होने वाले संकुल स्तरीय मेगा पैरेंट टीचर मीटिंग हेतु कार्य योजना बनाई गई। संकुल समन्वयक टी आर पटेल ने बताया कि राज्य शासन के आदेशानुसार प्रत्येक संकुल में संकुल स्तरीय मेगा पैरेंट टीचर मीटिंग का आयोजन किया जाना है। संकुल केंद्र खोकसा में बैठक का आयोजन दोपहर 1:00 बजे रखा गया है। जिसमें प्रत्येक स्कूल से आधे शिक्षक एवं पालकों को अपनी उपस्थिति देनी है। इस कार्य हेतु समस्त संस्था प्रमुखों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संकुल समन्वयक टी आर पटेल ने आगे बताया कि आधे शिक्षक स्कूलों में रहकर अध्यापन कार्य करेंगे और आधे शिक्षक मीटींग में भाग लेंगे। इस मेगा पैरेंट टीचर मीटिंग में विभिन्न विषयों पर पालकों से चर्चा करने एवं जागरूक करने हेतु अलग-अलग शिक्षकों को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में रोहिना हाई स्कूल प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार जायसवाल, प्रधान पाठक नारायण प्रसाद नायक, डी पी बंजारे, बनखंडी सिदार, महावीर भोई, नंदकुमार चौहान, बोधन पटेल, मोहित बरिहा, लखनलाल चंद्रवंशी, गीता पटेल, उमा पटेल, पदमिनी भोई, रत्ना पटेल सहित संकुल के शिक्षकगण उपस्थित थे।

वेब सीरीज ड्यून प्रोफेसी का नया टीजर जारी, दमदार लुक में नजर आईं तब्बू

वेब सीरीज ड्यूनः प्रोफेसी का इंतजार फैंस को लंबे समय से है। इस बीच निर्माताओं ने लोगों को एक और सौगात देते हुए इसका दूसरा टीजर जारी कर दिया। यह टीजर भारतीय दर्शकों के लिए भी काफी खास है, क्योंकि इसमें तब्बू की पहली झलक भी सामने आ गई है। एचबीओ ओरिजिनल की इस वेब सीरीज का टीजर एक मिनट 10 सेकंड लंबा है। सीरीज के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू के बहुप्रतीक्षित लुक से भी पर्दा उठ गया है। यह सीरीज हजारों साल पहले की कहानी बयां करती नजर आएगी। टीजर में एमिली वॉटसन का किरदार वाल्या हार्कोनेन कहता है।

छठी मैया की बिटिया में एक-दो नहीं, छह किरदार निभाएंगी सारा खान

सपना बाबुल का... बिदाई में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा।

सारा छठी मैया की बिटिया में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहाः जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए। उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था।

उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा।

उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी।

एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था।

सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाई।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने शमा सिकंदर ने खींचा फैंस का ध्यान, एक्ट्रेस की अदाओं को यूजर्स हुए घायल

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में उन्होंने अपना लेटेस्ट हॉट फोटोशूट फैंस के बीच शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका एलिगेंट और ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर इन दिनों भले ही टीवी में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफों के पुल बांधते रहते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका शानदार लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शमा सिकंदर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।

शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।

शमा सिकंदर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जालीदार बॉडीकोन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोल्ड और एलिगेंट नजर आ रही हैं।

डेब्यू के लिए तैयार वरुण धवन की भतीजी अंजिनी, फिल्म बिन्नी एंड फैमिली का पहला पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंकज कपूर अभिनीत, एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है। प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए निर्माताओं ने फिल्म पहला पोस्टर भी जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया गया है।

बिन्नी एंड फैमिली का फर्स्ट लुक पोस्टर बालाजी मोशन पिक्चर्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी किया गया। पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा गया, पुराने जमाने के संस्कार बनाम आजकल के आधुनिक विचार। जटिलताओं से भरी फैमिली है बिन्नी की, पर ये कहानी है हम सब की। मिलिए बिन्नी एंड फैमिली से 30 अगस्त को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में। बिन्नी एंड फैमिली एक आम परिवार के जरिए पीढ़ियों के रिश्तों को दर्शाने वाली है। यह फिल्म कुछ खट्टी मीठी कहानी के जरिए दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। अंजिनी धवन के अलावा फिल्म में दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारु शंकर और अन्य कलाकार भी हैं। अंजिनी धवन, अभिनेता अनिल धवन की पोती और सिद्धार्थ धवन की बेटी हैं। वे बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ दोस्ती का प्यारा रिश्ता साझा करती हैं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अंजिनी वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म कुली नंबर 1 के सेट पर सहायक निर्देशक थीं।

00

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की एडवांस बुकिंग शुरू, नया पोस्टर जारी

अजय देवगन अपनी फिल्मों में अक्सर कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इनमें से उनकी कुछ मूवीज का जादू पर्दे पर कुछ इस तरह चलता है कि लोग सालों बाद भी उनकी परफॉर्मेंस को भूलते नहीं। इस साल एक्टर की शैतान और मैदान रिलीज हुई और अब वह तब्बू के साथ औरों में कहां दम था लेकर हाजिर होने वाले हैं। एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी और स्पेशल 26 जैसी फिल्में बनाने वाले नीरज पांडे अब औरों में कहां दम था लेकर आ रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का डायरेक्शन किया है। अजय देवगन और तब्बू ने अब तक कई फिल्मों में काम किया है और अब वह अपनी 10वीं फिल्म को लेकर हाजिर होने वाले हैं। औरों में कहां दम था एक प्रेम कहानी है। यह दो ऐसे लवर्स की स्टोरी है, जिनका सामना 22 साल बाद होता है। इसके बाद क्या होता है, इसके लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

बॉक्स ऑफिस पर एक महीने बाद भी कल्कि की पकड़ मजबूत, 34वें दिन भी किया शानदार कलेक्शन

साइंस-फिक्शन ब्लॉकबस्टर 'कल्कि 2898 एडी' बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है. फिल्म को रिलीज हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है लेकिन इसका क्रेज अब भी कम नहीं हो रहा है. ये फिल्म महीने भर बाद भी कई लेटेस्ट रिलीज मूवीज से ज्यादा कारोबार कर रही है. ऐसा लग रहा है कि 'कल्कि 2898 एडी' कमाई के सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी. चलिए यहां जानते हैं प्रभास स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के 34वें दिन यानी पांचवें मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? नाग अश्विन द्वारा निर्देशित 'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. तब से य ` फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है. ये साइंस फाई अपनी दमदार कहानी, जबरदस्त सिनेमैटोग्राफी और रौंगटे खड़े कर देने वाले वीएफएक्स से ये फिल्म रिलीज के एक महीने बाद भी दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में कामयाब हो रही है और इसी के साथ 'कल्कि 2898 एडी' दबाकर नोट भी छाप रही है. फिल्म पांचवे हफ्ते में भी बॉक्स ऑफिस से हटने को तैयार नहीं है.

वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 95.3 करोड़ से खाता खोलने वाली 'कल्कि 2898 एडी' ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़, दूसरे हफ्ते में 128.5 करोड़, तीसरे हफ्ते में 56.1 करोड़ और चौथे हफ्ते में 24.4 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब पांचवें हफ्ते के पांचवे फ्राइडे फिल्म की कमाई 1.25 करोड़, पांचवें शनिवार 2.9 करोड़ , पांचवें रविवार 4 करोड़ और पांचवें सोमवार 1.05 करोड़ रही. अब फिल्म की रिलीज के 34वें दिन यानी पांचवें मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं.

हल्दी के दूध का सेवन किसे नहीं करना चाहिए

हल्दी
सिर्फ रसोई घर मे मिलने वाला एक मसाला
नहीं बल्कि इसका प्रयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है, हल्दी दूध बीमारियों के साथ दर्द से तुरंत आराम देता है, लेकिन कुछ लोगों को इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

सर्जरी के बाद न लें हल्दी

यदि आपकी सर्जरी हुई हैं तो इसका ज्यादा मात्रा में सेवन बुरा है, हल्दी खाने से शरीर में ब्लड क्लॉटिंग की समस्या हो जाती है. यह उनके लिए रिस्की हो सकता है जिनकी हाल ही में सर्जरी हुई हो।

सर्जरी के बाद न लें हल्दी

यदि आपकी सर्जरी हुई हैं तो इसका ज्यादा मात्रा में सेवन बुरा है, हल्दी खाने से शरीर में ब्लड क्लॉटिंग की समस्या हो जाती है. यह उनके लिए रिस्की हो सकता है जिनकी हाल ही में सर्जरी हुई हो।

इंफर्टिलिटी और गैस की समस्या

ज्यादा हल्दी खाने से पुरुषों को इंफर्टिलिटी की भी समस्या हो जाती है। इससे स्पर्म का प्रोडक्शन कम हो जाता है, ऐसा रिसर्च में कहा गया है।ज्यादा हल्दी खाने से पेट में गैस की समस्या होती है। इससे डायरिया और कब्ज भी हो सकता है।

इम्यूनिटी घटाए यह हमारी इम्यूनिटी सिस्टम को भी प्रभावित करती है। यह उसे कमजोर बना सकती है। भोजन में अगर ज्यादा हल्दी हो तो, इंसान को मतली आने की भी गुंजाइश होती है।

हल्दी दूध के नुकसान

चोट लग जाने या सर्दी- बुखार होने पर हम अक्सर हल्दी दूध का सेवन करते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि अनेक फायदों वाले इस हल्दी दूध से कुछ नुकसान भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, यह बात सामने आई है कि अधिक हल्दी के सेवन से आपकी त्वचा रूखी और खुजलीदार हो सकती है। सामान्यता 240 से 500 मिग्रा हल्दी वो भी तीन बार में प्रयोग करने की हिदायत दी जाती है। हल्दी का अधिक सेवन करने से पहले एक बार अपने डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

एलर्जी और गॉलब्लैडर की समस्या

अगर आपको मसालों के सेवन से एलर्जी हो जाती है तो हल्दी का भी प्रयोग बंद कर दें। यह आपकी एलर्जी को और बढ़ा सकती है। हल्दी गॉलब्लैडर में स्टोन बनाने का भी काम कर सकती है। इसके अलावा यह गैस भी बनाती है।

गर्भवती महिलाएं

कई प्रेग्नेंट महिलाएं दूध में हल्दी डाल कर पीती हैं, जिससे उन्हें गोरा बच्चा पैदा हो। लेकिन हल्दी गर्भाशय का संकुचन, गर्भाशय में रक्त स्त्राव या गर्भाशय में ऐंठन पैदा कर सकती है।वैसे तो कई केस में हल्दी कैंसर सेल्स से लड़ने में सहायक होती है लेकिन दूसरे केस में यह भी देखा गया है कि यह ब्रेस्ट कैंसर को भी बढ़ावा देती है।

पानी पीने के फायदे

यह बात तो हम सभी जानते है कि जल ही जीवन है और जल के बिना जीवन मुमकिन नहीं। सही भी है आप कुछ दिन बिना खाए तो रह सकते हैं लेकिन बिना पानी के जीवित रह पाना मुमकिन नहीं। पानी न सिर्फ हमारी प्यास बुझाता है बल्कि पाचन-तंत्र से लेकर मस्तिष्क के विकास तक में अहम भूमिका निभाता है। पानी मानव जीवन के लिए बहुमूल्य है और बचपन से ही हम इसके फायदों के बारे में सुनते आये हैं। किसी भी बीमारी में पानी रामबाण की तरह काम करता है। पानी का प्रयोग कई तरीकों से प्राकृतिक उपचार के रूप में होता है। पानी निर्जलीकरण के कारण होने वाले सरदर्द और पीठदर्द से राहत दिलाता है और हमारे शरीर को तरोताज़ा रखता है। स्वस्?थ रहना है तो ईश्वर की इस देन का भरपूर आनंद उठायें।

आप स्वस्थ और पेट भी खुश

पानी पीने से पाचन तंत्र प्राकृतिक रूप से ठीक रहता है। सुबह उठने पर एक गिलास पानी पीने से पेट साफरहता है, साथ ही इससे आपको कब्ज की परेशानी नहीं होती।

मनचाहे फिगर का राज़

अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते तो आपके शरीर में मेटाबालिज्म की गति धीमी हो जाती है। इसका अर्थ है वसा के अवशोषण के लिए पानी आवश्यक है। प्रतिदिन कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पीयें और मनचाहा फिगर पायें ।

खाना खाने के तुरंत बाद कभी न करें ये काम, वजह है बहुत ही खतरनाक

खाने के तुरंत बाद टहलना, चाय पीना या धूम्रपान करना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसी ही कई आदतें हैं जिन्हें खाने के तुरंत बाद करने से आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

तुरंत ना सोएं

जो लोग खाना खाने के तुरंत बाद सोने के लिए चले जाते हैं। उनका खाना ठीक तरीके से पच नहीं पाता। इस कारण उन्हें गैस और आंत में इन्फेक्शन की समस्या पैदा होती है।

आदतें जो हैं खतरनाक

हमलोग में से कई लोग खाना खाने के तुरंत बाद कई ऐसी आदतें करते हैं जो हमें नहीं करनी चाहिए। लेकिन वो आदते क्या हैं इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को होती है। कुछ लोग हो सकता है कि इन आदतों के बारे में जानते भी होंगे, मगर फिर भी वो ये सब अनदेखा कर देते हैं। इसका परिणाम उन्हें बाद में भुगतना पड़ता है। आइए जानें खाने के तुरंत बाद क्या करना खतरनाक हो सकता है।

धूम्रपान ना करें

वैसे तो धूम्रपान करना सेहत के लिए हानिकारक है ही, लेकिन फिर भी खाना खाने के तुरंत बाद इसे करने से बचना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक, खाना खाने के तुरंत बाद सिगरेट पीने से पाचन संबंधी समस्या होती है। सिगरेट पीने या तंबाकू लेने के आदी लोगों को खाना खाने के बाद ही इसकी तलब भी महसूस होती है, लेकिन इससे बचना चाहिए। खाना खाने के तुरंत बाद सिगरेट पीने से गैस्ट्रिक और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

फल ना खाएं

अगर खाने के साथ फल खाते हैं तो वह भोजन के साथ अमाशय में अटक जाता है और सही समय पर आंतों में नहीं पहुंच पाता। इस कारण सेहत बिगड़ने लगती है और पेट में भोजन दूषित हो जाता है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि खाना खाने के कम-से-कम एक घंटे पहले या एक घंटे बाद ही फल खाएं।

भूल के भी चाय ना पिएं

चाय की पत्तियों में एसिड की काफी मात्रा पाई जाती है। यह पदार्थ आहार में शामिल प्रोटीन को नुकसान पहुंचाता है, जिसके कारण खाना पचाने में काफी परेशानी होती है। अगर आपको चाय पीनी ही है, तो खाना खाने के एक घंटे बाद पिएं।

बेल्ट ढीली ना करें

अक्सर कई लोग स्वादिष्ट भोजन को देखते ही अपनी बेल्ट लूज कर लेते हैं, जिससे वो अधिक मात्रा में अपना मनपसंद भोजन खा सकें। हालांकि, ऐसा करना गलत है। इससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। कहा जाता है कि खाना खाते वक्त बेल्ट ढीली नहीं करनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को जीवंत रखने में हरेली तिहार का महत्वपूर्ण योगदान

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का एक महत्वपूर्ण और प्राचीन त्यौहार है, जिसे यहां के लोग बड़े धूमधाम से मनाते हैं। 'हरेली' शब्द का अर्थ हरियाली से है, और इस त्यौहार का मुख्य उद्देश्य हरियाली और खेती का महत्व उजागर करना है। यह त्यौहार मुख्यतः कृषि प्रधान समाज के लिए समर्पित है, जहां किसान अपने खेतों की अच्छी फसल और समृद्धि की कामना करते हैं। पूरे छत्तीसगढ़ सहित बेमेतरा ज़िले में कल रविवार को हरेली तिहार उत्साह के साथ मनाया जाएगा। ग्रामीणों व किसानों ने खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा करेंगे। इस मौके लोग एक पेड़ माँ के नाम से भी लगायेंगे। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को जीवंत रखने में हरेली तिहार का महत्वपूर्ण योगदान है। यह त्यौहार न केवल कृषि और हरियाली का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। इसके माध्यम से लोग अपने पूर्वजों की धरोहर और परंपराओं को संजोए रखते हैं और आने वाली पीढ़ियों को भी इससे अवगत कराते हैं। इस प्रकार, हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और इसे बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस बार हरेली पर्व पर लोगों से एक पेड़ माँ के नाम लगाने की अपील की है।

त्यौहार की तैयारी

हरेली तिहार का आरंभ सावन महीने की अमावस्या से होता है। यह त्योहार मानसून के मौसम के आगमन का प्रतीक है, जो खेती के लिए सबसे अनुकूल समय माना जाता है। इस दिन गांवों में विशेष सफाई और सजावट की जाती है। घरों के आंगनों और खेतों में नीम के पत्तों, आम की पत्तियों और गोबर से अल्पना बनाई जाती है, जो शुभता और समृद्धि का प्रतीक है।

धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां

हरेली तिहार के दौरान लोग पारंपरिक वेशभूषा पहनते हैं और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। सबसे प्रमुख अनुष्ठान 'हल पूजा' है, जिसमें किसान अपने हल और कृषि उपकरणों की पूजा करते हैं। वे अपने खेतों में हल चलाते हैं और भगवान से अच्छी फसल की प्रार्थना करते हैं। इस पूजा के दौरान हल, बैल और अन्य कृषि उपकरणों को सजाया जाता है और उन पर हल्दी, कुमकुम और फल चढ़ाए जाते हैं। हरेली तिहार के अवसर पर लोग गौरी-गौरा की पूजा भी करते हैं। यह पूजा मुख्यतः महिलाएं करती हैं, जो गौरी-गौरा की मूर्तियों को सजाकर उन्हें विभिन्न प्रकार की मिठाइयों और पकवानों का भोग लगाती हैं। इसके बाद इन मूर्तियों को गांव के तालाब या नदी में विसर्जित किया जाता है।

खेल और मनोरंजन

हरेली तिहार के दौरान विभिन्न खेल और मनोरंजन के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। सबसे लोकप्रिय खेल 'गेंड़ी' है, जिसमें बच्चे और युवा लकड़ी की लंबी डंडियों पर चलकर खेलते हैं। यह खेल विशेष रूप से गांवों में बहुत उत्साह और उमंग के साथ खेला जाता है। इसके अलावा कबड्डी, खो-खो, और अन्य पारंपरिक खेल भी खेले जाते हैं, जो त्यौहार की रौनक को और बढ़ा देते हैं।

पारंपरिक पकवान

हरेली तिहार के अवसर पर विभिन्न पारंपरिक पकवान भी बनाए जाते हैं। चावल, दाल, सब्जियों और विभिन्न प्रकार की मिठाइयों का विशेष महत्व होता है। सबसे प्रमुख पकवान 'चीला' है, जिसे चावल के आटे और उरद दाल से बनाया जाता है। इसके अलावा 'फरहा', 'ठेठरी', 'खुरमी' और 'बबरा' भी प्रमुख पकवानों में शामिल हैं। यह पकवान घर की महिलाओं द्वारा बड़े प्रेम और लगन से बनाए जाते हैं और सभी परिवार के सदस्य मिलकर इन्हें खाते हैं।

सामाजिक महत्व

हरेली तिहार का सामाजिक महत्व भी बहुत अधिक है। इस दिन गांव के लोग एक साथ मिलकर त्यौहार मनाते हैं, जिससे आपसी भाईचारा और सामुदायिक भावना को बल मिलता है। यह त्यौहार सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोगों को एकजुट करता है और समाज में एकता और समरसता का संदेश फैलाता है।

जिले में हरेली पर्व पारंपरिक तरीके से मनाया गया

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा को बनाए रखते हुए हरेली तिहार का महत्वपूर्ण पर्व नगर पंचायत दाढ़ी कार्यालय में नगर के जन प्रतिनिधि रोहित साहू जनपद सदस्य अर्पित गुप्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक आम जनता थाना प्रभारी सीएमओ की उपस्थिति में गेड़ी पूजा कर मनाया गया। सांस्कृतिक और परंपराओं को जीवंत रखने में हरेली तिहार का महत्वपूर्ण योगदान है यह त्यौहार न केवल कृषि और हरियाली का प्रतीक है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है इसे बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है इस बार प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के नागरिकों को एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील भी की है। हरेली तिहार के दौरान विभिन्न खेल और मनोरंजन के कार्यक्रम किए जाते हैं इसी कार्यक्रम के तहत आज नगर पंचायत कार्यालय दाढ़ी में सबसे लोकप्रिय खेल गेड़ी बनाकर जनप्रतिनिधि एवं सीएमओ थाना प्रभारी के द्वारा विधि विधान से पूजन कर गेड़ी चढ़कर परंपरा को बनाए रखने की शपथ लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने बताया हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का एक महत्वपूर्ण और प्राचीन त्यौहार है जिसे यहां के लोग बड़ी धूमधाम से मनाते हैं हरेली शब्द का अर्थ हरियाली से है और इस त्यौहार का मुख्य उद्देश्य हरियाली और खेती का महत्व उजागर करना है हमर छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान समाज के लिए समर्पित है जहां किसान अपने खेतों की अच्छी फसल और समृद्धि की कामना करते हैं इस त्यौहार में विभिन्न पारंपरिक पकवान भी बनाए जाते हैं जैसे चावल के आटे से चिला फरा खुरमी बबरा गुलगुलाहा भजिया पकवान बड़े प्रेम से और लगन से बनाए जाते हैं। सीएमओ द्विवेदी ने अपने परिवार के साथ आरती द्विवेदी अर्पित द्विवेदी आश्री द्विवेदी के साथ औजार पूजा और गेड़ी पूजा विधि विधान से किया हरेली तिहार का आरंभ सावन महीने की अमावस्या से होता है यह त्यौहार मानसून के मौसम की आगमन का प्रतीक है जो खेती के लिए सबसे अनुकूल समय माना जाता है इस दिन गांव में विशेष साफ सफाई और सजावट की जाती है घरों के आंगन में खेतों में नीम के पत्तों को आम की पत्तियों दरवाजे में लगाया जाता है और गोबर से कल्पना बनाई जाती है जो शुभ और समृद्धि का प्रतीक है ।

डीएवी जांता में हरेली से पहली हरियाली रखने का लिए संकल्प

एक पेड़ माँ के नाम विद्यालय में 700 छात्र-छात्रों द्वारा 700 से अधिक वृक्षारोपण

पायनियर संवाददाता ‹ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिले के एक मात्र डीएवी विद्यालय में वन महोत्सव पखवाड़ा व एक पेड़ माँ के नाम व सीबीएसई के ओर से आयोजित शिक्षा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का शानदार आयोजन के बाद विद्यालय में हरेली से पुर्व हरियाली को ध्यान में रखते हुए, वृक्षारोपण के साथ प्रतिदिन अभिभावकों के सहयोग से व हमारे भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का दूरगामी विजन एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत डीएवी जांता विद्यालय परिसर में स्कूल के आसपास खेल मैदान के चारों तरफ लगभग 700 अभिभावकों व छात्र- छात्राओं के सहयोग से 700 से अधिक पौधो का रोपड़ किया जा रहा। प्रत्येक छात्र के नाम एक पेड़ लगवाएं जा रहें हैं जिसमें अशोक वृक्ष, पीपल, बरगद, कदम के पेड़ के साथ-साथ फलदार वृक्ष जैसे आम, अमरूद, आँवला, कटहल, नीबू, जाम, सीताफल, काजू, बादाम, सहित लगभग 700 से ऊपर पौधा रोपण किए जा रहें हैं। विद्यालय प्राचार्य पी एल जायसवाल ने जानकारी में बताया कि यह 15 दिनों से प्रतिदिन अभिभावकों व छात्रों के सहयोग से वृक्षारोपण कार्य किया जा रहा हैं। प्रतिदिन जिन बच्चों का जन्मदिन हैं उन बच्चों से वृक्षारोपण भी कराया जाता हैं। नवप्रवेशित छात्रों ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिए,अभिभावकों द्वारा विद्यालय को सहयोग प्रदान भी कर रहे हैं, कक्षा 5वी के छात्र पियूष पटेल के पिता रामेश्वर पटेल ने पियूष पटेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विद्यालय में लगभग 700 अशोक पेड़ के साथ फलदार वृक्ष दिए, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में सरपंच जांता हेमलाल, जनपद सदस्य, सुकून मूलचंद चंद्राकर, सरपंच पेंड्री दानी लाल चंद्राकर, गोविंद चंद्राकर कोदवा, सरपंच बिसम्पुरा जीवन लाल, देवव्रत मिश्रा, रामकुमार निर्मलकर, अनिल चंद्राकर, मिस्त्री लाल, भूपेंद्र चंद्राकर, दिलीप चन्द्राकर, केशव प्रसाद, कमलेश मिश्रा, पिंटू शर्मा, ललित दिवाकर, महेन्द्र जागसवाल, हिरोद्र सिन्हा, कमलेश सिंन्हा, त्रिलोक चन्द आदि अभिभावकों ने भी एक पेड़ माँ के नाम लागए। प्राचार्य पी एल जायसवाल, ललित देवांगन, अखिलेश पटेल, अनिल चंद्रवंशी, निशु गुप्ता, आयुशी जैन, रेणुका पटेल, राजा तन्तुवेय, गोविंद साहू, उमेश साहू, विमल साहू, देविका जैन, दीपिका वर्मा, सरिता साहू, सविता साहू, सुमित्रा पटेल, कैलाश राजपूत, मनीषा सोनी, छोटू साहू, रितिका साहू, नम्रता चतुर्वेदी, मधुस्मिता बेहेरा, अभिषेक दूबे, सुखदेव, नरेश, युवराज, विजय आदि सभी ने पेड़ लगाएं सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों ने पेड़ लगाए। अधिकारीगणों ने भी एक पेड़ माँ के नाम पेड़ लगाए, के तहत विद्यालय के इस विशेष कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वियोम श्रीवास्तव जिला बाल संरक्षण अधिकारी, कादरी श्रम विभाग निरीक्षक, यशोदा साहू संरक्षक अधिकारी महिला बाल विकास, राजेंद्र चंद्रवंशी परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन, राखी यादव सखी व स्टाफ वेलफेयर, चेतन साहू एवं स्वाति कुंजाम ने एक पेड़ माँ के नाम लगाए।

पार्षद ने घर-घर वितरण किये जनसमस्या निवारण आवेदन पत्र

बेमेतरा। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर सुराज अभियान की शुरुवात हो गई है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 11 में कृषि उपज मंडी प्रांगण में 06 अगस्त दिन मंगलवार कों आयोजित है। इस शिविर में जागरूकता लाने हेतु पार्षद नीतू कोठारी ने घर-घर जाकर जनसमस्या निवारण के आवेदन पत्रों का वितरण किया। नीतू कोठारी ने आवेदन पत्र वितरित करते हुये बताया कि प्रत्येक व्यक्ति पेयजल, सफाई, सड़क, नाली, अनुज्ञा, पेंशन, नल कनेक्शन, अनापत्ति प्रमाण पत्र, जाति, निवासी, आय प्रमाण पत्र एवं राशनकार्ड सम्बंधित आवेदन कर सकता है। साथ ही शिविर में आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, राशनकार्ड नवीनीकरण का निराकरण शिविर स्थल पर ही तत्काल किया जाएगा।

सरगम के जन्मदिन पर पौधारोपण किया गया

बेमेतरा। पर्यावरण प्रेमी संगठन के द्वारा ग्राम कठिया मे सरगम मानिकपुरी की जन्मदिन के अवसर पर सेवा सरकारी समिति कठिया के प्रांगण पर बेल का पेड़ लगाया अपना जन्मदिन मनाया। जिसमें अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, सचिव गणेश कुमार साहू, सदस्यगण चम्मन निषाद, सुनील बल्लु, अक्षय साहू, रामकृष्ण सेन, सुनील साहू, डोमन साहू, जगत साहू चौकीदार, पुरन मानिकपुरी, अतिथि के रुप में डा. डी.पी.वर्मा उपस्थित थे।

अनुपस्तिथि को उपस्तिथि बता सहायक शिक्षक और प्रभारी प्रधान पाठक द्वारा मिलीभगत कर बरती गई अनियमितता, डीईओ से शिकायत

आरटीआई से मिले प्रमाणित दस्तावेज के साथ कि गई शिकायत, 4 माह बाद भी कार्यवाही नही

पायनियर संवाददाता ‹ बालोद
www.dailypioneer.com

अनुपस्तिथि को उपस्तिथि बता त्रुटिपूर्ण उपस्तिथि पंजी का संधारण कर वेतन निकालने मामले में बरती गई अनियमितता में 4 माह पहले की गई शिकायत पर अब तलक कोई कार्यवाही नही होने से शिकायतकर्ता ने अब गंभीर मामले की शिकायत जिले के प्रभारी मंत्री से करने की बात कही है। ग्राम कामता निवासी शिकायकर्ता तुकाराम साहू ने बताया कि डौंडीलोहारा ब्लॉक अंतर्गत वनांचल ग्राम राहटा में नीरज कुमार केकती सहायक शिक्षक एलबी एवं प्रभारी प्रधान पाठक हेमंत कुमार सोनकर पदस्थ है, जो कि नियंमति रुप से शाला में उपस्थित नही रहते एवं एक दुसरे को सहयोग करते हुऐ त्रुटिपूर्ण उपस्थिती पंजी का संधारण करते हुए शासन एवं छात्रो के भविष्य का नुकसान कर रहे है। शिकायतकर्ता ने यह जानकारी सूचना जे अधिकार के तहत निकाली है, डीईओ से एक अप्रैल 2024 को सूचना अधिकार से प्राप्त उपस्तिथि पंजी की छायाप्रति एवं वेतन स्लिप संलग्न कर लिखित शिकायत की हैं। बावजुद आज तलक कोई कार्यवाही जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नही की गई।

कड़ी कार्यवाही की मांग के साथ इन बिंदुओं में की शिकायत

सूचना अधिकार से प्राप्त जानकारी अनुसार शिकायतकर्ता तुकाराम ने बताया कि नीरज कुमार केकती की शिक्षा सत्र 2023-24 में आकस्मिक अवकाश की संख्या 13 से अधिक है। उसमें 7 जुलाई 2023 व 18 जुलाई 2023 एकदिवसीय हडतालों की संख्या को जोड दिया जाये तो और अधिक आकस्मिक अवकाश होगी। वही माह जनवरी 2024 में 16 जनवरी 2024 व 18 जनवरी 2024 को 2 दिवस अनुपस्थित है। उपस्थिति पंजी में नीरज कुमार केकती का हस्ताक्षर ही नही है। अनुपस्थित होने के बावजुद भी वेतन मे किसी प्रकार का कटौती नही किया जाना स्पष्ट रूप से प्रधानपाठक एवं सहायक शिक्षक की मिलीभगत को परिलक्षित करता है। साथ ही आकस्मिक अवकाश समाप्ति पश्चात उपस्थिति पंजी में माह जनवरी में 3 दिवस का चिकित्सा अवकाश दर्ज है। मात्र 3 दिवस की चिकित्सा अवकाश भी संदेहास्पद है। जिसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब घोर लापरवाही सहायक शिक्षक, प्रधानपाठक एवं संकुल समन्वयक की मिलीभगत को परिलक्षित करता है। शिकायत कर्ता ने आगे कहा कि राहटा वनांचल ग्राम है, जहा दर्ज संख्या काफी कम है। जिसका लाभ उठाते हुए वहा पदस्थ शिक्षक अपनी सुविधानुसार समन्वय बनाते हुए अनुपस्थिति रहते है एवं अनुपस्थिति को मिलीभगत कर उपस्थिति में परिवर्तित कर देते है, जिसकी अनियमिता सूचना का अधिकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बच्चो के भविष्य से खिड़वाड़ करने वाले शिक्षको के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किये जाने की मांग की हैं।

लाखो का शौचालय महीनो में खराब, खुले में शौच करने मजबूर स्कूली बच्चे

पायनियर संवाददाता ‹ कवर्धा
www.dailypioneer.com

सरकारी खजाना का खुलेआम लूट किया जा रहा है। सरकारी संपत्ति को अपनी संपत्ति मानकर निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत निंगापुर घटिया शौचालय बनाकर हड़प लिया है और ज़िम्मेदार आंख बंद कर आहरण करने में मदद भी कर दिया। पंडरिया विकासखंड के निर्माण कार्यों में आधिकांश जगहों पर गुणवत्ता दरकिनार किया जाता है। निर्माण कार्य बनते ही बह जाता है तो कोई कार्य महज दिखावे का होता है। जिसका मुख्य वजह ज़िम्मेदार अधिकारियो की नियमित निरीक्षण की कमी दिखाई देता है। तकनीकि अधिकारी निर्माणाधीन स्थल पर जाने की बजाए घर बैठे मूल्यांकन सत्यापन कर देते है। निर्माण कार्य का प्रकालन के अनुसार हो रहा है या नहीं इनसे कोई वास्ता नहीं रखते। जिसका खामियाजा हितग्राहीयो को भुगतना पड़ता है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय निंगापुर में एक लाख चालीस हजार की लागत से शौचालय निर्माण कराया गया है। जो कुछ दिन में ही जर्जर हो गया है। बच्चो को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सरकारी धन का दुरुपयोग

सरकारी संपति का दुरुपयोग पांडेण्या विकासखंड में खुलेआम किया जा रहा है यदि देखना है तो पूर्व माध्यमिक विद्यालय निंगापुर में देखा जा सकता है। ग्राम पंचायत निंगापुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शौचालय नहीं होने के कारण स्कूली बच्चों को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता था। बच्चो के हित को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत ने शौचालय निर्माण कराने का निर्णय लिया और विद्यालय के सामने शौचालय निर्माण कार्य प्रारंभ किया। शौचालय निर्माण कार्य प्रारंभ विद्यालय में गर्मी छुट्टी के समय 12 मई 2023 को किया और कार्य में लेट लतीफी करते हुए पांच माह से ऊपर का समय लगाते हुए 22 अक्टूबर को पूर्ण किया। जिसको नागरिक सूचना पटल पर अंकित किया है। शौचालय निर्माण में एक लाख चालीस हजार रुपए व्यय किया है। शौचालय की स्थिति देखने से उसका कोई उपयोगिता नही दिखाई देता है।

सिंटेक्स गायब

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधान मंत्री आवास निर्माण करने लिए जितना राशि स्वीकृत किया जाता है उतना राशि बच्चो के लिए सर्व सुविधा युक्त शौचालय के लिए राशि स्वीकृत किया गया। जो भ्रष्टाचार की भेट चढ गया। एक लाख चालीस हजार रुपए पंद्रहवें वित्त आयोग की राशि शौचालय निर्माण में कार्य एजेंसी ग्राम पंचायत ने व्यय किया है। जिसमे सर्व सुविधा युक्त बालक और बालिका शौचालय निर्माण करना था लेकिन हालात ऐसा हो गया कि लोग वहां पर शौच तो क्या पेशाब करने भी नही जाते। शौचालय में पानी की आपूर्ति के लिए सिंटेक्स ही नही है। पाइप का कनेक्शन जरूर लगा हुआ है।

छः माह भी नही चला शौचालय

शासन के द्वारा कोई भी निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए ज़िम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की नियुक्ति किया जाता है जिनके दिशा निर्देश में ही कार्य को संपन्न कराया जाता है लेकिन पंडरिया विकासखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय निंगापुर में स्कूली बच्चों के लिए जो शौचालय का निर्माण कराया गया है वो छः माह भी नही टिक पाया और दरार आ गया। शौचालय को देखने से ही उसकी गुणवत्ता साफ साफ दिखाई दे रहा है। उसमे कितना अच्छा सामग्री का उपयोग किया गया है। निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत अपने ही गांव के छोटे छोटे स्कूली बच्चों के लिए बनाए गए शौचालय में गुणवत्ता को दरकीनार करता है तो अन्य निर्माण कार्य कैसा होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

नियमित निरीक्षण का आभाव

पंडरिया विकासखण्ड मुख्यालय से निंगापुर की दूरी लगभग 20 किलोमीटर से अधिक है और अंतिम छोर भी आता है जिसके चलते निर्माण कार्य को संपन्न कराने वाले अधिकारी घर बैठे ही अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते है। यदि सक्षम अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा नियमित रूप से दौरा करते हुए निरीक्षण करते तो निर्माण एजेंसी के ऊपर डर रहता है और कार्य में गुणवत्ता युक्त सामग्री का उपयोग करते। जो नही हुआ। जिसका खामियाजा स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

बारिश के चलते सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में बढ़ रहे हैं मरीजों की संख्या

पायनियर संवाददाता ‹ कवर्धा
www.dailypioneer.com

लगातार मौसम में आ रहे उतार-चढ़ाव के चलते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोड़ला में एक बार फिर खांसी, बुखार व सर्दी के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। कुछ दिनों से अस्पताल के पंजीकरण काउंटर खुलने के पहले ही लोगों की लंबी कतारें लग रही है। जानकारी देते हुए चिकित्सा अधिकारी डॉ चंद्रेश चंद्रवंशी, मेडिकल ऑफिसर डॉ कुजूर ने बताया कि बारिश के दिनों में बारिश और मौसम में उमस से लोग बीमार हो रहे हैं हालांकि हमारे क्षेत्र में अभी लगातार हो रही बारिश के चलते मौसम ठंडा हो गया है और इससे वायरल फीवर के मरीजों की संख्या अस्पताल में बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि वनांचल क्षेत्र से भी लगातार वायरल फीवर सर्दी खांसी के मरीज बढ़ रहे हैं कुछ स्थानों पर बुखार सर्दी पेट दर्द मलेरिया टाइफाइड जैसी बीमारी की भी चपेट में लोग आ रहे हैं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सभी बीमारियों के बेहतर इलाज को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है और मैदानी अमला को इससे निपटने के लिए निर्देशित भी किया जा चुका है उन्होंने लोगों से मौसमी बीमारी से बचने के लिए शुद्ध पानी पीने, खानपान तथा मच्छरों से बचने की सलाह दी है।

ओपीडी में बढी मरीजों की भीड़

ओपीडी देखने वाले डॉक्टर डॉ कुजूर, डॉक्टर चंद्रेश चंद्रवंशी व राजेश चंद्रवंशी ने बताया कि अस्पताल में रोजाना 50 से अधिक मरीज आ रहे हैं। जिनमें वायरल फीवर की समस्या वाले मरीज अधिक से अधिक आ रहे हैं जब भी मौसम में परिवर्तन आता है तो इस प्रकार की मरीजों की संख्या में वृद्धि हो ही जाती है उन्होंने कहा कि बरसाती पानी इन दोनों प्राकृतिक जल स्रोत में मिल जाता है इसमें कई प्रकार के रोगाणु होते हैं इसे पाचन संबंधी परेशानी बढ़ जाती है और बारिश के समय में मच्छरों से बचाव करने की ज्यादा जरूरत होती है हालांकि अभी मलेरिया की ज्यादा शिकायत सामने नहीं आ रही हैं।

जल जनित बीमारियों का ज्यादा खतरा

बोड़ला विकासखंड के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर विवेक चंद्रवंशी ने बताया कि मौसम परिवर्तन होने के साथ ही मौसमी बीमारियों का आतंक शुरू हो जाता है बरसात के मौसम में आमतौर पर बुखार पेट दर्द आंख में जलन हाथ पैर में दर्द डायरिया उल्टी सहित अनेक प्रकार की बीमारियां होती है इनमें अधिकांश जल जनित बीमारी होती हैं इसलिए बीमारियों से बचने के लिए पानी की गुणवत्ता व शुद्धता जरूरी है चिकित्सक कहते हैं कि जल जनित बीमारियों जिनमे टाइफाइड बुखार मुख्य रूप से दूषित भोजन और पानी से होता है इसके लिए घर के आसपास स्वच्छता बनाने व गंदगी जमा न करने की सलाह दी जाती है इसके अलावा डेंगू बुखार जानलेवा है जो की एडीज मच्छर के काटने से फैलता है इससे बचने के लिए मच्छर को शरीर पर काटने से बचाए तथा मच्छरदानी का प्रयोग कर पूरी बाह वाले कपड़े पहने से इसके अलावा हैजा एक जल जनित संक्रमण है जो शरीर में कालरा फैलाता है इस रोग के होने पर दस्त व डिहाइड्रेशन की समस्या होती है बचाव के लिए हल्का गर्म पानी पिए बरसात के मौसम में मलेरिया से भी लोग अधिक ग्रस्त होते हैं बारिश के पानी से भरे रहने पर उसे मच्छरों की प्रजनन क्रिया ज्यादा होती है भरे हुए जमा ठहरे हुए पानी को खाली कर मलेरिया के खतरे को रोका जा सकता है इस प्रकार ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर विवेक चंद्रवंशी ने जल जनित बीमारियों से बचने की अपील लोगों से की है ।

जन समस्या निवारण शिविर में कई आवेदनों का मौके पर किया निराकरण

पायनियर संवाददाता ‹ दल्लीराजहर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन के निर्देशानुसार जन समस्या निवारण पखवाड़ा शिविर के छठवें दिन वार्ड क्रमांक 14, व 15 के लिए आयोजित शिविर, वार्ड क्रमांक 14 शहीद चौक दुर्गा मंच मैं आयोजित की गई । जन समस्या निवारण शिविर में लोगों ने मांगों एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर. के.साहू ने अधिकारी कर्मचारियों को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर आवेदनों के त्वरित निराकरण हेतु कार्रवाई करने सुनिश्चित की । शिविर में 46 राजस्व विभाग से संबंधित, 41 लोक निर्माण विभाग से संबंधित, 2 पेंशन विभाग से संबंधित, 7 स्वच्छता विभाग से संबंधित, 5 प्रधानमंत्री आवास से संबंधित,10 ई -श्रम कार्ड से संबंधित एवं 11आयुष्मान कार्ड से संबंधित इस प्रकार कुल 122 आवेदन प्राप्त हुए । इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा 40 आवेदनों का मौके पर त्वरित निराकरण करते हुए शिविर में राशन कार्ड, ई -श्रम कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया । जन समस्या निवारण शिविर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर के साहू, वार्ड पार्षद चंद्र प्रकाश सिन्हा, पूर्व पार्षद रामजतन भारद्वाज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

हरियाली अमावस्या के साथ ही हिन्दु त्यौहारों की शुरूआत, ग्रामीण क्षेत्रो में दिखा विशेष उत्साह

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

हरियाली अमावस्या के साथ ही हिन्दु त्यौवहारो की शुरूवात हो जाती है। साल के सबसे प्रथम त्यौवहार के रूप में मनाये जाने वाले इस पर्व को लेकर ग्रामीण क्षेत्रो में विशेष उत्साह दिखा। हरेली के दिन किसान भाई अपने खेती में प्रयोग होने वाले औजारो, पशुधन की पूजा की और खुशहाली की कामना की है। ग्रामीण क्षेत्रो में आज के दिन बडे बुर्जुगो गांव के देवताओं को होम धूप दे कर ग्राम की खुशहाली और सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना करते है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं के साथ पूजा करते हैं। गांवों के ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं।

बच्चों और युवाओं में दिखा उत्साह

बच्चो और युवाओं मे हरेली को लेकर उत्साह नजर आया, नगर के चैक चैराहो मोहल्लो में नारियल फेक, गेढी आदी मे शहर में ग्रामीण परिवेश की यादे ताजा कर दी। साथ ही छत्तीसगढ के पारंपरिक व्यंजने बबरा, चीला, बना त्यौहार का मजा लिया।

छत्तीसगढ की प्राचीन धरोहर का रहता है महत्व

पुराने समय में जब गांवों में धान मापन के लिए तौल कांटा बाट का प्रचलन नही था, तब काठा से धान का मापन किया जाता था। सामान्यतः एक काठा में चार किलो धान आता है। काठा में ही नाप कर पहले मजदूरी के रूप में धान का भुगतान किया जाता था। खुमरी सिर के लिए छाया प्रदान करने के लिए बांस की पतली पतली टुकड़ों से बनी, गुलाबी रंग से रंगी और कौड़ियों से सजी घेरेदार संरचना खुमरी कहलाती है। 'कांसी की डोरी खुमरी के बगल में डोरी का गोलनुमा गुच्छा कांसी पौधे के तने से बनी डोरी है। यह पहले चारपाई या खटिया में उपयोग होने वाले निवार के रूप में प्रयोग किया जाता था। डोरी बनाने की प्रक्रिया को डोरी आंटना कहा जाता है। बरसात के शुरुआती मौसम के बाद जब खेत के मेड़ों में कांसी पौधे उग आते है। तब उसके तने को काटकर डोरी बनाई जाती थी। जो कि चारपाई बनाने के काम आती थी। झांपी' पुराने जमाने में छत्तीसगढ़ में बैग या पेटी के विकल्प के रूप में उपयोग किया जाता था। यह खासकर विवाह के अवसर पर बारात जाने के समय दूल्हे का कपड़ा, श्रृंगार समान, पकवान आदि सामग्रियां रखने का काम आता था। यह बांस की लकड़ी से बनी मजबूत संरचना होती थी, जो कई वर्षों तक आसानी से खराब या नष्ट नहीं होती थी। बांस के डंडे के छोर पर लोहे का नुकीली हुक लगा हुआ वस्तु कलारी कहलाता है। यह प्रायः धान मिंजाई के दौरान उपयोग में लाया जाता था। यह धान को मिंजते समय धान को उलटने पलटने के काम आता था।

डेयरी होटल ढ़ाबा ब्रेड फैक्ट्री फल दुकान किराना स्टोर का निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ➤ मुंगेली
www.dailypioneer.com

विगत दिनों से बरसात के सीजन को ध्यान में रखते हुए अजीत बघेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, मुंगेली के द्वारा डेयरी होटल ढाबा ब्रेड फैक्ट्री फल दुकान किराना स्टोर का निरीक्षण किया गया एवं खाद्य पदार्थ के गुणवत्ता परीक्षण के लिए नमूना संकलन किया गया। इसी कड़ी में मुंगेली के देवांगन दुग्ध संकलन केंद्र कृष्णा डेयरी गौधा दुग्ध संकलन केंद्र का निरीक्षण कर दुग्ध का सैंपल लिया गया, मुंगेली के शिवाय मेडिकल भूमित मेडिकल से न्यूट्रास्यूटिकल नेस्टोजन, प्रोटीचेम का नमूना, किराना स्टोर एवं पान ठेला से पान मसाला, बिस्कुट सुरुचि भोजनालय से आटा,एएसपी फूड प्रोडक्ट से टोस्ट का जांच हेतु नमूना संकलन किया गया जिसे राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला कालीबाड़ी रायपुर को भेजा गया है साथ ही मुंगेली एवं लोरमी के फल दुकानों मैं जांच कर सड़े गले फलों का विक्रय करते हुए पाए जाने पर लगभग 80 किलोग्राम फलों को मौके पर ही नष्ट कराया गया। सभी होटल ढाबा किराना स्टोर फल दुकान पान ठेला वालों को निर्देशित किया गया की बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता बनाए रखें स्वच्छ बर्तन स्वच्छ पेयजल का उपयोग करें खाने के लिए फूड कलर जैसे, 999 का उपयोग करें। अखाद्य रंग जैसे गौछाप या मैटेलिक रंग का उपयोग न करें, फ्रेश तेल को कढ़ाई में डालने के बाद तीन चार बार से अधिक समोसा कचैड़ी नमकीन मिक्सचर बूंदी सलोनी बड़ा भजिया ना तले, तीन चार बार तलने के बाद कड़ाई से पूरे तेल को निकाल कर अलग रख दे जो खाने योग्य नहीं रहता है जिसे शासन के द्वारा 27 रुपए प्रति लीटर की दर से क्रय किया जाएगा, परोसने के लिए अखबार या इंक स्याही लगे कागज का इस्तेमाल न करें उसके स्थान पर दोना पत्तल या बिना स्याही लगे कोरा कागज का उपयोग करें, सड़े गले फलों, एक्सपायरी खाद्य सामग्री का विक्रय ना करें ऐसा करते हुए पाए जाने एवं फूड सैंपल अमानक पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के अनुसार कारावास अथवा दो से 5 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

गेंड़ी और नारियल फेक प्रतियोगिता में कौशल दिखाया चांपा पुलिस ने

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर चाम्पा
www.dailypioneer.com

विभागीय कामकाज के साथ-साथ लोक पर्व मैं भागीदारी करने को लेकर पुलिस अधिकारी और कर्मचारी सक्रियता दिखा रहे हैं। जांजगीर चांपा जिले के चाँपा सबडिवीजन में छत्तीसगढ़ के लोक पर्व हरेली के अवसर पर समय निकालकर परंपरागत कार्यक्रम किया गया। इस दौरान पुलिस स्टाफ़ में उत्साह का वातावरण नजर आया। अनुविभाग्य आधिकारिक पुलिस यदुमणि सिदार थाना प्रभारी चाँपा डॉक्टर नरेश पटेल और जवानों ने गेंड़ी पर चढ़कर कुशलता प्रदर्शित की। बचपन की यादों को इस पर्व के बहाने जीवंत करने की कोशिश की गई। हरेली पर नारियल फेंकने की प्रतियोगिता में होती है जिसका नजारा भी यहां पर देखने को मिला। चांपा थाना के प्रभारी सहित मातहत और जवानों ने पूरे उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में दमखम दिखाया। प्रतिस्पर्धा इस बात को लेकर थी कि कौन कितनी अच्छी तकनीक के साथ कितनी दूरी तक नारियल को फेंक सकता है। नारियल फेंक प्रतियोगिता का सबसे बड़ा पक्ष यही होता है और यह शारीरिक दक्षता के साथ-साथ कौशल और सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने का माध्यम बनता है। हरेली के अवसर पर पुलिस थाना परिसर में हरियाली बिखेरी गई। श्रावण अमावस्या के साथ लोक पर्व की शुरुआत हरेली से होती है इसलिए भी इस दिन का अपने आप में विशेष महत्व है। चाँपा पुलिस की ओर से किए गए इस आयोजन में विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी विशेष भूमिका का निर्वहन किया।

सड़क पार करते जंगली हाथी को पत्थर मारने का वीडियो सोशल मीडिया हो रहा वायरल, गुस्से में चिंघाड़ते हुए नजर आया हाथी

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

रायगढ़ जिले के सडक पार करते हुए एक जंगली हाथी को कुछ लोगों के द्वारा पत्थर मारकर परेशान करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में हाथी गुस्से से चिंघाड़ते हुए जंगल में घुसने दिख रहा है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक इन दिनों धरमजयगढ़ वन मंडल में 94 हाथी एवं रायगढ वन मंडल में 35 हाथियो को मिलाकर दोनों मंडलों में कुल 129 की संख्या में हाथी अलग-अलग दलों में विचरण कर रहे हैं। जिले में हाथियों की बढ़ी हुई संख्या से जहां हाथी प्रभावित गांव के ग्रामीणो में दहशत व्याप्त है वहीं हाथियों के द्वारा रोजाना किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाये जाने की खबरे भी सामने आ रही है। इसी बीच शनिवार की शाम सोशल मीडिया में धरमजयगढ़ वन मंडल के अंतर्गत आने वाले ग्राम धुलियामुडा गांव के राजा जंगल में अपने दल से भटका एक हाथी सडक पार कर रहा था इसी बीच गांव के कुछ शरारती युवकों की नजर उस पर पड़ गई जिसके बाद शरारती युवकों के द्वारा हो हल्ला करते हुए हाथी पर पत्थर बरसना शुरू कर दिया। इस दरम्यान हाथी ने गुस्से से चिंघाड़ते हुए जंगल में घुसते हुए दिखाई दे रहा है। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि जंगली हाथी को शरारती तत्वों के द्वारा जिस तरह परेशान करते हुए पत्थर मारा जा रहा है उससे हाथी भी आक्रोश में दिखाई दे रहा है जिस वजह से इस क्षेत्र में अनहोनी घटना की भी आशंका बनी हुई है।

एक रात में 28 जगह नुकसान- रायगढ़ जिले के जंगलों में विचरण करने वाले हाथियों ने बीती रात 32 किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जिसमें छाल के चुहकीमार में 16 किसानों की धान की फसल, अमरूद, गन्ना व मुंगफली की फसल को नुकसान, लैलूंगा के मुकडेगा, टांगरजोर, सोनाजोरी में 05 किसानों की धान की फसल, छाल के कांसाबहार में 04 किसानों की धान की फसल, धरमजयगढ़ के ओंगना, कोयलार, केन्द्रा में 03 किसानों की धान की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है।

हाथियों के दल पर एक नजर- रायगढ़ जिले के अलग-अलग जंगलों में विचरण रहे हाथियों के दलों में नर हाथी की संख्या 36, मादा हाथी की संख्या 64 के अलावा 29 हाथी के बच्चे शामिल हैं। वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक दल में हाथी शावक अधिक होनें की वजह से हाथी काफी आक्रामक होते हैं।

क्या कहते हैं रेंजर- सड़क पार करते हुए जंगली हाथी को कुछ शरारती तत्वों के द्वारा पत्थर मारे जाने के संबंध में धरमजयगढ़ वन मंडल के रेंजर दयानंद सोनवानी ने बताया कि हमारी अलर्ट है मौके पर पहुंचकर ऐसे लोगों को समझाईश दी जाएगी। इस तरह का हरकत करना बहुत ही गलत है।

अज्ञात चोर ने 3 बार एक ही दुकान पर बोला धावा, मंगला क्लाथ व ज्वेलरी शाप की चोरी

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिले के खरसिया तहसील मुख्यालय में सक्रिय चोर पुलिस की रात्रिकालीन गश्त व्यवस्था की कलई खोलकर रख रहे हैं, इस दावे को इसी वारदात से समझने की कोशिश करते हैं। खरसिया पुलिस चौकी से महज सौ मीटर के दायरे में निवास जनरल स्टोर संचालित है, बीते सात जुलाई से तीन अगस्त तक 22 दिनों के अंतराल में चोर ने तीन बार चोरी की वारदात को अंजाम देने की कोशिश की, पहली बार तो सीसीटीवी कैमरे से बचने के लिए ये चोर बोरा ओढ़कर आया। खरसिया में एक ऐसा अनोखा चोर है जो एक ही दुकान में तीन बार चोरी करने के बाद भी पकड़ा नही गया वैसे भी बाइक चोरी को छोड़ दिया जाए तो रायगढ़ पुलिस का चोरी के मामले रिकार्ड सबसे खराब रहा है चाहे वो चक्रधर नगर की ज्वेलरी शाप का मामला हो या शहर के बीचों बीच मंगला क्लाथ के यहां हुई चोरी का अधिकांश मामलों में पुलिस के हाथ खाली ही रहे है ऐसे में खरसिया के इस चोर ने तो पुलिस को खुला चेलेंज ही दे दिया कि दम है तो पकड़ कर दिखाओ जबकि वो हर बार थाने से 100 मीटर की दूरी पर स्थित नवीन जनरल की दुकान को ही अपना शिकार बनाता है। इस दुकान में सात जुलाई से तीन अगस्त तक 22 दिनों में चोर ने तीन बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया लेकिन उसके बावजूद पुलिस उसे नही पकड़ सकी चोर इतना शातिर है की, पहली बार वो सीसीटीवी कैमरे से बचने के लिए बोरा ओढ़कर आया, और कैमरे को घुमा दिया ताकि चोरी की वारदात कैमरे में कैद न हो सके और उसने गल्ले में रखी थोड़ी सी रकम पर हाथ साफ कर दिया इसके बाद दुकानदार ने सावधानी बरती और रात को दुकान में रकम रखना बंद कर दिया तो दूसरी बार में चोर को रकम हाथ नही लगी इस से खिसाए चोर ने दुकान के सामान पर ही हाथ साफकर दिया तीसरी बार उसने 02 अगस्त की रात को फिर से धावा बोल दिया लेकिन इस बार दुकान में घुसने से पहले ही छत पर उसे पड़ोस के लोगों ने देख लिया।

महिलाओं से दुर्व्यवहार करने वाला युवक जेल दाखिल, थाना प्रभारी ने की त्वरित कार्रवाई

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले नगर पंचायत के एक वार्ड वासियों द्वारा एक गंभीर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया गया था कि मोहल्ले का एक युवक रोज स्थानीय महिलाओं और बच्चियों से दुर्व्यवहार करता है। बीते शुक्रवार को पूरे मोहल्ले वासी थाना प्रभारी कमला पुसाम से मिले और इस आशय की रिर्पोट दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए टी आई ने तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपी युवक पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस मामले के बारे में धरमजयगढ़ थाना प्रभारी कमला पुसाम ने बताया कि धरमजयगढ़ कालोनी के वासियों द्वारा शिकायत दिया गया था कि जयदेव शील पिता रमनी कांत शील उम्र 24 वर्ष द्वारा मोहल्ले के महिलाओं एवं बच्चियों को आए दिन परेशान किया जाता है। जिस पर त्वरित संज्ञान में लेते हुए आरोपी युवक को पकड़ कर उसके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया जाकर माननीय एसडीएम न्यायालय पेश किया गया। जहां से उसके कृतियों के कारण जेल वारंट बनाया गया।

उद्यानिकी एवं वानिकी कॉलेज के नए भवन हॉस्टल, हेतु ओपी की पहल से 25.19 करोड़ स्वीकृत, रायगढ़ के लिए विकास हेतु ओपी चौधरी प्रतिबद्ध

रायगढ़। रायगढ़ उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे हेतु वित्त मंत्री ओपी चौधरी की पहल से वित्त विभाग ने 25 करोड़ 19 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से उपयोग कॉलेज हेतु नया भवन और छात्र-छात्राओं के हॉस्टल निर्माण में किया जाएगा। रायगढ़ के उद्यानिकी और वानिकी कॉलेज में इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार के प्रस्ताव पर वित्त विभाग की हरी झंडी मिल गई है। महाविद्यालय के लिए भवन निर्माण 16 करोड़ 29 लाख रुपए और 100 सीटर बालक छात्रावास निर्माण के लिए 4 करोड़ 41 लाख रुपए तथा 100 सीटर बालिका छात्रावास भवन निर्माण के लिए 4 करोड़ 49 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। आधुनिक शिक्षण सुविधाओं और उपकरणों से लैस नए भवन का निर्माण किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को एक बेहतर और उन्नत अध्ययन वातावरण मिल सके। इसके अलावा छात्र-छात्राओं के लिए 100-100 सीटर हॉस्टल बनाने की योजना है।

जेबीडीएव्ही स्कूल में मनाया गया रैनी डे-ग्रीन डे

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

शहर के प्रतिष्ठित स्कूल जे बी डी ए व्ही स्कुल में बड़े ही उत्साह के साथ ग्रीन डे एवम रैनी डे मनाया गया।सर्वप्रथम चेयरमैन अनिल दरयानी के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर उदघाटन किया और वर्षा ऋतु के महत्व को समझाया और हरियाली त्यौहार के महत्व को भी समझाया। बच्चों के द्वारा छाते और रैन कोट, हरे भरे फल और सब्जियों के प्रोजेक्ट बनाकर लाया गया।बच्चो के द्वारा मोबाइल एडिक्शन पर नुक्कड़ प्रस्तुत किया गया जो की काफी शिक्षाप्रद था।जिसमे यह संदेश दिया गया की मोबाइल के अधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभाव को बताया। तत्पश्चात शिक्षिकाओं के द्वारा सोशल मीडिया के चंगुल से बच्चो को दूर रहने का संदेश दिया, अति उत्तम प्रदर्शन से सभी शिक्षिकाओं ने सबका मन मोह लिया। 6 से 8 तक के बच्चो को गेड़ी दौड़ कराया गया, बच्चो को खूब मजा आया तथा हमारे पारंपरिक खेलो के प्रति उनकी रुचि को बढ़ाया। रस्साकसी में बालिकाओं ने बाजी मारी। बालिकाओं के बीच फुगड़ी का भी प्रतियोगिता रखा गया, जिसमे पूरे स्कूल ने बहुत आनंद उठाया। अंत में विजयी रहे बच्चो को दरयानी के द्वारा पुरस्कार दिया गया। प्राचार्या के. नागमणि राव ने सभी बच्चो से यह प्रण लिया की प्रति छात्र को एक एक पौधा लगाना है और पर्यावरण को हरा भरा बनाना है। उप प्राचार्य आर एन धीवर ने वर्षा के जल का संग्रहण का लाभ बताया। छवि दरयानी के साथ साथ विशाल यादव, कृष्णा राव, पूर्णिमा कसेर, कंचन कसेर, नजमा खान, फुलेश्वरी पटेल, मनीषा, अंजली देवांगन, सजदा खान, इंदू, अंजली, बबली, गंगा कसेर, दीपा, जयंती, सुमन पटेल, राजेश पटेल, पुनिराम पटेल, हिमांशु देवांगन, श्रेया, आसमीन बानो, किरण देवांगन, भावना सोन, कपिल पटेल, सूरज चौहान आदि सभी शिक्षकों शिक्षिकाओं ने बच्चो को हरेली पर्व की शुभकामनाए दी।

तहसीलदार जिला जांच के बाद स्थगन हटाते हैं या फिर शासकीय कार्य में रोक

पारिवारिक विवाद के कारण नाली निर्माण को लेकर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

पायनियर संवाददाता ➤ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत केकराभाठ नाली निर्माण को लेकर एक ही परिवार के दो लोगे आ गए जिससे कि मनरेगा के तहत बनने वाले नाली निर्माण अर्धलटकता हुआ नजर आ रहा है। ग्राम के राजेंद्र चंद्रा का कहना है कि सरपंच के द्वारा मेरे निजी भूमि में नाली निर्माण का कार्य जबरन कराया जा रहा है जो की उसमें अभी तहसीलदार से स्थगन लगा हुआ है जिन्होंने अपना खसरा नंबर 376/2 रकबा 0,1780 हैक्टेयर होना बताया जो कि मैरा निजी भूमि है। ग्राम के सरपंच रमाकांत चंद्रा का कहना है कि जो शासकीय भूमि ख न 323/1 व 377 जो शासकीय भूमि है पटवारी प्रतिवेदन के अनुसार इसै शासकीय भूमि बताया गया है। लेकिन वहीं पर राजेंद्र चंद्रा ने यह दवाा किया है कि 376/2 रकबा 0, 1 7 8 0 हैक्टेयर जो कि निजी भूमि है और कहां है कि यह मेरा निजी भूमि में मनरेगा योजना के तहत नाली निर्माण कार्य सरपच द्वारा कराया जा रहा है ।वहीं पर भोथिया के तहसीलदार ने इसे अपने उच्च अधिकारी कलेक्टर को अपने प्रतिवेदन में स्थगन लगाने की बात बताई गई है ।

मामला यह है कि यहां पर ग्राम पंचायत केकराभाठ के सरपंच का दवाा है कि शासकीय भूमि में राजेंद्र चंद्रा के द्वारा मनरेगा के तहत नाली निर्माण पर बाधा डालने का काम किया गया एवं मेरे रा मटेरियल को बिखेर दिया गया वहीं पर राजेंद्र चंद्रा का कहना है कि जो मनरेगा के तहत नाली निर्माण में तहसीलदार के द्वारा स्थगन लगाया गया है। जबकि तहसीलदार ने अपने प्रतिवेदन में जिला कलेक्टर शक्ति को यह लिखा है कि जब तक जिले से उनकी जांच नहीं किया जाता और प्रतिवेदन नहीं आता तब तक स्टे लगा रहेगा जिला जांच टीम ने ग्राम केकराभाठ घटना स्थल मनरेगा के तहत नाली निर्माण का जाच किया लेकिन अभी तक जांच प्रतिवेदन तहसीलदार को प्रस्तुत किया कि नहीं यह तो बताया नहीं जा सकता।

अब भोथिया के तहसीलदार इन पर क्या संज्ञान लेते हैं क्या स्टे को हटाते है या स्थगन यथावत बना रहेगा। सरपंच रमाकांत चंद्रा एवं ग्राम केकराभाठ के राजेंद्र चंद्रा पारिवारिक विवाद से शासकीय कार्य मनरेगा के तहत नाली निर्माण कार्य अटका हुआ है। समाचार लिखे जाने तक पक्ष विपक्ष दोनों आमने-सामने अडे हुए हैं।

देश के सिपाहियों के लिए महिला मोर्चा की बहनों ने भेजी राखी

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के माध्यम से भेजी राखियां

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

सिपाही रक्षा सूत्र महाअभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा की बहनों ने अपने देश के वीर सिपाहियों के लिए राखी भेजी है। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शोभा शर्मा ने बताया की बहनों द्वारा एकत्रित करके उनके द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में उक्त राखियों को जमा कराया गया है ताकि वह गंतव्य तक पहुंच जाए,इस हेतु शासन द्वारा समस्त जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालयों में परिपालन हेतु निर्देश दिया गया है।राखी के साथ अपने भाइयों के लिए भेजे गए संदेश में बहनों ने लिखा है की देश के सुरक्षा में तैनात हमारे वीर सपूतों को

प्रणाम,भाई बहन के पवित्र त्योहार पर हम बहनें आपके लिए राखी भेज रही है,इसे आप अपनी कलाई में बांधकर हम बहनों को प्यार देना ,आप देश के सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व छोड़कर सीमाओं में तैनात है,हमारी भेजी राखियां में हमने ढेर सारा प्यार,और आप सभी के लिए नेक दुवाएं भेजी है। इस कार्यक्रम में सविता उपाध्याय, मालती सिंह, कमला महतो, आशिया बेगम,चंपा माली, मेहरूनीषा, रीता निषाद, संगीता चैहान, लक्ष्मी, मेघा जा, रामेश्वरी।

सफलता पाने स्वयं पर भरोसा रखें : मुकेश शाह

रोज कम से कम दो लोगों की तारीफ करें

पायनियर संवाददाता ❮ रायपुर
www.dailypioneer.com

जगन्नाथ राव दानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हायर सेकेण्डरी की छात्राओं के लिए एक सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें शिक्षाविद् व मोटिवेशनल स्पीकर मुकेश शाह ने मुख्य वक्ता के तौर पर छात्राओं को जीवन में सफलता पाने अनेक महत्वपूर्ण बातें बताई। कुछ छोड़ो-कुछ जोड़ो पर केंद्रित इस सेमीनार में शाह ने बताया कि जीवन में हम जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं तो बहुत सी आदतों व बातों को त्यागना पड़ता है तथा कुछ प्रमुख बातों को आत्मसात करना पड़ता है। वक्ता के अनुसार स्वयं को कमजोर व असक्षम महसूस करने की आदत को त्याग करें क्योंकि जब आप किसी कार्य का बीड़ा उठाते हैं या कोई जिम्मेदारी भरा कार्य आपको करना होता है तो कई बार उस कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व हम ये मान लेते हैं कि हमसे यह कार्य नहीं हो पाएगा और इस सोच के चलते हमारा आत्मविश्वास कम हो जाता है और प्रयास पूर्ण मन से नही होता है। सफलता पाने के लिए खुद पर भरोसा करने की आदत को जोड़े क्योंकि इससे किसी कार्य को करने के लिए पूरे मन से प्रयास होता है। विद्यार्थी जीवन में गुस्सा करने की आदत को त्यागें, क्योंकि क्रोध का एक पल आपकी सारी अच्छाईयों पर भारी पड़ता है। इसका सीधा असर दिमाग और आपके कार्य पर भी पड़ता है। इसकी बजाय विनम्रता रूपी ताकत को हमेशा के लिए साथ रखें क्योंकि जो कार्य क्रोध से नहीं होता वह विनम्र भाव से करने पर हो जाता है। ज्यादा फल वाले पेड़ की झुकी हुई डालियां भी हमें यही संदेश देती है कि विनम्रता रूपी गुण अन्य गुणों को भी समक्ष ले आता है। जबकि क्रोध का भाव अन्य गुणों को ढंक लेता है। शाह ने छात्राओं से अपील की कि वे कोशिश करें कि अन्य लोगों की कमियों व अवगुणों की तरफ ज्यादा ध्यान ना देकर उसके गुणों पर ध्यान दें और अपनी कमियों को देखें। दुसरों में कमियां ज्यादा देखने से उसकी चर्चा भी निंदा और बुराई के रूप में होती है। अतः कोशिश करें कि किसी की निंदा कम ही करें। किसी के गुणों की तारीफकरने में कंजूसी ना करें। प्रत्येक व्यक्ति में गुण-अवगुण दोनों होते हैं अतः आप अवगुण को समझ भी लें तो भी उनके गुणों की चर्चा करें। दिन में कम से कम दो लोगों की तारीफ अवश्य करना चाहिए इससे हमारे अंदर भी सकारात्मकता का भाव बढ़ता है। किसी दूसरे से अपनी तुलना करके अपने अंदर पनप रहे निराशा का भाव छोड़कर यह सोच रखें कि प्रत्येक व्यक्ति में एक जैस गुण या आदतें नहीं हो सकती। भगवान ने प्रत्येक इंसान को किसी ना किसी गुण से अवश्य नवाजा है। किसी से तुलना न करके अपने अंदर के गुणों के लिए ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए तथा दुसरे के गुण व सफलता का सोचकर होने वाली निराशाको त्यागना चाहिए। प्रारंभ में जगन्नाथ राव दानी कन्या शाला के प्राचार्य डॉ. हितेश दीवान ने बताया कि उनकी स्कूल में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ जीवन के विभिन्न पहलूओं से अवगत कराने विभिन्न वक्ताओं को आमंत्रित कर उनका सेमीनार कराया जाता है। उन्होंने आज के वक्ता मुकेश शाह का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन अनुरिमा शर्मा द्वारा किया गया, और आभार प्रदर्शन संस्था की वरिष्ठ व्याख्याता मंजू शर्मा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक गण उर्मिला पांडे, किरण शुक्ला, क्रांति चंद्राकर, चंद्रशेखर, रामलाल पंडरिया भी उपस्थित रहे।

साहू समाज ने मनाया हरेली तिहार

पायनियर संवाददाता ❮ धमतरी
www.dailypioneer.com

जिला साहू संघ धमतरी शहर तहसील धमतरी परिक्षेत्र एवं वार्ड साहू समाज गोकुलपुर के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ के पहले पारंपरिक त्योहार हरेली पर्व को भक्त माता कर्मा चौक गोकुलपुर में कृषि कार्य में उपयोगी उपकरणों एवं औजारों का पारंपरिक विधि.विधान से पूजा.पाठ के साथ ही गेडी दौड का आयोजन कर धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के समापन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया, ठेठरी.खुरमी, शकरपारा का प्रसादी वितरण भी किया गया। जिलाध्यक्ष अवनेन्द्र साहू ने बताया कि हरेली पर्व अन्नदाताओं के कड़ी मेहनत को समर्पित हमारे छत्तीसगढ़ का पहला पारंपरिक त्यौहार है जिसमें किसान भाई अपने कृषि उपकरणों, पशुधन एवं धरती माता की पूजा.पाठ कर अच्छी फसल की कामना के साथ उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। साहू समाज की ओर से भी किसान भाइयों के साथ समस्त सामाजिकजनों, क्षेत्रवासियों के घर.परिवार में सुख,शांति, समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर जिला संघ धमतरी के महासचिव यशवंत कुमार साहू, तहसील अध्यक्ष रोहित कुमार साहू, जिला सचिव लीलाराम साहू, तहसील उपाध्यक्ष विजयगौतम साहू, चंद्रभागा साहू, पूर्व जिला महासचिव विजय साहू, पूर्व जिला उपाध्यक्ष महेश साहू, शारदा साहू, संगठन सचिव गोपीकिशन साहू, पवन गजपाल, वीरेंद्र साहू, उपेंद्र साहू, डॉ.भूपेंद्र साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष नारायण साहू, राजेंद्र साहू मदन साहू,ईश्वर साहू, नीलमणि साहू, डिलेश साहू, ललित चौधरी, रुपेंद्र साहू, जय साहू, अनिल साहू, असमत साहू, रमशिला साहू, चंद्रिका साहू, जानकी साहू, सेवती साहू, मंजूषा साहू, गणेशप्रसाद साहू, गजानंद साहू, भूमिकादेवी साहू, पल्लवी साहू, प्रवीण साहू, निर्मल साहू, रोशन साहू, देवेंद्र साहू, उमाशंकर साहू, कृष्णाराम साहू, नंदकिशोर साहू, भीखम साहू,माखन साहू, रेखराम साहू,अमित साहू, बंसीलाल साहू, भोलाराम साहू, कमलेशकांत साहू, संजू साहू, दुर्गेश साहू,गौतम साहू, सागर साहू, घनश्याम साहू, चांदनी साहू, विकास साहू,नामदेव साहू, के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित थे।

तिल्दा के प्रतिष्ठित व्यापारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

पायनियर संवाददाता ❮ तिल्दा
www.dailypioneer.com

तिल्दा। प्रतिष्ठित व्यापारी मनीष ट्रेडर्स के राहुल खूबचंदानी पिता प्रकाश खूबचंदानी के विरुद्ध रायपुर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी एन भगत द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। विदित हो कि राहुल खूबचंदानी की पत्नी द्वारा रायपुर न्यायालय में भरण पोषण की राशि के लिए प्रकरण पेश किया गया था जिसमे न्यायालय के आदेश के बावजूद राहुल खूबचंदानी द्वारा विगत एक साल से भरण पोषण राशि जमा नही की गई है और लगातार प्रकरण में अनुपस्थित रहते हैं न्यायालय द्वारा राहुल खूबचंदानी द्वारा एक साल से भरण पोषण राशि जमा नही करने पर न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

रायपुर। श्री नारायण किड्स एकेडमी, महावीर नगर रायपुर में श्री नारायण किड्स परिवार के लिए रैनी-डे समारोह का आयोजन किया गया।

एस.एम.सी अस्पताल में हुआ रेलवे के मरीज का दुर्लभ ऑपरेशन

पायनियर संवाददाता ❮ रायपुर
www.dailypioneer.com

68 वर्षीय महिला सांस लेने में तकलीफ के साथ रेलवे अस्पताल रायपुर से एस.एम.सी हार्ट इंस्टीट्यूट एवं आई वी एफ रिसर्च सेंटर रायपुर में आयी, ईको कार्डियोग्राफी करने पर पता चला कि उनके एओर्टिक वाल्व में परेशानी है, एवं उसे जल्द से जल्द ठीक करने की आवश्यकता है। चूँकि मरीज की स्थिति एवं उम्र ऐसी नहीं थी कि उसका ऑपरेशन किया जा सके क्योंकि ऑपरेशन होने पर रक्त स्राव की संभावना या वेंटिलेटर से संबंधित इंफेक्शन होने की संभावना अधिक थी, इसलिए हमारे संस्थान के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश सूर्यवंशी एवं कैथलैब की दक्ष टीम के द्वारा, एक प्रोसीजर ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट किया गया, इसमें पैर की नस के माध्यम से एक लंबा ट्यूब हृदय तक ले जाया जाता है इस नली के साथ एक डिलीवरी सिस्टम आता है जिसके माध्यम से वाल्व को हृदय में लगा दिया जाता है, इस प्रोसीजर में लगभग एक घंटे का समय लगता है इस प्रक्रिया के बाद मरीज को 2 दिन में डिस्चार्ज कर दिया गया अब मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है एवं रूटीन चेकअप के लिए भी आती है। एस. एम. सी. हॉस्पिटल के कॉरपोरेट डिप्टी मैनेजर यास्मीन ख़ान ने कहा कि हमारा हॉस्पिटल रेलवे के मरीज़ों एवं उनके परिजनों का हार्ट संबंधित बीमारियों के उच्च स्तरीय इलाज हेतु प्रतिबद्ध है।

ट्रेनों के नियमित चालन की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ❮ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

कांग्रेस कमेटी राजहरा द्वारा केन्द्रीय मंत्री से मांग की गई है कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली यात्री ट्रेनो को पिछले 4 सालों से अचानक रद्द करने का सिलसिला चल पड़ा है।अतः, इस सिलसिले को बंद किया जाए। वर्तमान में 72 से अधिक ट्रेनों को राजनांदगांव कलमना रेलखंड के बीच तीसरी लाइन जोड़ने के नाम पर रद्द कर दिया गया है। खबर है 4 अगस्त से 19 अगस्त के बीच 72 यात्री ट्रेन प्रभावित रहेंगी । रेलवे का यह कदम बेहद ही गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे समय में जब देश का प्रमुख त्यौहार स्वतंत्रता दिवस,रक्षाबंधन एवं छत्तीसगढ़ का प्रमुख त्योहार हरेली है। इस समय इतनी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों का रद्द किया जाना रेल यात्रियों के ऊपर अत्याचार है। रेलवे को यदि मेंटेनेंस करना था तो इसके लिए काम की समय सारणी का ऐसा प्रबंध किया जाना चाहिए जिससे यात्रियों की सुविधा बाधित न हो। पिछले 4 वर्षों से देश की रेल सुविधा पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है यात्री ट्रेनों की बिना कारण बताएं रद्द कर दिए जाने का फरमान जारी कर दिया जाता है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली सैकड़ों यात्री ट्रेनों को अनेकों बार महीनों तक के लिए रद्द किया गया है। महीनों पहले यात्रा की योजना बनाकर रिजर्वेशन करवाने वाले यात्री रेलवे की इस मनमानी से परेशान होते रहे हैं। त्योहार ,छुट्टियां, शादी विवाह के सीजनों में रेलवे बिना बताए, बिना कारण के यात्री ट्रेनों को रद्द कर देती है। रेलवे द्वारा ट्रेनों को रद्द किए जाने का कारण मेंटेनेंस बताया जाता है। जबकि उन्हें ट्रैकों पर यात्री ट्रेनों से 50 गुना अधिक क्षमता की माल वाहक ट्रेनों को चलाया जाता है। छत्तीसगढ़ से निकलने वाले कोयला का परिवहन कर दूसरे प्रदेश को भेजने के लिए भी छत्तीसगढ़ की यात्री सुविधाओं को बाधित किया जाता है। रेलवे द्वारा जिस प्रकार से यात्री ट्रेनों के संचालन में लगातार कोताही बरती जा रही है उससे स्पष्ट हो रहा है कि रेलवे यात्री सुविधाओं की अपेक्षा मालवाहक गाड़ियों को ज्यादा प्राथमिकता दे रही है। यह जानबूझकर किया जाने वाला षड्यंत्र है ताकि जनमानस में रेल अलोकप्रिय हो और मोदी सरकार रेलवे को निजी हाथों में विशेषकर अडानी समूह को सौंप सके। रेल देश के नागरिकों की सबसे सुलभ और लोकप्रिय सुविधा है। आजादी के बाद से जितने भी भूतपूर्व सरकारों ने घाटा उठाकर भी जनहित में रेलवे का संचालन अनवरत जारी रखा है। रेलवे को बेचने का कोई भी प्रयास देश की जनता के साथ धोखा है, कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि केंद्र सरकार यात्री ट्रेनों को नियमित चालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें साथ ही यात्री सुविधाओं विकलांग, बुजुर्ग, रिटायर्ड, सैनिकों, छात्रों व बच्चों को पूर्व में मिलने वाली रियायतें बहाल की जाए तथा रेलवे के निजीकरण के षड्यंत्र पर तत्काल विराम लगाया जाए। इस संबंध में कांग्रेस कमेटी राजहरा ने दल्ली राजहरा स्टेशन सुपरिंटेंडेंट को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान अध्यक्ष नगर पालिका परिषद शिबू नायर, महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी विवेक मसीह,अध्यक्ष जिला झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदीप कुमार, संयुक्त महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी विजय जोगदंड,अध्यक्ष जिला खेल प्रकोष्ठ विलियम भंवरा,सुरेश ठाकुर,रूबी एंथोनी अध्यक्ष नगर युवा कांग्रेस परितोष हंसपाल जावेद खान एवं कांग्रेसजन उपस्थित हुए।

शगुन इवेंट द्वारा आयोजित रक्षाबंधन स्पेशल प्रदर्शनी के अंतर्गत मेडिको रक्षक कार्यक्रम हुआ

पायनियर संवाददाता ❮ रायपुर
www.dailypioneer.com

शगुन इवेंट द्वारा आयोजित रक्षाबंधन स्पेशल प्रदर्शनी के अंतर्गत मेडिको रक्षक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम संयोजिका पायल नाचरानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में सेवा भावी चिकित्सकों का सम्मान किया गया। लगभग 35 चिकित्सकों का सम्मान हुआ। दोपहर में संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मेले के तीसरे दिन भारी संख्या में उपभोक्ता मेले में उपस्थित हुए। ग्राम कुर्मी गुंडरा स्थित नव सृजन खाद्योत्पादक सहकारी समिति, ग्राम हसदा स्थित समृद्धि टमाटर, फल एवं अन्य सब्जी प्रसंस्करण उत्पादक सहकारी समिति तथा ग्राम पुंड्रा स्थित शहिद वीर नारायण सिंह तेल प्रसंस्करण एवं पशु आहार सहकारी समिति जिसे उद्योग श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सहकारी समिति के टेक्निकल सपोर्ट एजेंसी प्रमुख सिद्धार्थ पांडे ने बताया कि इस प्रसंस्करण से ग्राम के युवाओं की दक्षता वृद्धि हो रही है, उत्पादन हेतु सावधानियां क्या रखना चाहिए, पेकिंग कैसे की जाए, ब्रांडिंग क्या होती है, और मार्केटिंग कैसे की जाए इन सभी बातों में तैयार किया जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि कुर्मी गुंडरा, स्थित नव सृजन खाद्योत्पादक सहकारी समिति द्वारा विभिन्न मिलेट के उत्पाद तैयार किए जाते है, वहीं पुंड्रा स्थित शहिद वीर नारायण सिंह तेल प्रसंस्करण एवं सहकारी समिति में कच्ची घानी से विभिन्न तेलों का निर्माण और विपणन किया जा रहा है। ग्राम हसदा स्थित समृद्धि टमाटर, फल एवं अन्य सब्जी प्रसंस्करण उत्पादक सहकारी समिति में टमाटर के विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाते है। इस अवसर पर उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है।

सी जी कालेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर के विद्यार्थियों का रहा शत-प्रतिशत परिणाम

पायनियर संवाददाता ❮ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी के सी.जी. कालेज ऑफ नर्सिंग रायपुर के विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय द्वारा जारी बीएससी नर्सिंग थर्ड सेमेस्टर परीक्षा में परिणाम शत-प्रतिशत रहा। बीएससी नर्सिंग थर्ड सेमेस्टर में देविका साहू ने 73 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वही नमिता गिरि ने 71.6 प्रतिशत लाकर द्वितीय स्थान और दिव्या मनहर व लीनू साहू ने 71.3 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान हासिल किया है संस्था के संचालक डॉ नवीन बागरेचा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ भारवि वैष्णव, प्राचार्य पुष्पेंद्र कर्ष, ने शत् प्रतिशत परिणाम आने पर हर्ष व्यक्त करते हुए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल अंबेडकर अस्पताल में क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है यहां पर विद्यार्थियों को बहुत ही अच्छा प्रशिक्षण प्राप्त होता है। यह जानकारी संस्था की प्रशासनिक अधिकारी डॉ. भारवी वैष्णव द्वारा दी गई।

हरेली पर कलेक्टर ने शक्कर कारखाना में किसानों हेतु क्रय किए गए कृषि यंत्रो की पूजा की

उन्नत कृषि यंत्र से गन्ना कृषकों को खेती में मिलेगा सहयोग : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ❮ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्ट इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग से गन्ना उत्पादक कृषकों को खेती में काफी ज्यादा सहयोग मिलेगा। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल रविवार को जिले के दंतेश्वरी मैय्या सहकारी शक्कर कारखाना करकाभाट में हरेली के अवसर पर पहुँचे। कारखाना प्रबंधक ने बताया कि कारखाना प्रबंधन द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड के गन्ना उत्पादक किसानों के उपयोग हेतु गन्ना खेती में प्रयोग में लाए जाने वाले 08 प्रकार के कृषि उपकरण - रोटावेटर, प्लाउ, पंजा प्लाउ, पॉवर स्पेयर पॉवर विडर रेटुन मेनेजर एवं बर्ड कटर (हस्त चलित) क्रय किया गया है। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने रविवार को कारखाना परिसर में क्रय किए गए कृषि यंत्रों की पूजा अर्चना कर कृषकों के उपयोग हेतु समर्पित किया।

उन्नत कृषि यंत्रों का अभाव

कारखाना प्रबंधक ने बताया कि क्षेत्र में लघु एवं सीमांत कृषकों की संख्या अधिक है। जिनके पास गन्ना खेती हेतु उन्नत कृषि यंत्रों का अभाव है। जिससे इस क्षेत्र के लघु एवं सीमांत कृषकों के पास गन्ना खेती हेतु यंत्रों के अभाव में महंगे दर पर यंत्र किराया पर लेने से कृषि लागत में वृद्धि होती है, साथ ही कृषि उपकरण के अभाव में खेती करने में समस्या हो रही है। गन्ना क्षेत्र विस्तार हेतु जिले के प्रत्येक विकासखंड में क्षेत्र के कृषकों के लिये कृषि यंत्र उपलब्ध कराने से लघु एवं सीमात कृषकों को गन्ना खेती लागत में कमी होगी और कृषकों की गन्ना खेती के प्रति रुचि बढ़ेगी। जिससे कारखाना को पर्याप्त गन्ना मिलेगा और कृषको की आय में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ डॉ. संजय कन्नौजे, प्रबंध संचालक राजेन्द्र प्रसाद राठिया, महाप्रबंधक एलके देवांगन, मुख्य गन्ना विकास अधिकारी हाकिम सिंह, चीफकेमिस्ट चंद्रजीत सिंह प्रभारी चीफइंजीनियर केपी सिंह सहित बड़ी संख्या में कृषक मौजूद थे।

भाजपा दल्लीराजहरा मंडल कार्य समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

पायनियर संवाददाता ❮ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी दल्लीराजहरा मंडल में दिनांक 30 जुलाई को ब्राह्मण समाज भवन में कार्य समिति की बैठक रखी गई। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलित कर भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्वलित किया इसके पश्चात् वंदे मातरम सुरेंद्र बेहरा द्वारा एवं स्वागत गीत खुशबू साहू द्वारा गाया गया ।अतिथि स्वागत पश्चात प्रस्तावित उद्बाटन भाषण मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी द्वारा किया गया। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर इस बैठक का आयोजन किया गया था इसके बाद प्रदेश स्तर में उक्त बैठक का आयोजन किया गया था और जिला बैठक के पश्चात् मंडल स्तर पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने एवं उनके पिछले 10 वर्षों कार्यकाल में योजनाओं की क्रियान्वयन होने के कारण मोदी की गारंटी को लेकर एवं मोदी की भाजपा सरकार ने भारत को विश्व के सबसे शक्तिशाली देश की पंक्ति में खड़ा कर दिया। गरीब कल्याण के अनेक योजना के चलते हुए राष्ट्र को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल किया। अब भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में अग्रसर है कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के दौरान देश को संभालने की बात है। मुफ्त में अरबों का टीका अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ लगातार मुफ्त में अनाज पहुंचाने या फिर गरीब परिवारों के लिए 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाने हर नागरिक को शुद्ध पर जल पहुंचने आयुष्मान कार्ड से मुफ्त चिकित्सा, सभी वंचित को सुविधा पहुंचाने की लोक कल्याणकारी मामले में इतिहास रचा है। मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की बधाई प्रस्ताव को कृष्णकांत पवार प्रदेश कार्य समिति द्वारा रखा गया जिसका समर्थन सुजीत झा एवं किरण सिन्हा द्वारा किया गया एवं राष्ट्र पति के अभिभाषण के मुख्य बिंदुओं को प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर द्वारा रखा गया जिसका समर्थन महेंद्र पिपरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी दल्ली राजहरा के कार्यकत्ताओं में संजीव सिंह, शंकर साहू, मुस्ताक अहमद, महेन्द्र सिंह, मदन माइती, दमन दीप सिंह, गिरधर सिन्हा, सोनू ठगेल, भूषण निर्मलकर, गीता मरकाम, रमणी बाघ, हुकुम सिंह, तोरण साहू, डॉ. गोपाल बघेल, कुमारी रावटे, बंटी चोपड़े, उमेश विश्वकर्मा, पार्षद राजेश काम्बले, बाबी छतवाल, सौहद्रा ठाकुर, प्रमिला पारकर, टी ज्योति, ममता नेताम, ताम्रध्वज सुधाकर, हेमन्त गौतम, विजय भान, मंजीत कौर, नीलावती साहू, प्रवीण उईके, श्रीजीत, श्याम जायसवाल, प्रणव शंकर साहू, नीलेश श्रीवास्तव, नवीन साहू, मनीष पाठक, सुमीत जैन, मेवा पटेल, विक्की शर्मा, नन्दा पसीने, मंजू मानिकपुरी, सुचित्रा दास, रंजीत गुप्ता, संजय सिंह, राहुल शर्मा, प्रदीप कामड़ी, विकास खरे, हरीश बाघ, मनीष उईके, अमित, श्याम दास, राकेश देवांगन, सोनिया सिंग, नीलम यादव, मुकेश चिकवा, पुरुषोत्तम तारम, पवन रंगारी, मोनू चौधरी, आदि लोग उपस्थित थे।

बेलसोंडा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोपे माँ के नाम एक पेड़

बेलसोंडा। छत्तीसगढ़ के पारम्परिक तिहार हरेली के दिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आव्हान पर जन सेविका हुलसी चंद्राकर के नेतृत्व में बेलसोंडा के नवा तालाब में वरगद वृक्षारोपण किया गया और पेड का लालन पालन देख भाल करने का संकल्प लिया गया इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र चंद्राकर संजय चंद्राकर अशोक साहू साथ रहे।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा जिला - महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.कं.....अ/2 वर्ष 2023-24
ग्राम - जंघोरा, प.ह. नं.58
रा.नि.मं - पिथौरा, तहसील पिथौरा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका कमला पुसाम ठाकुर, पति कुंदन सिंह ठाकुर जाति-गोंड़, निवासी ग्राम राधास्वामी नगर भाठागांव रायपुर तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की ग्राम जंघोरा, प.ह.नं. 58 रा.नि.मं. कौहाकुड़ा, तहसील पिथौरा स्थित भूमि खसरा नंबर 123/6 रकबा 0.09 हे.भूमि को आवासीय ईकाई हेतु पुनर्निर्धारण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय नक्शा, खसरा, बी-1, ग्राम पंचायत प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव आवेदित भूमि को आवासीय ईकाई हेतु पुनर्निर्धारण करने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तारीख 08.08.2024 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त होने वाली दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

आज दिनांक 29.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पिथौरा, जिला महासमुंद (छ.ग.)

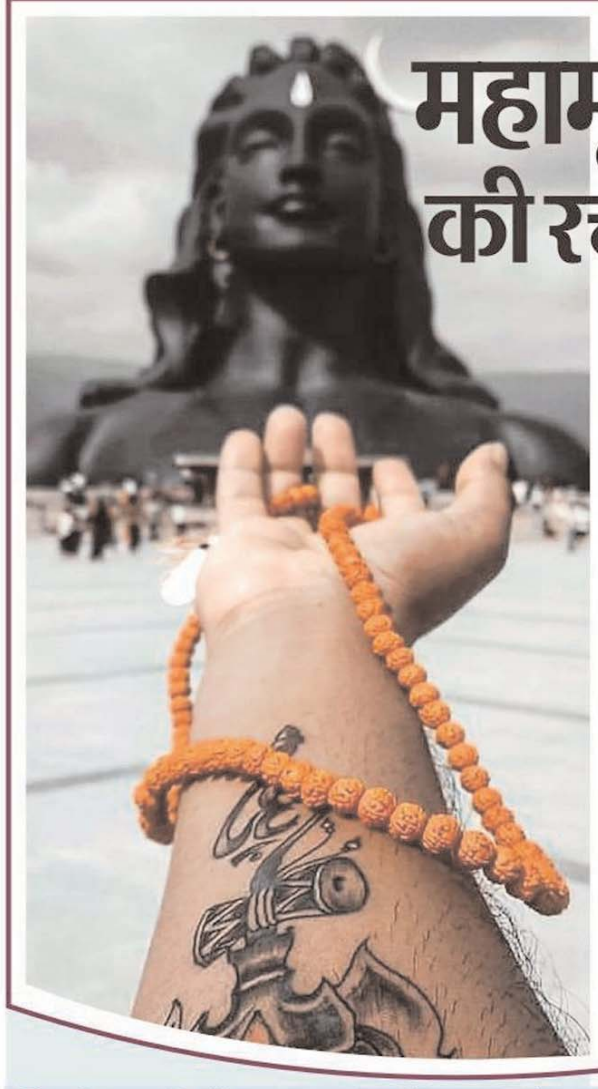

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए.यह देख जब उनकी पत्नी ने दुःख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दुःख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। साथ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

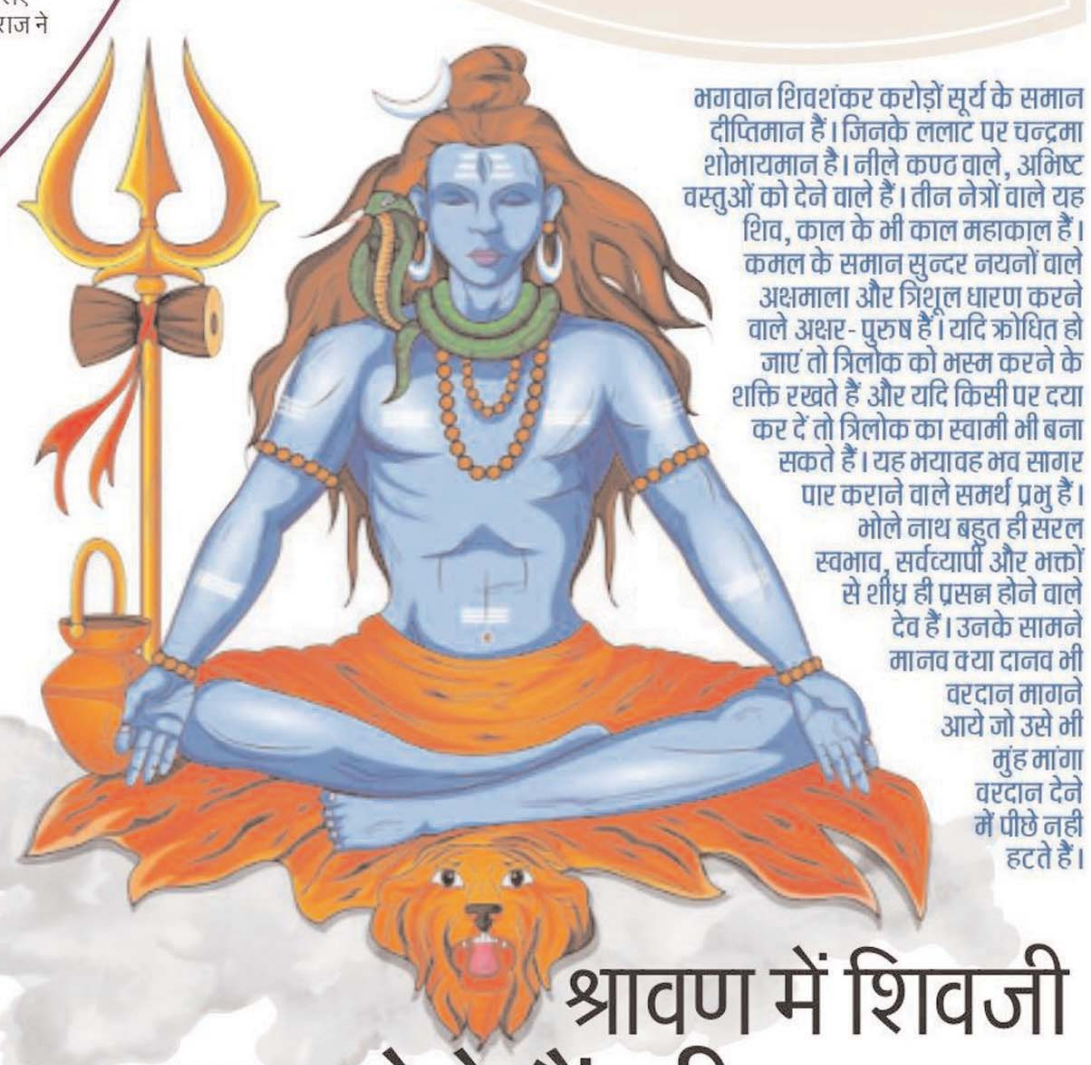

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर-पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमशः गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वतः प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

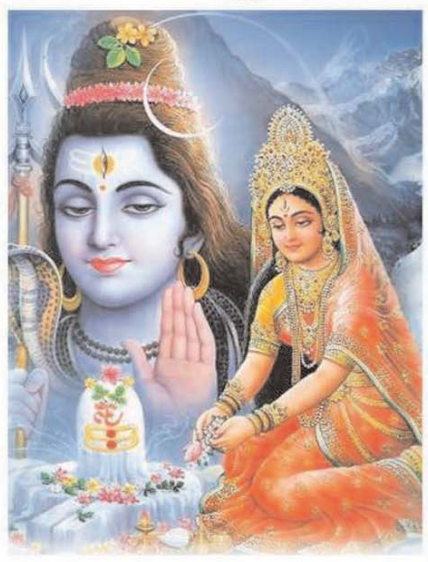

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज़क है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुनः शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अतः सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अतः इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रातः गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचने के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए।
शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए।
ओम नमः शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं शिव को सामान्यतः गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

●इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●ड्रायफ्रूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●बर्फी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मैसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●घेवर ●सतू की मिठाई ●हलवा ●पेठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है।
शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नमः श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

हरेली तिहार के अवसर पर राजिम विधायक साहू और कलेक्टर अग्रवाल ने पीएम आवास योजना के तहत निर्मित आवास के प्रांगण में किया पौधरोपण

कलेक्टर ने ग्राम सोहागपुर में संपूर्णता अभियान चौपाल में हितग्राहियों को सामग्रियों का किया वितरण

पायनियर संवाददाता ◂ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

हरेली तिहार छत्तीसगढ़ के किसानों एवं ग्रामवासियों के लिये महत्वपूर्ण अवसर है। राज्य शासन द्वारा इस दिन वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के घर में वृक्षारोपण करने का निर्णय लिया गया था। इसी तारतम्य में आज राजिम विधायक रोहित साहू ने ग्राम देवरी में और कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने ग्राम सोहागपुर में हितग्राहियों के घर जाकर पीएम आवास योजना के तहत नव निर्मित आवास के प्रांगण में वृक्षारोपण किया। इस दौरान विधायक साहू ने देवरी की निवासी मती सुखमत बाई के पीएम आवास और कलेक्टर ने सोहागपुर के ग्रामीण सालिक राम के पीएम जनमन आवास में पौध रोपण किया। हरेली तिहार के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में सभी ने छत्तीसगढ़ की पहली तिहार हरेली के दिन खेती किसानी के पारंपरिक औजारों एवं उपकरणों का विधि विधान से पूजन किया। साथ ही जिले की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। विधायक और कलेक्टर ने हितग्राहियों के घर पौधरोपण कर शासन के सहयोग से नए घर मिलने की शुभकामनाएं देते हुए एवं उनके घर रोपित पौधे का अच्छे से देखभाल करने की बात कही। साथ ही अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। ग्राम देवरी में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। सोहागपुर में आकां ब्लॉक अंर्तगत संपूर्णता **अभियान जन चौपाल का हुआ आयोजन** – कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशन में व जिला पंचायत सीईओ मति रीता यादव व जनपद पंचायत गरियाबंद सीईओ अमजद जाफरी के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत कस के आश्रित पीवीटीजी (विशिष्ट पिछड़ी जनजाति) ग्राम सोहागपुर में हरेली त्यौहार के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत कस ब्लॉक गरियाबंद मे पीएम आवास, पीएम जनमन,मुख्यमंत्री आवास योजना के आवासों में पौधारोपण कार्य किया गया। आकां ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्णता अभियान जन चौपाल की शुरुआत की गई ,आयोजन में प्रमुख 6 संकेतक पर आकां ब्लॉक फेलो द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। जिसके बाद कलेक्टर अग्रवाल द्वारा अभियान को जनमानस तक पहुंचाने एवं लाभ दिलाने पर नागरिको का ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कलेक्टर अग्रवाल एवं सीईओ मती यादव ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। साथ ही बाकी लोगों को भी प्रेरित किया। कलेक्टर द्वारा नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान को दिए गए समय अनुसार शत प्रतिशत छह संकेतक पूर्ण करने निर्देश दिया गया। उन्होंने लोगों को सम्पूर्णता अभियान के बारे मे जानकारी दी और सभी को अभियान से जोड़ने में योगदान देने को कहा। कार्यक्रम में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 6 गर्भवती महिलाओं को पौधा वितरण, 5 कृषकों को मृदा कार्ड वितरण , 39 जनमन आवास हितग्राहियों को पौधा वितरण, बिहान अंर्तगत समूह के चक्रीय निधि,1 जनमन आवास का गृह प्रवेश कार्यक्रम एवं फल व साल भेंट कर हितग्राहियों को सम्पूर्णता अभियान पर सम्मानित कर विशेष चर्चा रखी गई।

अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों को दिया गया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ◂ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

रायपुर एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जांजगीर के निर्देशानुसार सभी प्राथमिक विद्यालयों के अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम स्व0 चन्द्रकिरण शर्मा कन्या पूर्व माध्य शाला शिवरीनारायण में आयोजित किया गया। 30 जुलाई से 03 अगस्त तक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मानिय ओमप्रकाश शर्मा (प्रधान पाठक) रोहीत कुमार पटेल एवं एरावत साहू सीएसी शिवरीनारायण के द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक स्तर के बच्चो में अंग्रेजी में बोलने हेतु कौशल सृजन करने तथा बोलने का अभ्यास को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स धनेश्वर प्रसाद देवांगन एवं पिटर अगस्टिन पीटर के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के चतुर्थ दिवस डाइट जांजगीर से प्राध्यापक नेहरू प्रधान एवं पंचम दिवस विजयकुमार लहरे (बी इ ओ), इन्दुमणी सिंह, बसंत देवांगन संकुल प्राचार्य निरीक्षण हेतु उपस्थित हुए उनके द्वारा परिक्षार्थी शिक्षकों को मोटिवेशनल स्पीच दिया गया साथ ही प्रशिक्षण उपरांत कक्षाओं में सफल क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। सभी शिक्षक रुचि के साथ गतिविधियों में शामिल हुए। प्रशिक्षण की विशेषता यह है कि सभी प्रशिक्षार्थी मास्टर ट्रेनर्स आपस में अंग्रेजी में ही वार्तालाप, फीड बैग, प्रस्तुतीकरुण दिया गया। निर्देशित किया गया कि कक्षा में अंग्रेजी विषय पढ़ाते समय अंग्रेजी मे ही बोलने का प्रयास किया जाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित समय सारिणी के अनुसार संचालित किया गया। निरीक्षण कर्ताओं द्वारा शिक्षकों की गतिविधि में भागीदारी का अवलोकन किया तथा शिक्षकों की उपस्थिति, भोजन व्यवस्था आदि का जायजा लिया। कार्यक्रम का समापन विजय कुमार बहरे (बी ई ओ) नवागढ़, बंसत कुमार देवांगन (संकुल प्राचार्य एवं इन्दुमणी सिंह (ए बी ई ओ), एवं ओमप्रकाश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ साथ ही अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन के सदस्य मो अरशद रफी का विशेष सहयोग रहा।

सहयोग संस्था का प्रयास और कार्य सराहनीय है : दीपेश साहू

- **सहयोग संस्था की सहयोग से हम सब मिलकर बेमेतरा को बनाएंगे ग्रीन सिटी**

पायनियर संवाददाता ◂ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

एक पेंड़ माँ के नाम थीम पर बेमेतरा के वार्ड क्र.16 सिंघोरी मे स्थित मुक्तिधाम मे हरेली त्यौहार के पावन उपलक्ष्य पर नगर पालिका बेमेतरा की ओर से वृक्षारोपण रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। इस दौरान विधायक दीपेश साहू ने एक पेड़ माँ के नाम पौधा रोपण कर जिले वासियो से वृहद रूप से वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नगर पालिका की ओर से समस्त अतिथियों का सील्ड भेटकर सम्मानित किया गया द्य वही बेमेतरा के सहयोगी संस्था को भी विधायक दीपेश साहू के हाथो सम्मानित किया गया। तत्पश्चात विधायक साहू नारियल फेक खेलकर हरेली तिहार का आनंद लिया। इस दौरान विधायक दीपेश साहू कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पौधारोपण करने से पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस पहल से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरियाली बढ़ाने महत्वपूर्ण कदम है .पौधारोपण से न सिर्फकेवल हवा की गुणवत्ता में सुधार आता है द्य बल्कि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करने में सहायता मिलते हैं . इस दौरान कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू सहित उपस्थित समस्त नागरिक जनों ने छाया और फलदार पौधे भी लगाए . साहू ने कहा की लगातार बढ़ रही वनो की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है. और तापमान में वृद्धि हो रहा है। इसलिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम के दौरान लोगों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जोड़कर एक-एक पेड़ लगाने की अपील की थी . और पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित करने का सन्देश दिया था . विधायक दीपेश साहू ने एक पेंड़ माँ के नाम लगाकर माँ के याद को चिरस्थाई बनाए एवं धरती मां भी संवारे. उन्होंने ग्रीन सिटी बेमेतरा अभियान की तरह शहर वासियों से अपने-अपने क्षेत्र में अपनी मां की स्मृति में बड़ी संख्या में पौधा रोपण करने का आवाहन किया द्य साथ ही पौधे की सुरक्षा के लिए सजग रहने की भी हिदायत दी. विधायक ने कहा कि दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है इसका एकमात्र है वन क्षेत्र में वृद्धि करना। वनो की संख्या जितनी अधिक बढ़ेगी उतनी लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी ।

छग श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक इकाई गठित घनश्याम ब्लॉक अध्यक्ष व महेंद्र सचिव मनोनित

छग श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक इकाई गठित

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी, महासचिव विश्वदीपक राई, संभाग अध्यक्ष छगन साहू, संभाग अध्यक्ष मिर्ज़ा के मार्गदर्शन, जिला प्रभारी ललित साहू, जिलाध्यक्ष राम साहू के अगुवाई में प्रेस क्लब संरक्षक बालकृष्ण सिन्हा, प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रेम गोस्वामी की मौजूदगी में ब्लाक इकाई का गठन हुआ। छग श्रमजीवी पत्रकार संघ के ब्लॉक इकाई में वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम साहू को सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनित किया गया। वहीं सचिव महेन्द्र लेझारे को मनोनित हुए। इस अवसर पर राजनांदगांव जिला प्रभारी ललित साहू, जिलाध्यक्ष राम साहू, गोविन्द गुप्ता, दिवाकर सोनी, टिकु देवांगन, टुम्मन साहु, प्रकाश गुप्ता सहित ब्लाक के समस्त पत्रकारगण उपस्थित थे।

समलाई मंदिर प्रांगण में 05 अगस्त से चलेगा अखंड ओम नमः शिवाय का जाप

- **नेपाल से आए रुद्राक्षों से बनेगा पार्थिव शिवलिंग , समापन दिवस पर श्रद्धालुओ को बांटे जाएंगे अभिमंत्रित रुद्राक्ष**

पायनियर संवाददाता ◂ रायगढ़
www.dailypioneer.com

शहर के राजा महल क्षेत्र में स्थित प्राचीन समलाई मंदिर प्रांगण में धर्म रक्षा समिति और हिंद सेवक समिति के सामूहिक तत्वाधान में आगामी 05 अगस्त से अखंड ओम नमः शिवायष् महामंत्र का जाप करवाया जाना निर्धारित किया गया है और समापन दिवस 12 अगस्त को अभिमंत्रित रुद्राक्ष श्रद्धालुओ को निशुल्क बांटे जायेंगे। रायगढ़ में होने वाले इस अभूतपूर्व धार्मिक आयोजन की जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक विकास केडिया ने बताया कि हम हिंदुओं को पवित्र सावन मास में शिवभक्त अपने आराध्य भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष धर्म रक्षा समिति और हिंद सेवक समिति के सामूहिक तत्वाधान में शहर के राजा महल क्षेत्र में स्थित प्राचीन समलाई मंदिर प्रांगण में नेपाल से विशेष रुप से मंगाए गए रूद्राक्षों से पार्थिव शिवलिंग तैयार किया जाएगा, जिसे वैदिक रूप जलाभिषेक कर 05 अगस्त से अखंड ओम नमः शिवायष् महामंत्र का जाप पूरे शास्त्रीय विधि विधान से किया जायेगा, जो 24 घंटे अनवरत जारी रहेगा। अनवरत चलने वाले इस जाप से पार्थिव शिवलिंग निर्माण में उपयोग में लाए गए रुद्राक्षों को अभिमंत्रित किया जायेगा, जिसे समापन दिवस पर सभी श्रद्धालुओं को वितरित कर दिया जायेगा।

मेडिकल कॉलेज को मिले 14 डॉक्टर, विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार : मोनू बहादुर

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने पिछले दिनों मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को लेकर स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी में राजधानी में जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक में एक कमेटी का गठन किया गया था जो मेडिकल कॉलेज की समुचित व्यवस्था हेतु रिपोर्ट देगी। इस बीच शनिवार की शाम स्वास्थ्य महकमे ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल को 14 एमबीबीएस डॉक्टर्स दिए हैं। जिला भाजयुमो अध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए इस पहल के लिए विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार व्यक्त किया है। भाजयुमो अध्यक्ष मोनू ने कहा कि, विपक्ष में रहते हुए पांच साल भाजपा और भाजयुमो ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं के लिए सड़क की लड़ाई लड़ी। जब 2023 में दोबारा जनता ने भाजपा के सुराज को चुना तो पहली प्राथमिकता के साथ मेडिकल कॉलेज को दोबारा पूरी ऊर्जा के साथ संचालित किए जाने के प्रयास शुरु हुए। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी ने व्यक्तिगत रुप से इस विषय को गंभीरता से लिया। उनके ही सुझाव पर व्यवस्थाओं की जांच-पड़ताल और जरुरत की समीक्षा के लिए कमेटी का गठन किया गया। उन्होंने यहां डॉक्टरों की कमी पर भी चिंता व्यक्त की थी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल राजनांदगांव में नए डॉक्टरों की नियुक्ति की कवायद शुरु हो गई थी। मोनू ने कहा कि, अविभाजित राजनांदगांव की जनता में इन नियुक्तियों से उत्साह है। मेडिकल कॉलेज की सुविधाओं में पहले की अपेक्षा कई बेहतर सुधार हुए हैं। इन नए जूनियर रेसिडेंट डॉक्टरों की ज्वाईनिंग से भी अस्पताल में चिकित्सा सुविधा और सुदृढ़ होगी।

बगैर दरवाजे तोड़े सराफा से लाखों की चोरी सोमनी में हुई वारदात, पुलिस की कई संदिग्धों पर नजर

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

सोमनी के एक बड़े कारोबारी की दुकान में शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात लाखों रुपए के जेवरात की चोरी हुए हैं। बताया गया कि, लगभग 10 लाख रुपए का माल चोर ले उड़े हैं। चोरी की इस वारदात में पुलिस के लिए सबसे बड़ी पहली बन गई है कि चोरों ने दुकान में घुसपैठ किस तरह की। दुकान का कोई शटर टूटा नहीं है लेकिन भीतर के एक गेट में सेंधमारी हुई है। कपड़ा दुकान के साथ तीसरे माले में मौजूद सराफा से चोर जेवर ले उड़े हैं। पुलिस को शंका है कि, इस मामले में दुकान में कार्यरत कोई कर्मचारी संदिग्ध हो सकता है। पिछले भाग से दाखिल होने का साक्ष्य नहीं मिले हैं। पुलिस कारोबारी पिता-पुत्र के बयान में विरोधाभास स्थिति होने को लेकर वारदात को संदिग्ध मान रही है। पुलिस के मुताबिक, शाम 4 बजे से सीसीटीवी अचानक बंद हो गया। देर रात चोरी हुई और इसका कोई सुराग नहीं मिला। इसलिए भी इस मामले में कई संदिग्ध है जिन पर पुलिस की नज़र है। सोमनी थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने कहा कि, हमें कई लोगों पर शंका है। पुलिस को महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। सिर्फ संस्थान के सीसीटीवी बंद होने का मतलब ये नहीं है कि दूसरी जगहों से साक्ष्य न मिलें। उन्होंने कहा कि, सायबर सेल की भी मदद ली जा रही है। सायबर टीम और डॉग स्क्वॉड की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। पुलिस चोरी से जुड़े साक्ष्यों को लेकर पतासाजी कर रही है। बताया जा रहा है कि व्यवसायी राकेश जैन सोने के व्यवसाय को बड़े स्तर पर करते हैं। ऐसे में पुलिस व्यवसायी के बयान के आधार पर अज्ञात चोरों की खोजबीन के लिए जुट गई है।

हरियर अभियान के तहत व्यापारी वर्ग द्वारा पौधारोपण हरेली पर्व में गेड़ी सहित पारंपरिक खेलों की झलक

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

जिला प्रशासन के मंशानुरूप प्रेस क्लब डोंगरगांव एवं व्यापारीवर्ग के सहयोग से नगर में जारी हरियर अभियान के दूसरे चरण में हरेली पर्व दिवस वृहद पौधारोपण किये गए। दूसरे चरण का पौधारोपण पुलिस थाना चौक तिराहा से लेकर आजाद चौक तिराहा मटियावार्ड तक किया गया है। व्यापारीवर्ग ने पौधारोपण कर पौधों को ट्रीगार्ड से सुरक्षित भी किया। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण संरक्षण व नगर को चहुंओर से वनाच्छादित करने के उद्देश्य से नगर के सभी वर्ग बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हुए महती जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसी तारतम्य में व्यापारीवर्ग ने पुलिस थाना चौक तिराहा से लेकर आजाद चौक तिराहा मटियावार्ड तक कदंब, पारिजात, अशोक, गुलमोहर, आंवला, करंज व नीम के अलावा विभिन्न प्रजाति के लगभग 200 फलदार, छायादार सहित औषधीय पौधों का रोपण कर ट्रीगार्ड से सुरक्षित किया। इस मौके पर जनप्रतिधिगण भी सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर प्रमुख तौर पर दिनेश गाँधी, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, डॉ नीरेंद्र साहू, रामकिशन माहेश्वरी, स्वरूपचंद जैन, गुलशन हिरवानी, दिनेश नखत, ललित लोढ़ा, रामकुमार गुप्ता, किशोर बोहरा, सतीष वैष्णव, अमीर निर्वाण, सिद्दीक बडगुजर, डिकेश साहू, गोपाल टावरी, प्रियंक जैन, अमित गाँधी, सुनील टावरी, योगेश, लल्ला, प्रवेश, राजा के अलावा तहसीलदार पीएल नाग, सीएमओ डीएस पाल एवं सहित वनविभाग व निकाय के कर्मचारीगण तथा नगर के पत्रकारगण सम्मिलित हुए।

हरेली पर्व पर पारंपरिक खेल – हरेली पर्व के मौके पर नगर में पौधारोपण के अलावा गेड़ी प्रदर्शन एवं पारंपरिक खेल आयोजित हुए। व्यापारीवर्ग ने पौधारोपण उपरांत नारियल फेंक आयोजित किया। वहीं मटियावार्ड मंदिर परिसर में भी कुर्सी दौड़, रस्सा खींच, नारियल फेंक व मटका फोड़ व गोली चम्मच जैसे पारंपरिक खेल आयोजित किये गए। विजेताओं को आटा, शक्कर, तेल, साबुन प्रदान किये गए।

श्रावण सोमवार महाकाल पालकी यात्रा पुराना ढाबा से प्रारम्भ होगी, विधानसभा सभा अध्यक्ष डॉ रमन होंगे शामिल, नगर की तीसरी पालकी यात्रा

श्रावण सोमवार महाकाल पालकी यात्रा पुराना ढाबा से प्रारम्भ होगी

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

हॉकी और झांकी के बाद संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव की पहचान पालकी यात्रा बन गई है। हिंदू मान्यता के अनुसार सावन मास शिव पूजा का माना गया है। विशेष रूप से सावन सोमवार में शिव भक्त महाकाल की पूजा आराधना, अभिषेक, आरती कर उन्हें प्रसन्न करते हैं। संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव में विगत कई वर्षों से महाकाल बाबा चंद्रमौलेश्वर की पालकी यात्रा महाकाल भक्त सेना एवं महाकाल मंदिर समिति सिंघोला द्वारा प्रत्येक सोमवार को निकाली जाती है। हिंदू मान्यता के अनुसार महाकाल बाबा चंद्रमौलेश्वर शिव भक्तों को दर्शन देने, उनके हाल-चाल जानने के लिए नगर भ्रमण हेतु निकलते है। सावन माह के तीसरे सोमवार 05 अगस्त को महाकाल बाबा चंद्रमौलेश्वर की पालकी यात्रा शहर के पुराने ढाबा से प्रारंभ होगी जो गौरी नगर में विश्राम लेगी। डागा ने बताया कि पालकी यात्रा पुराना ढाबा से प्रारंभ हो शांति नगर, स्टेशन पारा होते हुए गौरी नगर पहुंच विश्राम लेगी। महाकाल भक्त पवन डागा ने जानकारी दी कि इस वर्ष श्रावण मास के तीसरे सोमवार को निकलने वाली बाबा महाकाल पालकी यात्रा में नगर के लाडले विधायक, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह भी शामिल होंगे।

पालकी यात्रा का ये होंगे आकर्षण

महाकाल भक्त सेना ने बताया कि पालकी यात्रा में शिव गण द्वारा शिव के विभिन्न रूप वेशभूषा में शामिल होंगे जोकि शोभायात्रा के विशेष आकर्षण होंगे। शोभायात्रा में छत्तीसगढ़ की लोककला की प्रस्तुति के साथ ही झांझ, मंजीरा, ढोल बाजे, भजन कीर्तन एवम् बाबा महाकाल की विशाल आकर्षक मूर्ति वाली क्षांकी भी होगी।
शिव भक्तों में पालकी यात्रा को लेकर अपार उत्साह है वे अपने अपने घरों के सामने बाबा चंद्रमौलेश्वर की पालकी की पूजा अर्चना एवम् आरती करने हेतु बेकरार है। पालकी यात्रा निकलने वाले रास्तों को सजाया जा रहा है। महाकाल मंदिर समिति सिंघोला एवं महाकाल भक्त सेना मंडल द्वारा पालकी यात्रा में शामिल होने हेतु बड़ी संख्या में भक्तों से अपील की है, साथ ही निवेदन किया है कि पालकी यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हो धर्म लाभ प्राप्त करें। उक्त जानकारी महाकाल बाबा चंद्रमौलेश्वर पालकी यात्रा के प्रचार प्रसार प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी है।

सावन मास के प्रत्येक सोमवार हो आधे दिन की छुट्टी

राजनंदगांव सर्व हिंदू सनातनी समाज द्वारा सावन मास को पवित्र मास के रूप में जाना जाता है। इस माह के पूरे 30 दिन भगवान शिव की विशेष आराधना, पूजा, अभिषेक एवं आरती करने का विशेष फल मिलता है ऐसी मान्यता है। महाकाल भक्त सेवा मंडल द्वारा श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को बाबा महाकाल की पालकी यात्रा भी अब यहां की पहचान बन चुकी है। राजनांदगांव जिले के शिव भक्त एवं सर्व सनातनी हिंदू समाज द्वारा श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को आधे दिन की छुट्टी की मांग कर रहा है। ताकि प्रत्येक शिव भक्त उनकी आराधना पूजा अभिषेक में सपरिवार शामिल हो सके।

छत्तीसगढ़ की पहली तिहार हरेली के दिन पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को किया गया पौधा वितरण

पायनियर संवाददाता ◂ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की पहली तिहार हरेली के दिन जिले के सभी ब्लाकों में एक पेड़ मां के नाम के सार्थक सन्देश के साथ कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में वृहद स्तर पर प्रधान मंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को स्थानियों जनप्रतिनिधियों के हाथों 5 हजार से अधिक पौधा वितरण किया गया। इसके साथ ही जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के घरों में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसके अलावा करदना ग्राम पंचायत के छतौरी में पीएम जनमन अंतर्गत निर्मित विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के आवास में गृह प्रवेश का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान हितग्राहियों द्वारा पौधा रोपण भी किया गया। इसके लिए उन्होंने शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य गण, जनपद अध्यक्ष एवं सदस्य गण, सरपंच पंच एवं आवास योजना के हितग्राही, स्थानीय नागरिक और अधिकारी कर्मचारीगण शामिल हुए।

जन समस्या निवारण शिविर में पहुँचे उप मुख्यमन्त्री अरुण साव ने कहा-

रायपुर में सुविधाओं के विस्तार में पैसों की कमी नहीं होगी

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी रायपुर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में पहुँचें उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार नागरिक सुविधाओं को हर घर तक पहुँचाने संकल्पों के साथ काम कर रही है एवं हर घर तक सेवाओं के पहुँच में राशि की कोई कभी नहीं होने दी जाएगी। नगर निगम रायपुर द्वारा जन समस्या निवारण पखवाड़ा के अन्तर्गत आज चँगोराभाठा सहित चार स्थानों पर शिविर का आयोजन कर नागरिकों के आवेदनों का निराकरण किया गया। साव ने खूबचंद वार्ड क्रमांक 68 में विकास कार्यों हेतु 1 करोड़ रू की राशि देने की घोषणा भी की है। इस शिविर में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, नगरीय प्रशासन के संचालक कुंदन कुमार, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर निगम कमिश्नर अविनाशं मिश्रा सहित नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, पार्षद मृत्युंजय दूबे भी शामिल हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री साव ने नगर निगम सुविधाओं से जुड़े ह्वाट्सऐप चैट बॉट का बटन दबाकर शुभारंभ किया। अब नागरिक प्रॉपर्टी टैक्स या कर पटाने व अन्य सेवाओं के लिए ह्वाट्सऐप सेवा का लाभ ले सकेंगे। इस कार्यक्रम में साव ने नागरिकों को नवीन राशन कार्ड, स्व सहायता समूहों को लोन राशि, प्रधानमंत्री आवास योजना हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र देने के साथ उत्कृष्ट कार्य कर रहे सफाई मित्रों का सम्मान किया। अपने संबोधन में साव ने कहा कि रायपुर के विकास में राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और नागरिकों तक बुनियादी सुविधाओं के साथ सेवाओं का त्वरित लाभ पहुँचाने ठोस पहल किए जाएँगे। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने रायपुर सहित हर नगरीय निकाय में नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए साव के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर सिंह ने कहा कि पूरे ज़िले में नागरिकों के आवेदन पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं एवं शिविरों के संपन्न ही जाने के बाद दस दिन के भीतर लंबित सभी आवेदनों की समीक्षा की जायेगी। आयुक्त मिश्रा ने कहा कि ज़्यादातर आवेदन राशन कार्ड, आधार, श्रम पंजीयन से संबंधित है एवं 80 फीसदी आवेदन शिविर स्थल पर निराकृत किए जा रहे हैं। शिविर में साव ने ज़रूरतमंदों को ट्राई साइकिल, छड़ी प्रदान किया एवं महिला बाल विकास विभाग के अन्ना प्रासन व पोषण से जुड़े गोद भराई कार्यक्रम में शामिल हुए। रविवार को चंगोराभाठा सहित गुढ़ियारी, मठपुरैना, आदर्श नगर में भी शिविर आयोजित हुए जिनमें 1209 आवेदन प्राप्त हुए और 940 आवेदन मौक़े पर निराकृत किए गए। रायपुर में अब तक 59 शिविर आयोजित किए गये हैं, जिनमें 16212 आवेदन मिले जिसमें से 13022 निराकृत हो चुके हैं। इस तरह 80 प्रतिशत आवेदन का निराकरण शिविर स्थल पर ही हो चुका है। सोमवार को शिविर का आयोजन गुढ़ियारी, शंकर नगर, ढीमर भवन महराजबंध, सियान सदन टाटीबंध, तेलीबांधा सामुदायिक भवन में सुबह 10 बजे से आयोजित है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसलों का बीमा कराने के अंतिम तिथि 16 अगस्त 2024 तक

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ 2024 में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए फसलों की बीमा कराने की तिथि को बढ़ाते हुए 16 अगस्त 2024 कर दिया गया है। भारत सरकार ने सभी अधिसूचित फसलों के लिए ऋणी एवं अऋणी किसानों के नामांकन के लिए कट ऑफ की तिथि को 16 अगस्त कर दिया है। जिले के कृषकों से निर्धारित तिथि तक अपने फसलों का बीमा कराने की अपील की गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्रदेश के किसान मुख्य फसल धान सिंचित, धान असिंचित एवं अन्य फसल मक्का, मूंगफल्ली, मूंग, उड़द, सोयाबीन, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी का बीमा करा सकते हैं। किसानों के फसल को प्रतिकूल मौसम, सूखा, बाढ़, जलप्लावन, कीटव्याधि, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए बीमा में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत ऋणी एवं अऋणी किसान जो भू-धारक व बटाईदार हो सम्मिलित हो सकते हैं, जो किसान अधिसूचित ग्राम व राजस्व निरीक्षक मंडल में अधिसूचित फसल के लिए वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि ऋण स्वीकृत, नवीनीकृत की गई हो। योजना ऋणी कृषकों के लिए विकल्प चयन आधार पर क्रियान्वित होगी, ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते है, उन्हें स्व हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन के अंतिम तिथि के 7 दिवस पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्था में जमा करना होगा। विकल्प चयन नहीं करने पर अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जाएगा। इनके अलावा ऐच्छिक आधार पर अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी गैर ऋणी किसान जो योजना में सम्मिलित होने के इच्छुक हो, वह बुआई प्रमाण पत्र क्षेत्रीय पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा सत्यापित कराकर एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत मौसम खरीफ वर्ष 2024-2025 तक जिले के लिए भारतीय कृषि बीमा कंपनी का चयन निविदा के आधार पर हुआ हैं। किसानों द्वारा प्रदाय किए जाने वाली प्रीमियम दर, खरीफ वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत कुल बीमित राशि का 2 प्रतिशत मुख्य फसल धान सिंचित 1200 रूपए, धान असिंचित 900 रूपए एवं अन्य फसल मक्का 900 रूपए, मूंगफल्ली 840 रूपए, मूंग एवं उड़द 540 रूपए, सोयाबीन 960 रूपए, अरहर 760 रूपए, कोदो 320 रूपए, कुटकी 340 रूपए एवं रागी 300 रूपए किसानों द्वारा प्रीमियम राशि देय है। एक ही अधिसूचित क्षेत्र एवं अधिसूचित फसल के लिए अलग-अलग वित्तीय संस्थाओं से कृषि ऋण स्वीकृत होने की स्थिति में किसानों को एक ही स्थान से बीमा कराया जाना है। इसकी सूचना किसानों को संबंधित बैंक को देनी होगी। ऋणी एवं अऋणी किसानों द्वारा समान रकबा, खसरा का दोहरा बीमा कराने की स्थिति में जो रकबा पहले प्रविष्टि की गई हो को स्वीकार किया जाएगा तथा अन्य सभी बीमा को कंपनी द्वारा निरस्त किया कर प्रीमियम की राशि योजना प्रावधानानुसार अंतरित (राजसात) किया जाएगा। इसके संबंध में देशव्यापी हेल्पलाईन नंबर 14447 एवं +91-18004190344 से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कृषक निर्धारित अंतिम तिथि अपने फसलों का बीमा कराकर पावती अवश्य कर ले। बीमा हेतु आधार कार्ड अनिवार्य है एवं ऋण पुस्तिका, बैंक पासबुक, बुवाई प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए अपने समिति, संबंधित बैंक, बीमा प्रदायक कंपनी भारतीय कृषि बीमा कंपनी, लोक सेवा केन्द्र, एआईडीई मोबाईल एप से भी अपने फसलों का बीमा करा सकते हैं।

हरेली त्यौहार पर मलखंभ का रोमांचक प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मलखंभ के युवाओं ने हरेली पर्व पर मुख्यमंत्री निवास में रोमांचक प्रदर्शन कर रहे हैं। मलखंभ शारीरिक फुर्ती के साथ मनोरंजन का भी अनोखा खेल है। जब इन खिलाड़ियों ने अपना जौहर दिखाया तो लोगों ने दांतों तले उंगली दबा ली। गौरतलब है कि नारायणपुर के मलखंभ खिलाड़ियों का लोहा पूरे देश ने माना है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार इसे आगे बढ़ाने के लिए काफी कार्य कर रही है। हरेली त्यौहार के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री निवास में युवा तथा बुज़ुर्ग समवेत रूप से राऊत नाचा में हिस्सा ले रहे हैं। दोनों ही पीढ़ियां अपनी परंपरा को बढ़ा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे भोरमदेव में कावड़ियों पर पुष्प वर्षा

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सोमवार को भोरमदेव में शिव भक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन के बारे में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सोमवार सुबह 7:00 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रायपुर से प्रस्थान करेंगे और लगभग 7:30 बजे भोरमदेव पहुंचेंगे। भोरमदेव में वह हजारों की संख्या में पहुंचे शिव भक्तों, जो सैकड़ों किलोमीटर पैदल यात्रा कर शिवजी का जल अभिषेक करने आए हैं, पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करेंगे। यह आयोजन छत्तीसगढ़

में पहली बार हो रहा है, जब प्रदेश के मुखिया स्वयं कावड़ियों पर पुष्प वर्षा करेंगे। उसके उपरांत भोरमदेव बाबा का पूजा अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली के किये कामना करेंगे।

कवर्धा में बूढ़ा महादेव मंदिर में करेंगे अभिषेक : भोरमदेव में पुष्प वर्षा के उपरांत मुख्यमंत्री साय सुबह 8:00 बजे भोरमदेव मंदिर पहुंचेंगे। वे 9 बजे तक भोरमदेव मंदिर और कवर्धा के प्राचीन और प्रसिद्ध बूढ़ा महादेव मंदिर में पंचमुखी बूढ़ा महादेव का दर्शन, पूजन और अभिषेक करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक विजय शर्मा भी उपस्थित रहेंगे।

श्रावण मास के पवित्र अवसर पर भोरमदेव और बूढ़ा महादेव मंदिर में विशेष रूप से हजारों की संख्या में कावड़िये अमरकंटक से नर्मदा जल लाकर शिवजी का अभिषेक करते हैं। यह परंपरा पिछले 25 से 30 वर्षों से जारी है और हर वर्ष कावड़ियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री साय का इस वर्ष शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा करना इस परंपरा को और अधिक विशेष बना रहा है।

6 साल के बच्चों से लेकर 60 साल के बुजुर्गों ने गेड़ी प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

हरेली तिहार के अवसर पर आज भाठागांव में गेड़ी दौड़ ,फुगड़ी संहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन खूबचंद ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया। जिसमे 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया।गेड़ी दौड़ का इतना आकर्षण था कि 6 साल के बच्चों के साथ 60 के बुजुर्गों ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लेकर सभी को अचंभित कर दिया। स्कूल एवं कॉलेज

की छात्राओं ने फुगड़ी प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरनिगम रायपुर के अध्यक्ष प्रमोद दुबे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे तथा विशिष्ट अतिथि पार्षद सतनाम पनाग,उत्तम साहू,एवं प्रशांत ठेंगड़ी ने प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया।

5 August 2024 Pride Of Raipur

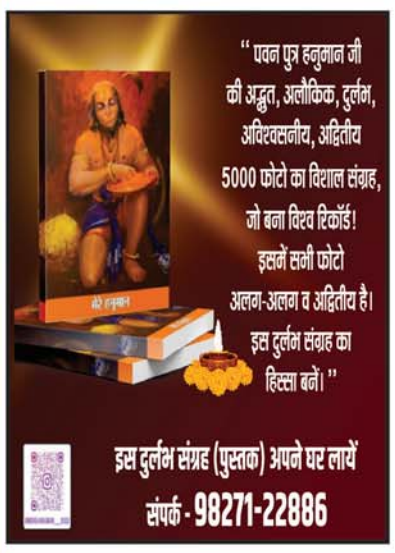
" पवन पुत्र हनुमान जी की अद्भुत, अलौकिक, दुर्लभ, अविश्वसनीय, अद्वितीय 5000 फोटो का विशाल संग्रह, जो बना विश्व रिकॉर्ड! इसमें सभी फोटो अलग-अलग व अद्वितीय है। इस दुर्लभ संग्रह का हिस्सा बनें। "
इस दुर्लभ संग्रह (पुस्तक) अपने घर लायें
संपर्क - 98271-22886

Magnetic Mosquito Net Curtain
Keeps Mosquitoes Out
Lets Fres Air and Cool Breeze In
DEEPS MOSQUITOES & FLIES OUT
FRESH AIR FLOW
KID & PET FRIENDLY
MOSQUITO PROTECTION
NO TECHNICIAN OR TOOLS REQUIRED
EASY-SELF INSTALL IN MINUTES
LAXMI TRADING COMPANY
Millennium Plaza, Banstall, G.E. Road, Raipur (C.G.)
Contact : +91 93031 47175

TENSILE SHADE

CAR PARKING SHADES
• Cafeteria • Terraces • Sport Areas • Resort Tents
• Entrance Canopies • Garden Covering • Food Courts • Car Parking
• Walk Ways • Petrol Pumps • Swimming Pool Shades
R.B. Plus RAIPUR
81091 11313
86028 11220

M A K AZAD COLLEGE OF PHARMACY, RAIPUR (C.G.)
Since – 2004
Approved by PCI New Delhi
Affiliated with CSVTU Bhilai
ADMISSION / REGISTRATION OPEN - 2024-25
B Pharmacy – D Pharmacy
XII Science – PCB/ PCM
B Pharmacy lateral entry
CHOURASIYA COLONY NAV DURGA NAGAR RAIPUR
9329621221 , 9425214413 , 9981224037 ,7714913335
email I D - makazadpharmacy123@gmail.com
For online registration Visit:
www.makazadpharmcy.com

होमलोन व मार्डगेज लोन
10 लाख से 10 करोड़ तक
राष्ट्रीयकृत एवं प्रतिष्ठित बैंक द्वारा
होम लोन ब्याज दर मात्र 8.70%*
मार्डगेज लोन ब्याज दर मात्र 9.50%*
वर्तमान होमलोन को ट्रांसफर करायें कम ब्याज दर पर 8.70%
पायें उतना ही अतिरिक्त लोन, होम लोन दर पर 8.70%*
SHRI SIDDHI VINAYAK FINACE
Near Samudayik Bhawan, Jorapara, Raipur
Mob.: 9329002356
नोट - बैंकिंग एवं कार्पोरेट सेक्टर में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्कता है।

KSR KisaN Parryware always in fashion

Shree Vijay Sales
Near Ganesh Vinayak Eye Hospital Opp Colors Mall, Dhamtari Road, Pachpedi Naka Raipur, Mob. 9993376888

Home Constrution

HOUSE Planning I Construction Work (with or without Materials)
BOQ for bank Loans I Building Materials Supplying I Landscaping
All Electrical and Plumbing Services I Consultancy Services
Under Supervision of a well experienced Civil Engineer
@ Raipur
M : 82239-70000
86029-59274
M/s. SHEKHAR SAHAY
Shop# 139, 1st Floor, Progressive Point, Lalpur, Raipur

Cartridge Refilling
Refiling @ Your Door Step

JB Mall, Lower Ground Floor, M.G. Road, Raipur (C.G.)
Callaway Print Your Omagination With Us..
9302787900, 9425211789

विज्ञापन हेतु जगह उपलब्ध है।
9329846567
9827146567

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।
विष्णु के सुशासन से सँवर रहा छत्तीसगढ़
SAMVAD 41056/53
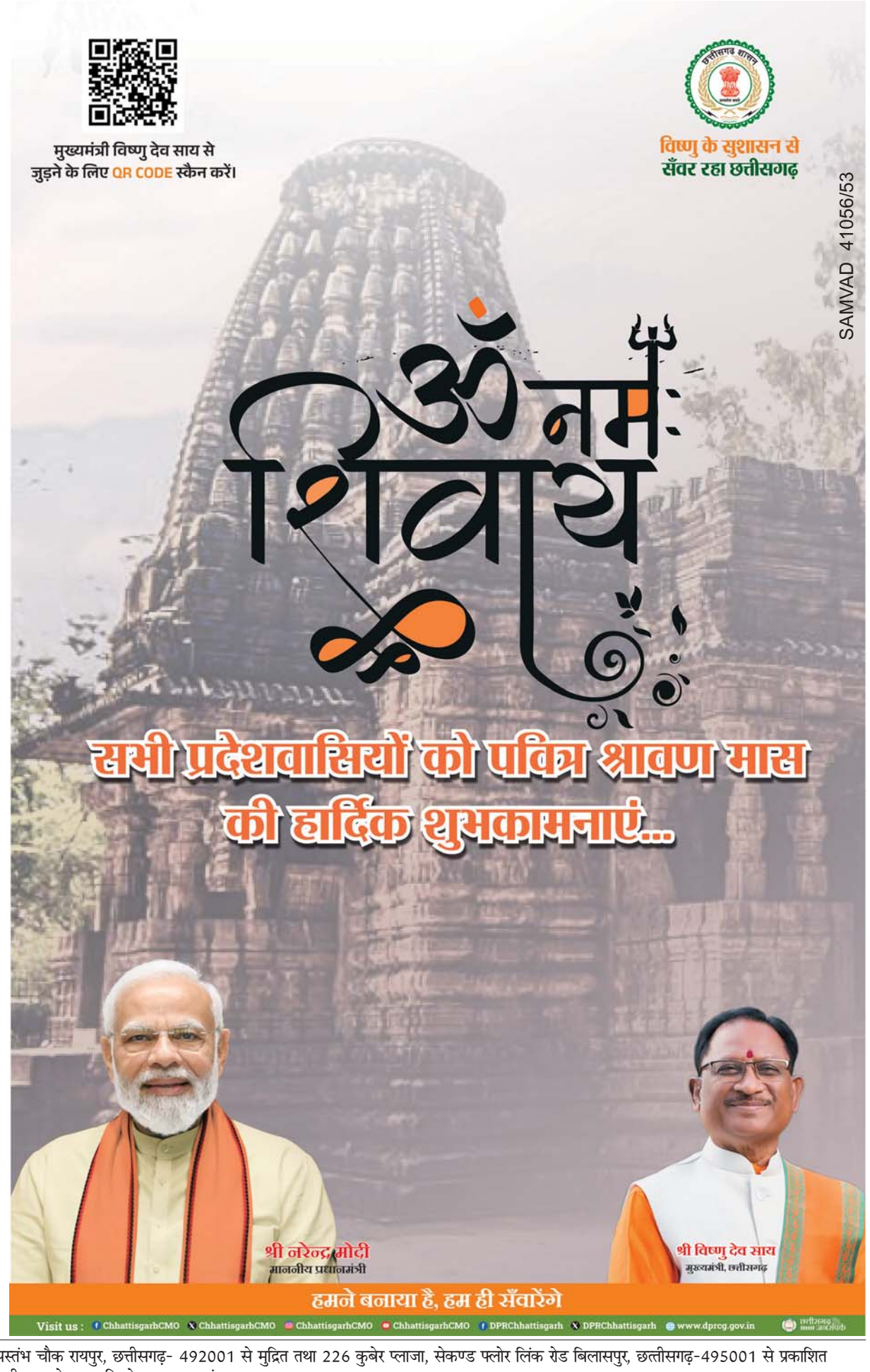

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़- 492001 से मुद्रित तथा 226 कुबेर प्लाजा, सेकण्ड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 से प्रकाशित
संपादक-रविशंकर शुक्ला * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, दूरभाष नंबर 07752-400878